आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 01 अंक : 139 रांची, शुक्रवार, 03 मई, 2024 (वैशाख कृष्ण 10, संवत 2081), पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com

जिन्होंने देश की बदली तकदीर, उन्हें ही फिर से है लानाः संजय सेठ

प्रातः नागपुरी संवाददाता, रांची

भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ ने रांची लोकसभा से अपना नामांकन दाखिल करने से पहले जनसभा को संबोधित किया। जनसभा का आयोजन मोरहाबादी में किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मौजूद रहे। कार्यक्रम को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। लोग दूर दराज से चिलचिलाती धूप में जनसभा में शामिल होने पहुंचे थे। रांची के निर्वतमान सांसद सह बीजेपी के उम्मीदवार संजय सेठ ने वहां पर मौजूद लोगों से संबोधित करते हुए कहा कि जिन्होंने देश की तकदीर बदल दी, जिनके दिल मे रांची की जनता बसती है, उन्हें एक बार फिर लाना है।

जहां मोदी की गारंटी, वहीं झारखंड की जनता की भी गारंटी : संजय सेठ ने आगे कहा कि झारखंड की जनता ये गारंटी दे दिया है कि जहां मोदी की गारंटी है। वहीं, झारखंड की जनता की भी गारंटी रहेगी। झारखंड की सभी 14 सीटें पीएम मोदी की झोली में आएंगे। दुनिया में दो तरह के लोग हैं, जो मोदी को पसंद करते हैं और दूसरे वे जो पीएम मोदी को पसंद नहीं करते हैं। क्योंकि वह मोदी से डरते हैं।

ये ऐसे लोग है जिन्हें न तो चुनाव आयोग पर विश्वास है, न ही सुप्रीम कोर्ट कोर्ट पर। ये बस गांधी परिवार पर विश्वास करते हैं, लेकिन जिस गांधी परिवार ने राम के निमंत्रण को ठुकराया, उन्हें इस बार देश की जनता ठुकरायेगी।

आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने पूछा ये सवाल : आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने वहां पर मौजूद लोगों से पूछा कि देश की जनता उन्हें वोट देगी जो 10 साल से मेहनत कर रहे हैं या उसे वोट देगी जो इतने सालों से परिवारवाद को बढ़ावा दे रही है? इन्होंने केवल अपना नाम बदला है। इनकी बारात तैयार है, लेकिन दूल्हा का अता-पता नहीं। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि संजय सेठ का मुकाबला किसी से नहीं है। उन्हें बस 42 डिग्री तापमान से मुकाबला करना है। क्योंकि इनके टक्कर में कोई है ही नहीं।

25 तारीख तक जोश रहना चाहिए हाई- सीएम धामी

वहीं, नामांकन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आपका जोश ऐसे ही 25 तारीख तक बना रहना चहिए। वह कहते हैं कि मुझे नहीं लग रहा है कि यह नामांकन सभा है। ऐसा लग रहा है कि कोई मेला लगा हुआ है। हजारों लोग यहां जुटे हुए हैं। आज मैं यहां आप सभी से संजय जी के लिए समर्थन मांगने आया हूं। 2 घंटे की उपस्थिति में मैंने यह जान लिया है कि संजय सेठ भारी मतों से जीतकर आपके सांसद बनने वाले हैं। झारखंड की पहचान यहां की आदिवासी अस्मिता से होती है। एक ही समय में झारखंड और उत्तराखंड का गठन हुआ है। दोनों ही राज्यों की समानता भी एक ही है। पहले ये राज्य विकास से वंचित रह जाता था। लेकिन पीएम मोदी जी की सरकार में आदिवासी समाज का मान सम्मान और बढ़ा है। पीएम मोदी ने ही एक आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनाया है।

कोडरमा से अन्नपूर्णा देवी ने व रांची से संजय सेठ ने किया नामांकन

- सात सीटों पर 29 उम्मीदवारों ने नामांकन के लिए भरा पर्चा

कोडरमा/रांची। झारखंड में लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे (देश के पांचवें) तथा तीसरे (देश के छठे) चरण की सीटों पर चल रही नामांकन प्रक्रिया के तहत गुरुवार को ताबड़तोड़ नामांकन हुए। सात सीटों पर कुल 29 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इनमें 17 उम्मीदवारों ने दूसरे तथा 12 उम्मीदवारों ने तीसरे चरण की सीटों के लिए अपना-अपना पर्चा भरा। दूसरे चरण की तीन सीटों पर शुक्रवार को नामांकन खत्म हो जाएगा। यहां चार मई को नामांकन पत्रों की जांच होगी तथा छह मई तक नामांकन वापस लिया जा सकेगा। गुरुवार को कोडरमा में भाजपा की उम्मीदवार अन्नपूर्णा देवी ने अपना नामांकन दाखिल किया। इस मौके पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, विधायक नीरा यादव, केदार हाजरा आदि उपस्थित थे। उनके नामांकन के बाद कोडरमा के सर्कस मैदान में जनसभा आयोजित की गई, जिसमें अन्य नेताओं के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी शामिल हुए।

गुरुवार को ही लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के तहत रांची संसदीय सीट के लिए भाजपा उम्मीदवार संजय सेठ ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इससे पहले उनके समर्थन में मोरहाबादी मैदान में जनसभा आयोजित की गई, जिसमें उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो, भाजपा विधायक दल के नेता अमर कुमार बाउरी, पूर्व मंत्री सीपी सिंह आदि शामिल हुए।

किस सीट पर कितने उम्मीदवारों ने किया नामांकनः दूसरे चरण की सीटों पर चल रही नामांकन प्रक्रिया के तहत गुरुवार को चतरा में आठ, कोडरमा में चार तथा हजारीबाग में पांच यानी कुल 17 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया।

शेष पेज 08 पर

गांडेय में भाजपा उम्मीदवार दिलीप वर्मा ने दाखिल किया पर्चा

झारखंड विधानसभा की गांडेय सीट पर होनेवाले उपचुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार दिलीप वर्मा ने गुरुवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी एवं अन्य भाजपा नेता उपस्थित थे। गांडेय उपचुनाव के लिए अब तक सात उम्मीदवारों ने नामांकन का पर्चा भरा है।

संक्षिप्त

सीबीआइ भारत सरकार के नियंत्रण में नहीं है : केंद्र

नयी दिल्ली। केंद्र ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सीबीआइ उसके 'नियंत्रण' में नहीं है और वह एजेंसी द्वारा दर्ज अपराध या उसकी जांच की निगरानी नहीं कर सकता है। केंद्र की यह दलील इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि विपक्षी दल सरकार पर अपने प्रतिद्वंद्वियों को निशाना बनाने के लिए सीबीआइ और इडी जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते रहे हैं। केंद्र ने पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से दायर वाद पर अपनी प्रारंभिक आपत्तियों में यह बात कही। दरअसल बंगाल सरकार ने अपने वाद में कहा है कि सीबीआइ राज्य की पूर्वानुमति के बिना कई मामलों में अपनी जांच आगे बढ़ा रही है। पश्चिम बंगाल सरकार ने केंद्र की दलील का विरोध किया और कहा कि जब किसी राज्य में सीबीआइ आती है, तो वहां इडी भी आ जाती है और इसका देश की राजनीति पर बड़ा असर पड़ता है।

इंजीनियरिंग की छात्रा रेलगाड़ी से टकरायी, मौत

हरिद्वार. उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के रूड़की में सोशल मीडिया 'रील' बनाने के चक्कर मे इंजीनियरिंग की एक छात्रा रेलगाड़ी की चपेट में आ गयी। पुलिस ने बताया कि मौके पर ही छात्रा की मौत हो गयी। गंगनहर कोतवाली के पुलिस प्रभारी गोविंद राम ने बृहस्पतिवार को बताया कि 20 वर्षीय वैशाली बुधवार शाम अपनी एक सहेली के साथ रहीमपुर रेलवे फाटक के पास रेलवे ट्रैक पर खड़े होकर अपने मोबाइल से 'रील' बना रही थी और इसी दौरान वह रेलगाड़ी की चपेट में आ गयी।

प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल गांधी पर अब तक का सबसे बड़ा कसा तंज- कहा

शहजादे को प्रधानमंत्री बनाने के लिए उतावला है पाकिस्तान

एजेंसियां, अहमदाबाद

गुरुवार को गुजरात पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अब तक का सबसे बड़ा तंज कसा है। गुजरात के आणंद में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि शहजादे को पीएम बनाने के लिए पाकिस्तान उतावला है। पीएम मोदी ने कहा कि, पाकिस्तानी नेता कांग्रेस के लिए दुआ कर रहे हैं और शहजादे को भारत का प्रधानमंत्री बनाने के लिए पाकिस्तान उतावला है।

पीएम मोदी ने यह टिप्पणी पीटीआई प्रमुख इमरान खान के करीबी और पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी की सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की गई पोस्ट के बाद की।

चौधरी ने अपने हैंडल पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का समर्थन करते हुए एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें राहुल गांधी अयोध्या में हुए रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जिक्र कर प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा पर निशाना साधा था।

शेष पेज 08 पर

प्रज्वल रेवन्ना घोर दुराचारी, उसके समर्थन में वोट मांगने के लिए पीएम मांगें माफी : राहुल

शिवमोगा (कर्नाटक)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि कर्नाटक के हासन लोकसभा सीट से मौजूदा सांसद और जद-एस नेता प्रज्वल रेवन्ना ने 400 महिलाओं से दुष्कर्म किया और उनका वीडियो बनाया है। राहुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के नेताओं से प्रज्वल के पक्ष में लोगों से मतदान की अपील करने के लिए देश से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह सेक्स स्कैंडल नहीं है, बल्कि व्यापक पैमाने का दुष्कर्म है। भाजपा के प्रत्येक नेता को पता था कि प्रज्वल 'घोर दुराचारी' है और इसके बावजूद उनका समर्थन किया और जद(एस) के साथ गठबंधन किया। यह मोदी की गारंटी है कि इतने बड़े मामले का आरोपी रेवन्ना देश छोड़ कर भाग गया। राहुल शिवमोगा में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे।

राहुल गांधी लड़ेंगे अमेठी से चुनाव! शहर में लगे पोस्टर, रोड शो को मिली मंजूरी

एजेंसियां, नई दिल्ली

राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ेंगे या नहीं इस सवाल का जवाब अभी तक साफ नहीं हुआ है। हालांकि अमेठी प्रशासन ने कांग्रेस को शहर में रोड शो की अनुमति दे दी है। कांग्रेस के अमेठी दफ्तर पर राहुल गांधी के पोस्टर लगाए जाने की खबर भी सामने आ रही है। एक तरफ जहां मीडिया से बात करते हुए समाजवादी पार्टी अमेठी के जिला अध्यक्ष ने कहा कि कल सुबह 10 बजे राहुल गांधी अमेठी से नामांकन दाखिल करेंगे, वहीं अब मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जानकारी सामने आ रही है कि कांग्रेस कल अपने उम्मीदवार का एलान करेगी।

सभी की नज़रें कांग्रेस के एलान पर है कि अमेठी से क्या राहुल गांधी को ही स्मृति ईरानी के सामने मैदान में उतारा जाएगा या कोई और नया नाम सामने आएगा।

बैठक हुई, अब फैसला सुनाया जाएगा? : अमेठी और रायबरेली में कांग्रेस उम्मीदवारों को लेकर सस्पेंस काफी बढ़ गया है।

शेष पेज 08 पर

हेमंत सोरेन सहित तीन की न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ी

रांची। बड़गाईं अंचल की 8.5 एकड़ जमीन से जुड़े मामले मामले में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा, होटवार में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, बड़गाईं अंचल के निलंबित राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद और फर्जी दस्तावेज तैयार करने का मास्टरमाइंड सद्दाम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत में पेश किया गया। गुरुवार को कोर्ट ने तीनों की न्यायिक हिरासत की अवधि 14 दिनों के लिए बढ़ा दी है। कोर्ट में अगली पेशी 16 मई को होगी। सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद इडी ने हेमंत सोरेन को 31 जनवरी की रात गिरफ्तार किया था।

पीएम मोदी के हाथों को मजबूत करने के साथ फिर स्थिर केंद्र सरकार देनी हैः मौर्य

गिरिडीह। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि झारखंड में एनडीए 14 की 14 सीटों पर जीत दर्ज करेगा। ऐसे ही उत्तर प्रदेश में भी 80 की 80 सीट नरेन्द्र मोदी की झोली में डालने का काम करेंगे। केशव प्रसाद मौर्य गुरुवार को कोडरमा लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अन्नपूर्णा देवी और गांडेय विधानसभा सीट से उम्मीदवार दिलीप कुमार वर्मा के पक्ष में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में नरेन्द्र मोदी का डंका बज रहा है। मौर्य ने कहा कि मोदी ओबीसी वर्ग से आते हैं और उन्होंने 10 साल देश की खूब सेवा की है। उन्होंने वर्ष 2019 के चुनाव में भाजपा ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने, अयोध्या में राम मंदिर बनने का वादा किया था, उसे मोदी सरकार ने पूरा कर दिया। अब बारी जनता की है। इसके लिए नरेन्द्र मोदी के हाथों को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने 60 वर्ष में देश को बर्बाद करने और लूटने का काम किया है।सबका साथ और सब का विकास करने का काम सिर्फ नरेन्द मोदी ने किया। विपक्ष के पास न नेता है, न नीति है, न मुद्दा है। विपक्ष सिर्फ मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करती है।

शेष पेज 08 पर

चाईबासा में पीएम मोदी की जनसभा आज, एक लाख लोग रहेंगे मौजूद

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नरेंद्र 3 मई से दो दिवसीय झारखंड दौरे पर रहेंगे। शुक्रवार को पीएम बंगाल के बोलपुर से सीधे झारखंड के चाईबासा पहुंचेंगे। जहां वे सिंहभूम से भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा के पक्ष में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। ये रैली 3 मई को चाईबासा के टाटा कॉलेज मैदान में प्रस्तावित है। इसकी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक इस जनसभा में लगभग 1 लाख लोग विभिन्न जगहों से पहुंचेंगे।

सुरक्षा के हैं पुख्ता इंतजाम : पीएम मोदी के टाटा कॉलेज मैदान में आयोजित जनसभा स्थल पर डेढ़ लाख स्क्वायर फीट में पंडाल का निर्माण किया गया है। वहां पर लोगों के बैठने के लिए 35000 कुर्सियां भी लगाई गयी हैं। पंडाल का निर्माण कारीगरों के अलावा हाइड्रा मशीन से भी किया जा रहा है। इस दौरान

सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किए गए हैं। टाटा कॉलेज मैदान में सुबह से ही सुरक्षा कर्मी तैनात हैं। बता दें कि, प. सिंहभूम संसदीय सीट से भाजपा की प्रत्याशी गीता कोड़ा हैं।

इंडी की तरफ से जोबा मांझी : सिंहभूम लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा के सामने झामुमो की जोबा मांझी है। वह मनोहरपुर से विधायक हैं। हेमंत सोरेन सरकार में वह मंत्री भी रह चुकी हैं। बीते लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से गीता कोड़ा ने इस सीट पर जीत दर्ज की थी। उन्होंने भाजपा के दिग्गज नेता रहे लक्ष्मण गिलुआ को हराया था। बता दें कि, सिंहभूम लोकसभा सीट के अंदर कुल 6 विधानसभा है। इसमें सभी सीट पर इंडिया गठबंधन के विधायक हैं।

मेदिनीनगर दौरे को लेकर तैयारियां तेज, प्रशासन अलर्ट

रांची। पीएम मोदी चार मई को झारखंड के दौरे पर रहेंगे। पीएम मोदी पलामू के मेदिनीनगर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। पीएम दरअसल पलामू से बीजेपी प्रत्याशी विष्णु दयाल राम के पक्ष में प्रचार करेंगे और मतदान करने की अपील करेंगे।

रांची ने करेंगे विश्राम : पीएम मोदी चार मई को मेदिनीनगर के चियांकी हवाई अड्डा पहुंचेंगे। पीएम इससे पहले 3 मई को चाईबासा में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह रांची में राजभवन में विश्राम करेंगे और फिर अगले दिन पलामू रवाना हो जाएंगे।

क्या तैयारियां की हैं : प्रधानमंत्री मोदी के झारखंड आगमन को लेकर प्रशासन मुस्तैद हो गई है। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने युद्धस्तर पर तैयारियां कर रहे हैं। स्थानीय प्रशासन के निर्देश में बीजेपी की एक टीम आयोजन स्थल पर तैयारी में जुटी हुई है, जबकि दूसरी ओर पलामू संसदीय क्षेत्र के प्रत्येक पंचायत से कार्यकर्ताओं को जुटाने में पार्टी नेताओं को लगाया गया है। पलामू सांसद सह पार्टी प्रत्याशी विष्णु दयाल राम ने भी खुद को जन-संपर्क में खुद को झोंक दिया है।

रांची में निषेधाज्ञा लागू

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 और 4 मई को झारखंड के दौरे पर हैं। वे सिंहभूम लोकसभा में जनसभा को संबोधित करेंगे। शाम में रांची आगमन आएंगे। राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे। इसे लेकर निषेधाज्ञा लागू की गई है। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से हिनू चौक से बिरसा चौक से अरगोड़ा चौक से हरमू चौक से सहजानंद चौक से किशोरगंज चौक से न्यू मार्केट चौक से एल.पी.एन. सहदेव चौक से राजभवन के 500 मीटर की परिधि को नो फ्लाई जोन घोषित किया गया है। इस दौरान ड्रोन, पाराग्लैडिंग और हॉट एयर बैलून उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह निषेधाज्ञा 3 मई के प्रातः 5 बजे से 4 मई, 2024 के रात 11 बजे तक के लिए लागू रहेगा।

विपक्ष का लक्ष्य सिर्फ मोदी को हटाना हैः अर्जुन मुंडा

खूंटी। खूंटी सीट से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने गुरुवार को खूंटी विधानसभा के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क कर ग्रामीणों से संवाद किया।

इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की पिछले 10 साल की उपलब्धियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आज़ादी के 75 साल बाद लोगों के घरों में हमारी सरकार की योजना के माध्यम से पानी पहुंच रहा है। ये पहली बार हुआ है कि लोगों के घरों तक स्वच्छ जल पहुंच रहा है। किसानों को सम्मान निधि राशि दी जा रही है।

अर्जुन मुंडा ने कहा कि हमारी सरकार ने युवाओं और महिलाओं को मजबूत बनाने का काम किया है। आज स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलाएं सशक्त हो रही हैं।

शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त

मतदाता जागरूकता अभियान को लेकर हुई बैठक

खूंटी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद खूंटी जिला समिति की ओर से मतदाता जागरूकता अभियान को लेकर संघ कार्यालय में गुरुवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी नगर एवं कॉलेज इकाई के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में लोकसभा चुनाव में विद्यार्थी परिषद के सभी लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मतदाता अभियान चलाकर लोगों को मतदान के लिए जागरूक कर करने का निणय लिया गया। प्रांत संगठन मंत्री राजीव रंजन ने कहा कि देश में मजबूत सरकार के लिए नूतन मतदाता के साथ-साथ सभी मतदाताओं को जागरूक करने का काम विद्यार्थी परिषद करेगी। जिला संयोजक कमलेश महतो ने कहा कि विद्यार्थी गांव-गांव में जकार और शैक्षणिक संस्थानों में मतदाता जागरूकता अभियान चलाएगी। अभाविप परिषद के कार्यकर्ता गांव-गांव तक जाकर अधिक से अधिक मतदान के लिए जन जागरण अभियान चलाएंगे। मौके पर जिला प्रमुख डॉ चंद्रकिशोर भगत, पूर्व प्रदेश कार्यालय मंत्री अनिकेत अमन, प्रकाश टूटी, पंकज कुमार, अमन कश्यप आदि उपस्थित रहे।

शहीद बेदी पर किया गया माल्यार्पण

मुरी। दुनिया के मजदूर एक हो, एक हो। लाल झंडा करें पुकार,इंकलाब जिंदाबाद, शिकागो के मजदूर के बीर शहीदों को लाल सलाम, लाल सलाम, मजदूर एकता जिंदाबाद के नारे के साथ मुरी मेन्स युनियन शाखा मुरी रेलवे के प्रांगण में मजदूर दिवस पर मजदूर के शहीद बेदी पर माल्यार्पण किया गया। उसके बाद लाल झंडे को प्रांगण में फहराया गया और लाल झंडे को सलामी दी गई। सलामी एवं नारे लगाने वालों में गुरु पद महतो, राजेश, रसराज महतो, विनोद कुमार महतो, हेमंत मुंडा, सुभाष महतो, अरूण कुमार महतो, नवीन कुमार, कंता राव, अजय साव, आर पी वास्तव, खूरशीद आलम, विश्वनाथ सिंह,नाथ आदि रेलवे विभाग के मजदूर उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

बुढ़मू। मजदूर दिवस के दिन बुढ़मू प्रखंड के तुरमुली के समीप दिहाड़ी मजदूरी करने जा रहे वाहन जेएच 02 पी 7243 अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार रोज की तरह आज बुधवार को भी 10 मजदूरों की टोली बेतांगी से रांची दिहाड़ी मजदूरी के लिए जा रही थी। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर तुरमली के समीप दुर्घटना ग्रस्त हो गया। जिसमें एक 25 वर्षीय बेतांगी निवासी विनोद महतो, 45 वर्ष शांति देवी, 38 वर्ष दिलीप महतो, 35 वर्ष आर्ति देवी, 25 वर्ष पुष्पा कुमारी, 30 वर्ष मुंद्रिका देवी घायल हो गए। आनन फानन में ग्रामीणों के सहयोग से 108 के सहयोग से गंभीर अवस्था में घायल विनोद महतो को रिम्स ले जाने के दौरान मौत हो गई। और अन्य घायलों को स्थानीय चिकित्सकों के द्वारा इलाज किया गया।

टेंपो और बाइक की टक्कर में चार घायल

रामगढ़। पतरातू थाना क्षेत्र के शाह कॉलोनी स्थित गांधी स्मारक के निकट मेन रोड पर बुधवार की रात बाइक और टेंपो की टक्कर में महिला सहित चार लोग घायल हो गई। घायलों को स्थानीय लोगों के सहयोग से पतरातू स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां गंभीर रूप से घायल महिला को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार शाह कॉलोनी गांधी स्मारक के निकट रात लगभग 08:30 बजे पीटीपीएस से पतरातू की ओर आ रहे टेंपो और विपरीत दिशा से जा रहे बाइक के बीच टक्कर हो गई। जिससे टेपों पर सवार लबगा निवासी बालों देवी पति कारू तुरी और सोलिया निवासी संजय करमाली सहित बाइक सवार एनटीपीसी की आरबीपीआर कंपनी में कार्यरत अंकित झा और अमरेश कुमार घायल हो गये। दुर्घटना में महिला को गंभीर चोट लगी। स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलों को पतरातू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां घायलों का उपचार किया गया।

अवैध हथियार के साथ तीन कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

पतरातू क्षेत्र में जघन्य अपराध को अंजाम देने वाले थे तीनों अपराधकर्मी

- पुलिस अधीक्षक ने प्रेस कांफ्रेंस कर दी जानकारी

संवाददाता

रामगढ़। पुलिस अधीक्षक डॉ० बिमल कुमार को बुधवार को गुप्त सूचना मिली की रामगढ़ जिला में रांची से कुछ अपराधकर्मी मोटरसाईकिल से हथियार से लैश होकर किसी घटना को अंजाम देने लिए आने वाले है और घटना को अंजाम देकर वापस भागने वाले हैं।

इस संदर्भ में पुलिस अधीक्षक रामगढ़ डॉ० विमल कुमार द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी थाना प्रभारी, रामगढ़ जिला को एंटी क्राईम चेकिंग अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। साथ ही संबधित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस निरीक्षक को निगरानी करने के लिए निर्देशित किया गया। उक्त आदेश के आलोक में सभी थाना प्रभारी द्वारा अपने-अपने क्षेत्र मे गहनतापूर्वक एंटी क्राईम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में पतरातू अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक पतरातू एवं पतरातू थाना पुलिस द्वारा पतरातू -खलारी मुख्य मार्ग पर एंटी क्राईम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। खलारी से पतरातू की ओर आ रही एक काले नीले रंग की डिस्कवर मोटरसाईकिल सं0 जेएच01 आर 2171 सवार तीन व्यक्ति पुलिस बल को देख मोटरसाईकिल पीछे मोड़कर भागने का प्रयास करने लगे। गुरूवार को इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक डॉ बिमल कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस में दी। उन्होंने बताया की पुलिस बल द्वारा मोटरसाईकिल सं0 जेएच01 आर 2171 पर सवार तीनों व्यक्ति को पकड़ा गया। पुलिस बल द्वारा पकडे. गऐ तीनों व्यक्ति का नाम-पता पूछताछ करने पर उनके द्वारा बताया गया रमेश मुंडा, उम्र करीब 39 वर्ष पिता-स्व बीरू मुंडा सा० हिरिंग , रूपण हांसदा उम्र करीब 28 वर्ष पिता-बदु मांझी, सा-पंडरिया
और बलतु मांझी उम्र करीब 35 वर्ष, पे- बदु मांझी, सा-पंडरिया तीनों थाना बुड़मु, जिला-रांची बताया। पकड़े गए व्यक्तियों की विधिवत तलाशी ली गयी। तलाशी के क्रम में 1. एक लोडेड देसी क?ट्टा, एक 7.65 एमएम का देसी पिस्टल 3. 315 एमएम का दो 2 जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पकड़े गए लोगों से बरामद हथियार एवं जिंदा कारतूस के वैध कागजात की मांग की गयी।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अभियुक्तो द्वारा कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पकड़े गए तीनों व्यक्ति से पूछताछ के क्रम में उनके द्वारा बताया गया कि वे हथियार से लैश होकर पतरातू क्षेत्र में लूट-पाट की घटना को अंजाम देने जा रहे थे। पकड़ गए तीनों व्यक्ति को अवैध रूप से बिना लाईसेंस के हथियार एवं जिंदा कारतूस रखने के आरोप मे विधिवत गिरफ्तार किया गया एवं उनपर इस संदर्भ मे पतरातू थाना कांड संख्या 113/24, दिनांक- 01.05.2024, धारा-25(1-बी)/26/35 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है । छापेमारी दल में शामिल पतरातू अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिरेन्द्र राम, पतरातू पुलिस निरीक्षक योगेन्द्र सिंह, पतरातू थाना प्रभारी शिवलाल कुमार गुप्ता, पुअनि शिवा कच्छप एवं पतरातू थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

तोरपा में दुर्गा वाहिनी और मातृशक्ति संगठन का विस्तार

खूंटी। महावीर मंदिर तोरपा प्रांगण में गुरुवार को विश्व हिंदू परिषद द्वारा दुर्गा वाहिनी और मातृशक्ति संगठन का विस्तार किया गया। इसमें सर्वसम्मति से सीमा देवी को मातृ शक्ति प्रमुख और भानुमति देवी को दुर्गा वाहिनी संयोजिका बनाया गया। मातृशक्ति सह प्रमुख देवंती देवी, रूपा देवी, सत्संग प्रमुख रिंकी देवी, सेवा प्रमुख मंजू देवी, संपर्क प्रमुख संगीता ठाकुर, कार्यक्रम प्रमुख पल्वी किरण और सह संयोजिका आरती देवी, शक्ति प्रमुख रानी देवी, विधि प्रमुख प्रीति कुमारी, संपर्क प्रमुख चांदनी कुमारी के अलावा 23 महिला सदस्यों को चुनाव किया गया। बैठक में विहिप के जिलाध्यक्ष विनोद जयसवाल, उपाध्यक्ष विकास मिश्रा, प्रखंड अध्यक्ष एमपी सिंह, बजरंग दल संयोजक मोहित जयसवाल सहित काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

बोलेरो से हो रही थी कोयले की तस्करी, घाटी में पुलिस ने किया जब्त

32 बोरा स्टीम कोयला लदे बोलेरो के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

रामगढ़ । जिले में कोयले का अवैध कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा। रामगढ़ जिला प्रशासन के लाख दावों के बावजूद तस्कर अपनी गोटी सेट कर ही ले रहे हैं। रामगढ़ पुलिस ने जब बोलेरो से कोयले की तस्करी करते हुए गाड़ी को जब्त किया तो इस पूरे मामले का पदार्फाश हुआ। गाड़ी से 32 बोरियों में बंद अवैध स्टीम कोयला मिला है। सब इंस्पेक्टर निशिकांत शर्मा को गस्ती के दौरान सूचना मिली कि एक बोलेरो संख्या जेएच 01एबी 8418 से अवैध स्टीम कोयला रांची की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए उक्त बोलेरो को चुटूपालू घाटी के चेटर मोड़ के पास रोका गया। जब बोलेरो की जांच की गई तो उसमें अवैध स्टीम कोयला लदा था। पुलिस ने बोलेरो सहित चालक व सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया।

ओरमांझी के कोल डिपो पर खपता है अवैध कोयला

पुलिस के अनुसार कुजू और रजरप्पा क्षेत्र से चोरी किए गए कोयला रामगढ़ के रास्ते ही ओरमांझी पहुंचता हैं। वहां विजय साहू के मां तारा कोल डिपो में इस अवैध कोयले को खपाया जाता था। विजय साहू का सिंडिकेट पहली बार यह कारोबार नहीं कर रहा है। इसके खिलाफ रामगढ़ थाने में पहले भी कई मामले दर्ज है। विजय साहू पूरे साल छोटे वाहनों से तस्करी किए जाने वाले कोयले को अपने डिपो में गिरता है और वहीं से बड़ी गाड़ियों में कोयला लोड कर इसकी तस्करी दूसरे प्रदेश में भेजता है। पुलिस इस मामले में अनुसंधान कर रही है।

इन लोगों के खिलाफ दर्ज हुआ मामला

पुलिस ने इस मामले में मां तारा कोल डिपो के मालिक विजय साहू, कारोबारी कुलेश्वर महतो और उमेश महतो के खिलाफ कांड संख्या 120/14 धारा 414/34 धारा 30(卐卐) कोल माइन्स एक्ट 33 भारतीय वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। जबकि, गिरफ्तार चालक बाजार टांड़ निवासी राकेश कुमार महतो पिता भोला महतो, पप्पू कुमार कुशवाहा उर्फ पंकज कुशवाहा पिता जय राम प्रसाद कुशवाहा को जेल भेज दिया गया है।

एम्फोरिया इवेंट्स में राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के छात्रों ने दिखाई शानदार खेलकुद का प्रदर्शन

संवाददाता

रामगढ़ । 24 से 26 अप्रैल, 2024 तक चले एम्फोरिया इवेंट्स में एमिटी विश्वविद्यालय झारखंड द्वारा आयोजित, खिलाड़ियों ने अपने खिलाड़ी और खिलाड़ियों के लिए शानदार प्रदर्शन किया। इसमें राधा गोविन्द विश्वविद्यालय, रामगढ़, झारखंड के शारिरिक शिक्षा विभाग के छात्र भी शामिल थे। बैडमिंटन महिला एकल (स्त्री) श्रेणी में, मनीषा रानी तिर्की ने असाधारण कौशल और संघर्ष का प्रदर्शन करके पहली जगह को अपने नाम किया। इसके अलावा, बैडमिंटन डबल्स (महिला) श्रेणी में, एक मजबूत युगल विजेता सामने आया। मनीषा रानी तिर्की ने सलोनी कुजुर के साथ साझेदारी की, जिससे वहाँ कोर्ट पर अद्वितीय सिनर्जी और समन्वय का प्रदर्शन करके पहली जगह को प्राप्त किया। साथ ही, वॉलीबॉल (महिला) में, राधा गोविन्द विश्वविद्यालय की टीम ने उत्कृष्ट टीमवर्क और जोश का प्रदर्शन करते हुए दूसरी जगह को हासिल किया। टीम में मनीता कुमारी, रीना खलखो, जया लक्ष्मी सुंदी, नीतू कुमारी, रंजना सोरेन, मीना कुमारी, और सलोनी कुजूर शामिल थे। इन उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए राधा गोविंद विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति बी. एन. साह ,सचिव प्रियंका कुमारी, कुलसचिव डॉ. निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशोक कुमार, सहायक परीक्षा नियंत्रक डॉ. रश्मि, प्रबंध समिति के सदस्य अजय कुमार , शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमन वर्मा ,व्याख्याता संजय राय चौधरी ,धनेश्वर बीपी,योतेंद्र मंडल एवं प्रदीप रजक ने सभी सफल खिलाड़ियों की हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की । इन खिलाड़ियों की शानदार उपलब्धियाँ न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा का प्रतिफल हैं, बल्कि यह राधा गोविन्द विश्वविद्यालय, रामगढ़, झारखंड के शैक्षिक और खेल की समुदाय की उत्कृष्टता के प्रति आत्मसमर्पण, साझेदारी और अदम्य साहस को भी प्रकट करते हैं। उनकी उपलब्धियाँ एकता, सहयोग और उत्कृष्टता की दिशा में एक मिसाल कायम की है ।

श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जेईई मेन में लहराया परचम

संवाददाता

रामगढ़ : शहर के श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जेईई मेन की परीक्षा मेन उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं अपने परिजनों का नाम रौशन किया है।

विद्यालय के जिन छात्रों ने जेईई मेन मेन सफलता प्राप्त की है उनमें रोनित राज 98.4 प्रतिशत अंक ,हर्ष राज वर्मा 98.4 प्रतिशत अंक , इंद्रजीत 97.6 अंक प्राप्त कर विद्यालय और परिजनों का नाम रौशन किया है। रिजल्ट को लेकर विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं अभिभावकों के बीच खुशी का माहौल है। विद्यालय के प्राचार्य हरजाप सिंह ने बच्चों के कठिन परिश्रम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बच्चे प्रतिभावान होते हैं और यह हमारे विद्यालय के बच्चों ने सफलता अर्जित कर इसे साबित कर विद्यालय का मान बढ़ाया है । उन्होंने कहा कि ये बच्चे ही हमारी भावीं पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक बनेंगे। विद्यालय के प्रबंधक कमेटी अध्यक्ष सरदार हरपाल सिंह अरोड़ा, उपाध्यक्ष सरदार परमिंदर सिंह जस्सल और सरदार कुलजीत सिंह कालरा, उपाध्यक्ष सह प्रबंधक सरदार मनमोहन सिंह लांबा सहित स्कूल प्रबंधक कमेटी के सदस्य सरदार परमजीत सिंह चमन, सरदार हरदीप सिंह, सरदार पुश्विंदर सिंह छाबड़ा, सरदार कुलजीत सिंह छाबड़ा, सरदार इंद्रपाल सिंह सैनी, सरदार ब्रह्म भसीन, सरदार विक्रमजीत सिंह कोहली एवं मीडिया प्रभारी सरदार करमजीत सिंह जग्गी ने विद्यालय के बच्चों की सफलता पर उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

हमें राष्ट्रीय पार्टियों का खिलौना नहीं बनना है : बसंत लोंगा

खूंटी। झारखंड उलगुलान संघ के बैनर तले गुरुवार को मुंडा कुंजला गांव में पारंपरिक अगुवों तथा महिला प्रतिनिधियों की बैठक समाजसेवी रतन मुंडा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विशेष रूप से उपस्थित खूंटी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्दलीय प्रत्याशी और झामुमो के पूर्व विधायक बसंत कुमार लोंगा ने कहा कि एक उंगुली की ताकत को हम झारखण्डी लोग नहीं समझ पा रहे हैं। इसी एक उंगली से दबाया हुआ बटन हम झारखंडियों की तकदीर और तस्वीर बदल सकती है। चुनाव के दौरान राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियों का खिलौना नहीं बनना है, बल्कि हमें अपने हक अधिकार का खेला करना होगा। यही समय वोट के द्वारा अपनी ताकत दिखाने का सही समय है। झारखण्ड उलगुलान संघ के संयोजक अलेस्टेयर बोदरा ने कहा कि राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियों के साथ-साथ कुछ धर्म अगुवा लोग आदिवासियों को भयभीत कर जमीन और जंगल के मालिकाना हक तथा अस्तित्व एवं अस्मिता के सवाल से भटकाने का प्रयास कर रहे हैं।यह आनेवाले समय में आदिवासियों तथा मूलवासियों के लिए बहुत बड़ा खतरा है। इस चुनाव में हमें पार्टी नहीं, माटी के लिए वोट देना है और हम सभी के बीच खूंटी लोकसभा चुनाव में झारखण्ड आंदोलनकारी पूर्व विधायक बसंत कुमार का को भारी से भारी मतों से विजयी बनाना है।

सामान्य प्रेक्षक ने किया संचालित मीडिया कोषांग का निरीक्षण

खूंटी। सामान्य प्रेक्षक दोरजे चेरिंग नेगी ने गुरुवार को सूचना भवन, जिला जनसंपर्क कार्यालय, खूंटी में संचालित मीडिया कोषांग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में कोषांग के कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जांच की गई और कमर्चारियों को दिशा निर्देश दिये गये। इस दौरान जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ने पेड न्यूज के संबंध में बताया कि निर्वाचन के दौरान चुनाव प्रचार से संबंधित प्रकाशित विज्ञापन की छानबीन तथा वल्क एसएमएस/ आवाज संदेशो, टीवी चैनलों, केबल नेटवर्क, रोडियो, निजी एफएम चैनल, सिनेमा हॉल, सार्वजनिक स्थानों पर एवी में प्रदर्शित या सोशल मीडिया, समाचार पत्र और किसी अन्य प्रकार के प्रिंट मीडिया के माध्यम से प्रचारित करना पेड न्यूज की श्रेणी में रखा गया है। एमसीएमसी के तहत की जा रही मॉनिटरिंग, प्रतिदिन के प्रेस कतरन, सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग, पेड न्यूज की मोनेटरिंग सहित अन्य बिंदुओं की क्रमवार समीक्षा की गई। मौके पर उप विकास आयुक्त, वरीय पदाधिकारी मीडिया कोषांग सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित कोषांग में प्रतिनियुक्ति प्रभारी पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। इसी कड़ी में सामान्य प्रेक्षक द्वारा कंट्रोल रूम एवं सामग्री कोषांग का निरीक्षण कर लोकसभा चुनाव 2024 के लिए की जाने वाली तैयारी का जायजा लिया।

भाजपा और कांग्रेस दोनों खूंटी की जनता को बेवकूफ बना रहे हैं : एनोस

खूंटी। झारखंड पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एनोस एक्का ने कहा कि आप कांग्रेस के हाथ छाप या भाजपा के कमल फूल छाप किसी को भी वोट दीजिएगा, वह भाजपा और आरएसएस को ही जाएगा। एक्का गुरुवार को तोरपा में अपने चुनाव कार्यालय के उद्घाटन के बाद उपस्थित कार्यकताओं और समर्थकों को संबोधित कर रहे थे। भाजपा और कांग्रेस भाई-भाई हैं, एक भाई भाजपा तो एक भाई कांग्रेस में है ।दोनों खूंटी की जनता को बेवकूफ बना रहे हैं। उन्होंने कहा खूंटी में विगत 45 साल तक भाजपा का शासन रहा, लेकिन कुछ विकास नहीं हुआ। बेरोजगारी, महगाई, भ्रष्टाचार बढ़ गया। उन्होंने कहा कि कॉंग्रेस पार्टी ने अल्पसंख्यक की भावनाओं से खिलवाड़ किया। यहां से मिशनरी उम्मीदवार नहीं दिया। उन्होंने कहा की झारखंड पार्टी चुनाव जीतेगी, तो महागठबंधन को समर्थन देगी, लेकिन कालीचरण चुनाव जीतेंगे, तो भाजपा में चले जायेंगे। उन्होंने कहा कि जल, जंगल जमीन की रक्षा के लिए झारखंड पार्टी को वोट दें। पार्टी के केंद्रीय महासचिव अशोक कुमार भगत ने कहा कि भाजपा के शासन काल में न आदिवासियों का कल्याण हुआ और न न है किसानों का। उन्होंने कहा कि भाजपा कांग्रेस दोनों एक है।. झारखण्ड में बाहर के लोग नौकरी कर रहे हैं। नौकरी की बिक्री की जा रही है। यहां के लोगों का हक मारा जा रहा है। अपने हक अधिकार की रक्षा के लिए सभी जाति धर्म के लोग झापा को वोट करें। पार्टी प्रत्याशी अपर्णा हंस ने कहा कि इस सरकार में महिला व बच्चों का विकास नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि झारखण्ड की सबसे पुरानी पार्टी है झारखण्ड पार्टी। यह यहां की माटी की पार्टी है। इसलिएः क्षेत्र के सम्पूर्ण विकास के लिए झापा को वोट करें।

सैफी सकील 84.8 प्रतिशत अंक लाकर बनीं कोचिंग टॉपर

संवाददाता

रामगढ़ । सुपर स्योर सक्सेस इंस्टीट्यूट एंड कॉप्यूटर सेंटर गोला रोड चट्टी बाजार काली मंदिर के परिसर में स्थित कोचिंग सेंटर का रिजल्ट हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कॉमर्स 12 वी में रिजल्ट शानदार रहा ।इस वर्ष सैफी सकील 84.8 प्रतिशत अंक लाकर कोचिंग में प्रथम स्थान एवम गांधी मेमोरियल प्लस टू उच्च विद्यालय रामगढ़ में दूसरे स्थान पर रही। कोचिंग सेंटर में दूसरे स्थान रिमझिम कुमारी 79.6 प्रतिशत , तीसरे स्थान निशा कुमारी 78.2 प्रतिशत , चौथे स्थान सोहिल कुमार 77.2 प्रतिशत , संध्या कुमारी 76.6 प्रतिशत ,अन्वी कुमारी 75.8 प्रतिशत ,पूनम कुमारी 75 प्रतिशत ,अंजना कुमारी 75 प्रतिशत , शोभा कुमारी 68.4 प्रतिशत,अवनी कुमारी 67 प्रतिशत ,कौशल कुमार 68.4 प्रतिशत ,दीपाली कुमारी 64.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। विद्यार्थियों के बेहतर रिजल्ट पर सेंटर निर्देशक अनिल कुमार केशरी, कंप्यूटर इंचार्ज नौशाद अंसारी एवम कम्प्यूटर शिक्षक नजरूल अंसारी ने सभी सफल विद्यार्थियों की हार्दिक बधाई दी एवम उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

पुलिस ने किया बालू लोड एक ट्रैक्टर जब्त

गिद्दी। गिद्दी पुलिस ने बुधवार को शाम में मनुवा फुलसराए से अवैध बालू लोड एक ट्रैक्टर जब्त किया है। इस दौरान ट्रैक्टर का चालक ट्रैक्टर छोड़ भागने में सफल रहा। गिद्दी थाना पुलिस ने बताया बुधवार को शाम में थाना की गश्ती दल ने मनुवा फुलसराए में गश्ती में थी। तभी गश्ती दल ने अवैध बालू लोड एक ट्रैक्टर को जाते देख रोका। जिसे देख ट्रैक्टर का चालक ट्रैक्टर छोड़कर भाग निकला। इसके बाद गिद्दी पुलिस ने अवैध बालू लोड उक्त ट्रैक्टर को जब्त करके थाना ले आई।

संक्षिप्त

आईपीएस पंकज कंबोज का साइबर अपराधी ने बनाया फर्जी फेसबुक एकाउंट

रांची। साइबर अपराधी ने आईपीएस पंकज कंबोज का फर्जी फेसबुक एकाउंट बनाया है। इसको लेकर पंकज कंबोज ने लोगों से अपील की है कि किसी ने मेरे नाम और फोटोग्राफ का उपयोग करके एक फर्जी प्रोफाइल बनाई है। कृपया फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें और कृपया किसी भी प्रकार के रुपये का लेनदेन में शामिल न हों। मैं आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मामले की रिपोर्ट उचित अधिकारियों को कर रहा हूं। उल्लेखनीय है कि फेसबुक और व्हाट्सऐप एकाउंट से फोटो चोरी कर साइबर अपराधी फेक प्रोफाइल बनाते हैं। इस फर्जी प्रोफाइल के जरिये वो यूजर के परिचितों से पैसों की मांग करते हैं।

मारवाड़ी युवा मंच रांची शाखा ने किया प्याऊ का उद्घाटन

रांची : मारवाड़ी युवा मंच रांची शाखा ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गर्मी मे आमजनो की सेवा और सुविधा के लिए अमृत धारा कार्यक्रम के अंतर्गत अस्थाई प्याऊ लगाने का निर्णय किया है। इसी के अंतर्गत दिनांक 02.05. 2024 दिन मंगलवार को मारवाड़ी भवन हरमू रोड में स्थित 101 घडों के साथ अस्थाई प्याऊ का उद्घाटन मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अमृत धारा प्रभारी वरुण जालान द्वारा किया गया। सभी अस्थाई प्याऊ शेहर के विभिन्न स्थानों पर आमजनो के सुविधा लिए लगाए जायेंगे। इस कार्यक्रम के संयोजक मंच के अमृत धारा प्रभारी सौरव सरावगी एवं हर्ष जालान हैं। मारवाड़ी युवा मंच रांची शाखा के प्रवक्ता राघव जालान ने बताया की उद्घाटन के मौके पर मंच के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल, सचिव सोनित अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष स्पर्श चौधरी समेत कई पूर्व अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यगण ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी।

कांग्रेस उम्मीदवार यशस्विनी छह को करेंगी नामांकन

रांची : रांची लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार यशस्विनी सहाय छह मई को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। इस दौरान मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पार्टी विधायक दल नेता आलमगीर आलम, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय और कई मंत्री और विधायक शामिल होंगे।

रांची संसदीय क्षेत्र के लिए 03 और अभ्यर्थियों ने खरीदा नाम-निर्देशन पत्र

रांची : रांची संसदीय क्षेत्र के लिए नाम-निर्देशन पत्र क्रय करनेवाले अभ्यर्थियों की कुल संख्या 28 हो गयी है। अधिसूचना जारी होने के चौथे दिन आज दिनांक 02 मई 2024 को तीन अभ्यर्थियों ने नाम-निर्देशन पत्र खरीदे। 02 मई को नाम-निर्देशन पत्र खरीदनेवाले अभ्यर्थियों ने नाम निम्न हैं 1. सर्वेश्वरी साहू, एकल सनातन भारत दल, 2. अंजनी पांडे, अदिवासी किसान मजदूर पार्टी, 3. संदीप उरांव, निर्दलीय।

झारखंड हाई कोर्ट में एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर हुए हाजिर, अगली सुनवाई 18 जून को

रांची : झारखंड हाई कोर्ट में रांची शहर में सीवरेज-ड्रेनेज परियोजना को पूरा करने का आग्रह करने वाली अरविंदर सिंह देओल की जनहित याचिका की सुनवाई गुरुवार को हुई। मामले में कोर्ट के आदेश पर एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर और रांची नगर निगम के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर हाजिर हुए। अगली सुनवाई 18 जून को होगी। एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) के प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने कोर्ट को बताया कि रांची में सीवरेज-ड्रेनेज परियोजना के फेज वन के लिए रांची नगर निगम को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) देने के संबंध में केन्द्रीय रोड ट्रांसपोर्ट एवं हाईवे मंत्रालय को पत्र भेजा गया है।

लोस निर्वाचन के जागरूकता अभियान का हिस्सा बनें

संवाददाता

रांची : लोकसभा चुनाव 2024 को लोकतंत्र के महापर्व के रूप में मना रहे हैं। इसे लेकर विभिन्न स्तर पर जागरूकता अभियान भी चल रहा है। निर्वाचन में हर किसी को बराबर का अधिकार है, हम सभी को इसमें अपना योगदान देने के साथ अपने आस-पास इसके प्रति लोगों को प्रेरित भी करना है। लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से 7 मई को अपराह्न 6 बजे से 8 बजे तक #MaibBhiElectionAmbassador सोशल मीडिया कैम्पेन में राज्य के सभी स्कूल/कॉलेज के बच्चे, इंफ्लुएंसर, सेलेब्रिटी समेत सभी लोग अवश्य भाग लें। इस बीच हर नागरिक

मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने और निर्वाचन के महापर्व को उत्साहपूर्ण ढंग से मनाने के लिए अपने कार्यों के डिजिटल कंटेंट को सोशल मीडिया पर अवश्य अपलोड करें। उक्त बातें मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने राज्य के सभी सीबीएसई एवं आईसीएसई स्कूल के प्रधानाध्यापकों के साथ गूगल मीट के माध्यम से निर्वाचन सदन में आयोजित बैठक में कहीं। उन्होंने कहा कि स्कूल एवं कॉलेजों के बच्चों ने मतदाताओं के बीच मतदान की अहमियत को बताने के लिए स्वीप कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लिया। ये हमारे फ्यूचर और फर्स्ट टाइम वोटर के रूप में निर्वाचन में अपनी महती भूमिका निभा रहें हैं। बच्चों द्वारा स्कूल एवं कॉलेजों में स्वीप सम्बंधी कई गतिविधियां कराई जा रही हैं। इन बच्चों द्वारा क्विज कंपीटिशन, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन, पत्र लेखन आदि कई रोचक एवं मनोरंजक गतिविधियों द्वारा अपने अभिभावकों, आस-पास के मतदाताओं के बीच जागरूकता फैलाने का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि 07 मई को होने वाले सोशल मीडिया कैम्पेन में स्कूल प्रबंधन इन सभी गतिविधियों के डिजिटल कंटेंट को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर #MaibBhiElectionAmbassador हैशटैग के साथ अपलोड करें। साथ ही मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखण्ड एवं भारत निर्वाचन आयोग के सोशल मीडिया अकाउंट को अवश्य टैग करें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि मतदाताओं को निर्वाचन के महत्व को बताते हुए उन्हें मतदान में अपनी भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित करना निर्वाचन आयोग की प्राथमिकता है।

इसके साथ साथ मतदाताओं को नैतिक मतदान के लिए भी जागरूक करना एक महत्वपूर्ण कार्य है। स्कूल के बच्चों को 'मैं भी इलेक्शन अम्बेसडर 'जैसे कार्यक्रमों से जोड़कर लोकतंत्र के एक जागरूक मतदाता के रूप में हम उन्हें तैयार कर सकेंगें। साथ ही भविष्य में होने वाले मतदान में उनकी भागीदारी भी निश्चित कर सकेंगे। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित बैठक में निर्वाचन सदन से अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ नेहा अरोड़ा, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी संजय कुमार सहित राज्य के सभी सीबीएसई एवं आईसीएसई स्कूलों के प्रधानाध्यापक उपस्थित थे।

सभी तरह के पेड न्यूज पर निगाह चौकस रखें

रांची : गुरुवार को समाहरणालय ब्लॉक- ए स्थित कमरा संख्या-119 में जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी मिडिया कोषांग रांची, श्रीमती उर्वशी पाण्डेय द्वारा मिडिया कोषांग के पदाधिकारी/कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए सभी सम्बंधित पदाधिकारी/ कर्मियों को निर्देश देते हुए कहा की मीडिया कोषांग का कार्य बेहद महत्पूर्ण हैं। सभी चीजों पर सतत निगरानी बहुत जरुरी है। जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी मिडिया कोषांग रांची, उर्वशी पाण्डेय द्वारा मीडिया कोषांग में कार्यरत सोशल मीडिया निगरानी कर्मियों को सोशल मीडिया में पेड न्यूज, फेक न्यूज से सम्बंधित बिंदुओं से अवगत कराया।

सीसीएल में 'श्रमिक सम्मान समारोह' का आयोजन

निविदा कर्मी सहित कंपनी के श्रमवीर हुए सम्मानित

रांची। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर कोल इंडिया की सहायक कंपनी सीसीएल ने रांची स्थित मुख्यापय में 'श्रमिक सम्मान समारोह' का आयोजन 1 मई को किया। इस अवसर पर सीसीएल के सीएमडी निलेन्दु कुमार सिंह, निदेशक (वित्ति) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक तकनीकी (संचालन) हरीश दुहान, सीवीओ पंकज कुमार, मुख्यानलय और क्षेत्र के महाप्रबंधक, विभागाध्य क्ष, श्रमिक संघ के प्रतिनिधि सहित सीसीएल कर्मियों ने दरभंगा हाउस प्रागंण स्थित ह्यशहीद स्मारिकह्न पर पुष्पांजलि अर्पित की। कर्मवीर दिवंगत सीसीएल सपूतों को श्रद्धांजलि दी। श्रमिक दिवस मुख्यालिय सहित सभी क्षेत्रों में मनाया गया।

सीएमडी निलेन्दु कुमार सिंह ने कहा कि श्रमिक महज एक शब्द नहीं, अपितु श्रमिक एक ताकत है। ऊर्जा एवं अनुभूति है। आप सबों के समर्पण एवं परिश्रम का ही परिणाम है कि सीसीएल वित्तीहय वर्ष 23 -24 में उत्पाधदन लक्ष्यम 84 मिलियन टन को पार करते हुए 86.1 मिलियन टन कोयले का उत्पादन कर नया कीर्तिमान स्थापित करने में सफल रहा।

सीएमडी ने कहा कि वर्तमान वित्तीमय वर्ष में जो लक्ष्यण मिला है, उसे भी सभी मिलकर निश्चिनत रूप से पूरा करेंगे। श्रम हमारे आत्म विश्वासि का प्रतीक है। इसी श्रम से आगे बढ़ते हुए इतिहास रचना है। उन्होंने कहा कि हम सभी संस्कार, दक्षता और टीम वर्क के साथ सभी मुकाम हासिल करेंगे। सीसीएल को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

निदेशक तकनीकी (संचालन) हरीश दुहान ने सभी को श्रमिक दिवस की बधाई दी। कहा कि श्रम किसी भी रूप में सम्मानित रहता है। राष्ट्रक के विकास की नींव श्रम से ही रखी जाती है।

निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा कहा कि श्रमिक दिवस श्रमिकों के संघर्ष का परिणाम है। कंपनी प्रत्य क्ष रूप से जुड़े श्रमिकों के साथ-साथ परोक्ष रूप से जुड़े श्रमिकों का भी सम्मातन करती है। श्रमिकों के कल्याण के लिए कंपनी कृत्संकल्प है।

सीवीओ पंकज कुमार ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में श्रमिकों का महत्व था, है और रहेगा। हम सबों की ये जिम्मेदारी है कि सभी श्रमिकों का हम मन, वचन और कर्म से स्वागत करें। बेहतर कल के निर्माण के लिए उत्साह बढ़ाएं।

श्रमिक संघ के सदस्य रमेन्द्र कुमार सहित विभिन्न श्रमिक संघों के प्रतिनिधियों ने कंपनी के नए सीएमडी निलेन्दु कुमार सिंह का स्वागत किया। कंपनी के उत्तरोत्तर विकास में श्रमिकों के योगदान और उनकी भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला।

इससे पूर्व समारोह का शुभारंभ सीएमडी निलेन्दु कुमार सिंह, निदेशक, सीवीओ एवं श्रमिक संघ के प्रतिनिधियों ने दीप जलाकर किया। इस अवसर पर सीसीएल मुख्यालय सहित कंपनी के सभी क्षेत्रों से आये अधिकारी एवं कर्मचारियों को विभिन्न श्रेणियों व कार्यक्षेत्र में उत्कृष्टर कार्यनिष्पाादन के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के 41 मामले दर्ज

जब्ती का आंकड़ा 71 करोड़ 30 लाख तक पहुंचा

संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि अब तक झारखंड में आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के 41 मामले दर्ज हुए हैं। इसमें सबसे अधिक पलामू, हजारीबाग और रांची में 6-6 मामले दर्ज हुए हैं। धनबाद में 5, सरायकेला खारसावां में 4, गढ़वा और गिरिडीह में 3-3, सिमडेगा में 2 और साहेबगंज व खूंटी में 1-1 मामले दर्ज हुए हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी धुर्वा में मीडिया से बात कर रहे थे।

मुख्या निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि पांचवें चरण के चुनाव के लिए अब तक 25 नामांकन पत्र दाखिल किये गए हैं। उनमें चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से 12, कोडरमा से 7 और हजारीबाग से 6 नामांकन दर्ज हुए हैं। गाण्डेय विधानसभा उपचुनाव के लिए

अब तक 3 नामांकन पत्र दाखिल किए गये हैं।

छठे चरण के चुनाव के लिए अब तक 14 नामांकन किये गए हैं। उनमें गिरिडीह लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से 3, धनबाद से 5, रांची से 2 और जमशेदपुर लोकसभा निर्वाचन सीट के लिए 4 लोगों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है।

रवि कुमार ने बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक विभिन्न कैटेगरी में 71 करोड़ 30 लाख रुपये के सामान और नकदी जब्त किये गये हैं।

समर्पित शिक्षक कुशल जौहरी की तरह बच्चों को तराशते हैं : मिश्रा

संवाददाता

रांची : गुरुवार को डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल,राँची में विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक एस के पाण्डेय की सेवानिवृत्ति के अवसर पर विदाई सह-सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य,शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने अपने-अपने उद्बोधनों में उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। तदुपरांत एस०के० मिश्रा, प्राचार्य-सह-सहायक क्षेत्रीय अधिकारी डीएवी पब्लिक स्कूल्स झारखण्ड जोन-'जे' ने स्मृति चिन्ह, पुष्प गुच्छ देकर एवं शॉल ओढ़ाकर शिक्षक एस०के० पाण्डेय को सम्मानित किया। प्राचार्य मिश्रा ने कहा कि शिक्षक ज्ञान के बीज बोता है,उन्हें प्यार से छिड़कता है और धैर्यपूर्वक उनकी वृद्धि का पोषण करता है। श्री पाण्डेय ने ज्ञानरूपी बीज का जो रोपण किया है, उसका फल विद्यार्थियों को अवश्य मिलेगा। क्योंकि ज्ञान के

प्रभाव की कोई सीमा नहीं होती और ईमानदार शिक्षक कभी भी अपनी सेवाओं से सेवानिवृत्त नहीं होता, बल्कि वह जीवनपर्यंत शिक्षक बना रहता है।डीएवी परिवार शिक्षक पाण्डेय जी की दीर्घकालीन शिक्षकीय सेवा को हमेशा याद रखेगा,उन्होंने पाण्डेय जी को एक संसाधक के रूप में विद्यालय से जुड़े रहने का अपील की। वरिष्ठ शिक्षिका अनुराधा सिंह ने कहा कि पाण्डेय जी की कुशल कार्यक्षमता व उत्कृष्ट योगदान हमारे लिए प्रेरणास्रोत है। ये विद्यालय से सेवानिवृत्त जरूर हुए हैं पर सेवा के दायित्वों से नहीं। इनके मार्गदर्शन की हमें हमेशा जरूरत रहेगी। शिक्षक संजय कुमार पाण्डेय ने भी विश्वास दिलाते हुए कहा कि जब भी डीएवी संस्था को उनकी सेवा की जरूरत महसूस हो,तो वे इसके लिए हमेशा सहर्ष उपलब्ध रहेंगे। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी मौजूद थे।

सैमसंग के समर सेल 'फैब ग्रैब फेस्ट' की घोषणा

रांची। सैमसंग ने अपनी सबसे बड़े समर सेल 'फैब ग्रैब फेस्ट' की घोषणा की है। इस सेल में सैमसंग.इन, सैमसंग शॉप ऐप और सैमसंग के एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर ग्राहक सैमसंग के प्रॉडक्ट्स को असाधारण डील्स और रोमांचक कैशबैक के साथ खरीद सकते हैं।

'फैब ग्रैब फेस्ट' के दौरान, ग्राहक गैलेक्सी एस सीरीज, गैलेक्सी जेड सीरीज और गैलेक्सी ए सीरीज के स्मार्टफोन के चुनिंदा मॉडलों पर 64 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। गैलेक्सी टैबलेट, एक्सेसरीज और वियरेबल्स के चुनिंदा मॉडल 77 प्रतिशत तक की छूट पर उपलब्ध होंगे, वहीं गैलेक्सी बुक4 सीरीज के लैपटॉप के चुनिंदा मॉडलों की खरीद पर ग्राहक 24 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं।

एसबीयू : वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय के जर्नल की डिजिटल लॉन्चिंग

संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग ने विवि परिसर में वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय के जर्नल 'अध्ययन' और 'मंथन' का डिजिटल माध्यम से शुभारंभ किया। इस अवसर पर डीन डॉ. संदीप कुमार ने स्वागत करते हुए जर्नल के लिए चयनित 35 पेपर के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने इसके संकलन में डॉ. गौतम तांती, डॉ.अरविंद भंडारी और उन सभी लोगों के प्रयासों का जिक्र किया, जिन्होंने प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से इसमें अपना योगदान दिया।

कार्यक्रम के दौरान विवि के कुलपति प्रो. गोपाल पाठक ने जर्नल के संकलन से लेकर संपादन तक के क्रम में हुए टीम वर्क की सराहना की। उन्होंने

परिमाण की बजाए गुणवत्ता पर जोर देने की बात कही। जर्नल की डिजिटल लॉन्चिंग के फायदों की चर्चा की। इसे शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए उपयोगी करार दिया।

कार्यक्रम में समापन भाषण डॉ. पूजा मिश्रा ने दिया। इस अवसर पर डीन डॉ. नीलिमा पाठक, डॉ. हरिबाबू शुक्ला, प्रवीन कुमार, डॉ. पंकज गोस्वामी, डॉ. आरोही आनंद, डॉ. अंजलि? श्रीवास्तव, किसलय कुमार समेत विवि के शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति विजय कुमार दलान समेत डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने इस कार्यक्रम के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

मारवाड़ी समाज ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को किया सम्मानित

राष्ट्र निर्माण में मारवाड़ी समाज का उल्लेखनीय योगदान, सभी लोग चुनाव में अपना वोट अवश्य दें : शर्मा

संवाददाता

रांची : संपूर्ण मारवाड़ी समाज द्वारा मारवाड़ी भवन हरमू रोड रांची मे सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सम्मान समारोह में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को मारवाड़ी समाज के विभिन्न संस्थाओं रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन, अग्रवाल सभा, मारवाड़ी सहायक समिति, मारवाड़ी युवा मंच, अग्रवाल युवा सभा, माहेश्वरी सभा, ब्राह्मण सभा, राजस्थानी प्रोफेशनल एसोसिएशन, दिगंबर जैन पंचायत, ओसवाल संघ, विजय वर्गीय सभा, खंडेलवाल वैश्य संघ, मारवाड़ी सैन समाज, हरियाणा संघ, मारवाड़ी महिला सम्मेलन रांची, मारवाड़ी महिला मंच समर्पण शाखा, विप्र फाउंडेशन, नागरमल मोदी सेवा सदन, झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स, झारखंड थोक विक्रेता संघ, श्रीमहावीर मंडल, श्री श्याम मंडल, श्री श्याम मित्र मंडल, श्री हनुमान मंडल, राणी सती मंदिर कमेटी, श्री राणी सती मंडल , रांची सेवा समिति, गौ सेवा समिति, झारखंड प्रादेशिक अग्रवाल सम्मेलन, झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन, झारखंड प्रादेशिक वैश्य महासम्मेलन, रांची गौशाला न्यास, पंजाबी हिंदू बिरादरी, गुरु नानक अस्पताल, झारखंड प्रादेशिक अग्रसेन हितकारी सभा, के अलावा अन्य संस्थाओं के पदाधिकारीयों ने पुष्प गुच्छ देकर,अंग वस्त्र एवं राजस्थानी साफा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें युवक-युवतियों ने राजस्थानी वेशभूषा मे मनमोहक नृत्य कर सभी का मन मोह लिया। पूरा सभा स्थल राजस्थानी संस्कृति पर सराबोर रहा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा की इतना प्रेम व सम्मान पाकर बहुत अभिभूत एवं प्रफुल्लित हूं लगता है मैं राजस्थान ही हूं उन्होंने कहा कि पूरे देश की प्रगति में मारवाड़ी समाज का उल्लेखनीय योगदान रहा है। संस्कार हमारी परंपरा तथा संस्कृति तथा भाषा पहचान है, मारवाड़ी की पहचान उद्यम उदारता और दान से हैं, चाहे मानवीय सेवा कार्य हो या जानवरों की सेवा कार्य हो समाज इसी तरह का सेवा कार्य कर

लोगों को प्रेरणा देने तथा सबका सहयोग एवं सबका विश्वास के साथ जनसेवा का कार्य में लगा रहता है। राष्ट्र निर्माण एवं राष्ट्रीयता की भावना विकसित करने में सहभागी बनना हम सबका दायित्व है, तथा समृद्ध राज्य में समाज की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही भारत विश्व का तीसरा महाशक्ति बनेगा। उन्होंने लोगों चुनाव में वोट अवश्य देने की अपील की।

प्रतिभा सम्मान समारोह का संचालन कार्यक्रम संयोजक सुरेश चंद्र अग्रवाल ने की एवं धन्यवाद ज्ञापन रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार ने किया। स्वागत भाषण मारवाड़ी सहायक समिति के अध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी की।

सुरेश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि मारवाड़ी समाज पहली बार रांची पधारे राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को सम्मानित कर गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि समाज संस्कार, संस्कृति चेतना, सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक राजनीतिक चेतना को साकार करने के लक्ष्य पर कार्य कर रही है तथा मातृशक्ति एवं युवा शक्ति आगे बढ़ रही है। मारवाड़ी समाज द्वारा मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन भी सौंपा गया। राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम के उपरांत मारवाड़ी समाज एवं सभी गण्यमान्य लोगों ने मुख्यमंत्री जी के साथ सामूहिक भोजन का लुत्फ उठाया।

उक्त जानकारी देते हुए कार्यक्रम के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि सम्मान समारोह कार्यक्रम मे-सांसद संजय सेठ, दीपक प्रकाश,विधायक सीपी सिंह, समरी लाल,अजय मारू, संजीव विजयवर्गीय, गोवर्धन गाडोदिया, राजकुमार मारू, राजकुमार केडिया,ललित कुमार पोद्दार, विनोद कुमार जैन, पवन पोद्दार, सुरेश अग्रवाल,नंदकिशोर पाटोदिया, मनोज चौधरी, शिव शंकर साबू, नरेंद्र गंगवाल, बंसत मित्तल, पुरुषोत्तम विजयवर्गीय, विष्णु सेन, रमेश शर्मा, पवन शर्मा, किशन साबू , सज्जन पाड़िया, अशोक नारसरिया, कमलेश संचेती, प्रमोद सारस्वत, संजय सर्राफ, रमन वोडा, प्रेम मित्तल, कौशल राजगढ़िया, मधु सर्राफ, उर्मिला पाड़िया, विनीता सिंघानिया, आशीष अग्रवाल, सौरभ बजाज, हेमंत महेश्वरी, डॉ वी. के. जैन, अनिल कुमार अग्रवाल, अजय खेतान, मुकेश काबरा, अजय डीडवानिया, विकास अग्रवाल, अंजय सरावगी, निरंजन शर्मा, आर के चौधरी, बबलू हारित, राजेश भरतिया, श्याम सुंदर गोयल, पवन मंत्री, विजय खोवाल, रवि शर्मा, विष्णु राजगढ़िया, राम बागड, रौनक झुनझुनवाला, अमरजीत, किशन अग्रवाल, किशन पोद्दार, कमल शर्मा, ओपी लाल, डॉ दिलीप सोनी, रोहित शारदा, प्रभाकर अग्रवाल, ज्ञान शंकर, रतन जालान, दीपक बंका, भरत बगड़िया, प्रमोद बगड़िया, सुनील पोद्दार, प्रमोद बजाज, ललित ओझा, प्रमोद पांडे, रविंद्र मोदी, अशोक शर्मा, किशोर मंत्री, प्रमोद अग्रवाल, निर्मल बुधिया, नारायण विजयवर्गीय, अमित चौधरी, रतन अग्रवाल, मस्तान सिंह, कुणाल अजमानी, अशोक पुरोहित, विजय अग्रवाल,गुरविंदर सिंह सेठी, कुलतार सिंह, द्वारिका मुंजाल, गुरु दयाल सिंह सलूजा, संजय चौधरी, प्रदीप राजगढ़िया, विक्रम खेतावत, प्रवीण लोहिया, अमित शर्मा, तुषार विजयवर्गीय, मनोज मिश्रा, संदीप नागपाल, शंशाक भरद्वाज, पृथ्वीराज, संजय जयसवाल, नीरज भट्ट, श्याम सुंदर शर्मा, विजय सरायका, द्वारका अग्रवाल अभय चौधरी, शोभा यादव, राकेश शर्मा, सुनील माथुर, ललन सिंह, शैलेश सिन्हा, विक्रांत विश्वकर्मा, दीपक पोद्दार, दिनेश प्रजापति, गोपाल सोनी, सत्येंद्र मलिक, ऋषि देव यादव, के अलावे बड़ी संख्या मे महिलाएं पुरुष उपस्थित थे।

संक्षिप्त

पलामू सिविल कोर्ट परिषद में टिकट की काला बाजारी

मेदिनीनगर : पलामू जिले में कोर्ट फिस टिकट की किल्लत को हवाले देकर कालाबाजारी शुरू हो गई है। लोगों का कहना है कि केस करने और लड़ने में अब पहले से काफी अधिक जेब पर बोझ बढ रहा है। कचहरी परिसर के अन्दर रुपया, 01, 05, 10, अन्य कोर्ट फिस टिकट के दाम सीधे-सीधे दोगुना तिन गुना दामों में खुलेआम बेचा जा रहा है।टिकट लेने जा रहे स्टांप वेंडरों के पास कभी-कभी लोगों को निराश लौटना पड़ रहा है। स्टांप भेन्डरों का कहना है कि डिमांड करने के बावजूद टिकट नहीं भेजे जा रहे हैं। टिकट बाहरी इलाकों से उपलब्ध हो रहे हैं। कोर्ट फीस टिकट नहीं मिलने से महंगे दामों में दिया जा रहा है। अधिवक्ताओं के साथ-साथ न्यायालय में आने वाले आम लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बेल पिटीशन हो या फिर शपथ पत्र या खतियान आदि सर्टिफाइड कॉपी निकलवाने का कार्य सबमें कोर्ट फी टिकट लगाना अनिवार्य होता है।इसके बावजूद न्यायलय परिसरों में चोरी छिपे कालाबाजारी कर टिकट दोगुने दामों में बेचे जा रहे हैं। स्टांप भेन्डरों के कहें अनुसार अगर कोर्ट फी टिकट की उपलब्धता नहीं है तो सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का भी नुकसान हो रहा है।

रा कृ प्रा विद्यालय हुंडरू के बच्चों ने किया विद्यालय का नाम रौशन

लातेहार : कल्याण विभाग द्वारा संचालित एकलव्य आश्रम विद्यालय में नामांकन हेतु आयोजित परीक्षा में राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय हुंडरू के पांच छात्र-छात्राओं लक्ष्मी कुमारी, चांदनी कुमारी, कुलदीप उरांव, सुशील उरांव, आर्यन उरांव ने सफल होकर विद्यालय का नाम रौशन किया है इससे विद्यालय परिवार में हर्ष है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक हीरा प्रसाद यादव ने बच्चों के सफलता पर खुशी जताते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।शिक्षक संजीव कुमार चंद्र एवं प्रमोद पांडे ने भी खुशी जताते हुए कहा कि अगर मन से पढ़ाई की जाये तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। बधाई देने वालों में अध्यक्ष शांति देवी, सुमंती देवी, प्रमिला देवी,संजय उरांव, मीना देवी, हरि उरांव, सुमंती देवी, संतोष मेहता, रामप्रसाद साव, सोनम देवी, प्रदीप उरांव, सीता देवी सहित कई लोग शामिल हैं।

युवती ने कीटनाशक का किया सेवन, मौत

गुमला : रायडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत पतरा टोली निवासी 27 वर्षीय शाहिना खातून ने मंगलवार की रात कीटनाशक का सेवन कर लिया वहीं सदर अस्पताल में इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई जानकारी देते हुए परिजनों ने बताया परिवार के सभी लोग रात्रि में खाना पीना खाकर अपने-अपने कमरे में सोने चले गए इसके बाद रात्रि करीब 2:30 बजे शाहिना के चिल्लाने की आवाज सुनाई पड़ी परिवार के सभी लोग उसके कमरे में गए तो देखा कि वह उल्टी कर रही है पुछताछ करने पर उसने सलफास खाने की बात बताई तत्काल उसे इलाज हेतु सदर अस्पताल लाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई वही परिजनों ने बताया शाहिना का कुछ दिनों से मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी वहीं बुधवार की अपराह्न शव का पोस्टमार्टम पर परिजनों को सौंप दिया गया।

सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोप में एक गिरफ्तार

महुआडांड़/लातेहार : महुआडांड़ थाना क्षेत्र के चटकपुर ग्राम में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान धनंजय कुजूर के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चटकपुर के बैगा मोहन नगेसिया ने महुआडांड़ थाना में धनंजय कुजर के खिलाफ लिखित आवेदन दिया था। आवेदन में नगेसिया ने धनंजय कुजर पर मंदिर में लगे त्रिशुल को खंडित करने और ध्वजा को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था।

माता बनी कुमाता, नवजात बच्चे को फेंका पुल के नीचे

आशीष कुमार वर्मा

चक्रधरपुर। कहा जाता है कि पूत कपूत हो सकता है, लेकिन माता कभी कुमाता नहीं हो सकती। वह संतानों पर हमेशा करुणा और दया बरसाती है। मां वात्सल्य का प्रतीक होती है। हालांकि यहां माता के कुमाता हो गई है। उसने अपने नवजात बच्चे को पुल के नीचे फेंक दिया। यह घटना पश्चिम सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर प्रखंड में घटी। चक्रधरपुर प्रखंड अंतर्गत केरा पंचायत के महुलबोराई से कृष्णापुर गांव जाने वाली सड़क पर स्थित कैनाल पुलिया के नीचे गुरुवार अहले सुबह मां ने अपने नवजात बच्चे को फेंक दिया। सुबह करीब 6 मछली पकड़ने जा रहे तपन कैवर्त को पुलिया के नीचे से बच्चे की रोने की आवाज सुनाई दी। इसके बाद तपन ने पुलिया के नीचे जाकर देखा तो एक नवजात शिशु फेंका हुआ था। युवक ने तुरंत आसपास के लोगों को बुलाकर

जमा किया। नवजात शिशु को सभी उठाकर गांव ले आए। ग्रामीणों ने इसकी सूचना सामाजिक कार्यकर्ता अभिजीत भट्टाचार्य को दी। सूचना पाकर अभिजीत भट्टाचार्य गांव पहुंचे। नवजात बच्चे के इलाज के लिए तपन और उनकी माता को लेकर चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल पहुंचे। वहां चिकित्सक डॉ जेजे मुंडू ने बच्चे की जांच की। बच्चा पूरी तरह स्वस्थ्य पाया गया। पुलिया के नीचे झाड़ियां में फेंके जाने के कारण बच्चे के पैरो में चींटियों के काटे जाने से घाव हो गया है, जिसका इलाज अस्पताल में किया जा रहा है।

इधर सूचना पाकर आजसू जिलाध्यक्ष रामलाल मुंडा, गिरिराज सेना प्रमुख उमाशंकर गिरि, समाज सेवी सदानंद होता, कमल प्रधान के अलावा कई लोग नवजात बच्चे को देखने के लिए अनुमंडल अस्पताल पहुंचे।

शत प्रतिशत मतदाता पर्ची का वितरण करें सुनिश्चित : गरिमा सिंह

संवाददाता

लातेहार : मतदाता सूची पर्ची वितरण को लेकर उप निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने बताया कि लातेहार एवं मनिका विधानसभा क्षेत्र में शुक्रवार से मतदाता पर्ची का वितरण शुरू किया जाएगा। माइक्रो प्लान तैयार कर आपसी समन्वय स्थापित करते हुए बीएलओ के माध्यम से शत प्रतिशत मतदाता पर्ची का वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि प्रतिनियुक्ति पदाधिकारी एवं कर्मी निर्वाचन संबंधित दायित्वों का निर्वाह सजगता के साथ पूरी ईमानदारी से करें। उन्होंने कहा कि

निर्वाचन प्रक्रिया में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें, ताकि सभी तैयारियां ससमय पूर्ण कर जिले में निर्भीक एवं शांतिपूर्ण वातावरण में चुनाव संपन्न कराया जा सकें। उन्होंने कहा कि चुनाव को लेकर उत्सव का माहौल बनायें। मतदाताओं को इसके लिए भी प्रेरित करें कि लोकतंत्र के इस त्योहार को उत्साह के माहौल में अपने परिवार के सदस्यों के साथ मतदान कर मनाएं। उन्होंने बीएलओ को चुनाव आयोग से प्राप्त होने वाले मतदाता सूची पर्ची (वोटर इनफार्मेशन स्लिप) को घर-घर जाकर वितरण करने का निदेश दिया। मतदाताओं को उपलब्ध कराई जानेवाली मतदाता सूची पर्ची बीएलओ के मूल हस्ताक्षर से निर्गत की जानी चाहिए। उपायुक्त नें कहा कि मतदान की तिथि से कम से कम 5 दिन पूर्व तक वितरण का कार्य संपन्न कराएं। बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, अनुमंडल पदाधिकारी, लातेहार कौशल कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, महुआडांड़ रतन कुमार सिंह तथा सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

एनटीपीसी केरेडारी कोयला खनन परियोजना ने संविदा कर्मियों का किया सम्मान

संवाददाता

हजारीबाग। एनटीपीसी केरेडारी कोयला खनन परियोजना ने श्रमिकों के सम्मान के लिए अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 1 मई को मनाया। इस अवसर पर परियोजना के प्रमुख प्रभारी शिव प्रसाद ने केरेडारी परियोजना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संविदा कर्मियों को सम्मानित किया।

श्रमिकों के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उनकी मेहनत और योगदान की सराहना करना और बेहतर कार्य करने की प्रेरित करना था। इस मौके पर शिव प्रसाद ने श्रमिकों के संघर्षों और परिश्रम की सराहना की। उनके अदम्य उत्साह को गौरवांवित किया। कार्य स्थल पर सुरक्षा पर प्रमुखता से ध्यान देने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर सभी संविदा कर्मियों ने परियोजना प्रमुख प्रभारी एवं सभी अधिकारियों के साथ विचार साझा किए कि किस तरह से उन्होंने अपने जीवन की कठिनाईयों का सामना किया। केरेडारी परियोजना के विकास में अपना सहयोग दिया। श्रमिकों ने सभाकक्ष में कार्य स्थल पर सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए भी सुझाव दिए।

श्रमिकों ने एनटीपीसी कार्यालय की कार्यशैली एवं कार्य स्थल व्यवस्था की सराहना की। श्रमिकों के अनुभव और विचारों को समझने से कार्य स्थल में सकारात्मक बदलाव आता है।

मथुरा प्रसाद महतो को कामयाब बनाने का कार्यकर्ताओं ने लिया संकल्प

तोपचांची/धनबाद । झारखंड मुक्ति मोर्चा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पूर्व महासचिव मोहम्मद अकबर अंसारी के नेतृत्व में डुमरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत तेलों आदि गांव का दौरा किया गया और गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी सह टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो के पक्ष में मतदाताओं को मत डालने की अपील की और उनकी जीत सुनिश्चित करने के लिए डुमरी विधानसभा अंतर्गत नावाडीह तेलो बस्ती में एक बैठक सम्पन्न हुई। जिस में तेलो,तारानारी ,चडरी, आदि गांवों के गणमान्य लोगों ने भाग लिया,और मथुरा प्रसाद महतो को जीत दिलाने का संकल्प लिया।उक्त बैठक में तोपचांची प्रखंड से अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पुर्व केंद्रीय महासचिव अकबर अंसारी,सिरामपुर के पुर्व मुखिया इफ्तेखार अंसारी, बसीर अंसारी, तेलो से मकसुद खान, मोहीउद्दीन, सुल्तान,बाधमारा से कलाम अंसारी,बंटी अंसारी एवं दर्जनों सम्मानित लोग उपस्थित थे।

ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन ने मनाया मजदूर दिवस

संवाददाता

धनबाद। ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन धनबाद शाखा दो ने हिल कॉलोनी स्थित शाखा कार्यालय प्रांगण में मई दिवस मनाया। शाखा अध्यक्ष एनके खवास ने झंडा फहराकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उपस्थित सभी कर्मचारियों को मई दिवस का बैच लगाया गया। उपस्थित नेता ने अपने वक्तव्य रखें।

कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष एनके खवास सहित शाखा सचिव आर के सिंह, सोमेन दत्ता, सुप्रटिव चक्रवर्ती, एसबी सिंह, एमके मुकेश, अभिषेक कुमार, परमेश्वर कुमार, एस मुंजेश्वर राव, यूके पाठक, एसके पाल, मृग भूषण सिंह, रोहित पाठक, इस्लाम अंसारी, एसके महतो, एमके तिवारी, विकाश कुमार, गुड्डू कुमार, धर्मवीर पासवान, रिट लाल गोप, प्रदीप्तो सिन्हा, अश्विनी कुमार, एमके मण्डल, मिथिलेश कुमार, महेंद्र कुमार, कौशलेन्द्र कुमार, बिस्वाजीत मुखर्जी और दीपक कुमार उपस्थित रहे।

लाइन शाखा के कोचिंग परिसर में भी कार्यक्रम आयोजन किया गया। शाखा सचिव जेके साव ने झंडा फहराया। कार्यक्रम में केंद्रीय संगठन सचिव हाजीपुर नेताजी सुभाष ने कहा कि मजदूरों की हक की लड़ाई केवल और केवल संगठन द्वारा ही लड़ा जाता है। इसमें एआईआरएफ और ईसीआरकेयू का महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

इस कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष प्रशांत बनर्जी, कोषाध्यक्ष सीएस प्रसाद, डीपू इंचार्ज अभय मेहता, एनके खवास, सुरेंद्र चौहान, अमरजीत यादव, दिलीप कुमार, आरके अजय कुमार, नागेंद्र कुमार, धुरंधर यादव, नीतीश कुमार, फिरोज अंसारी, इजहार आलम, सुजाता देवी, रुचि कुमारी, शहनाज परवीन, बिंदु देवी, रीना कुमारी, महुआ चौधरी, मनजीत कुमार, अनुरंजन कुमार इत्यादि उपस्थित थे।

नप प्रशासक ने किया पंप हाउस का निरीक्षण, कहा

जल ही जीवन है, ना करें बर्बाद

संवाददाता

लातेहार : भीषण गर्मी में शहरी क्षेत्र के लोगों को समुचित पेलापूर्ति उपलब्ध हो इसे लेकर नगर प्रशासक राजीव रंजन ने स्वयं मोर्चा संभाल लिया हैं। इसी क्रम में उनके द्वारा गिंजनिया टाड़ स्थित पंप हाउस एवं औरंगा नदी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कनीय अभियंता संदीप बेदिया को दिशा निर्देश देते देख गए। साथ ही निरीक्षण के दौरान उन्होंने शहरी क्षेत्र के लोगों और प्रबुद्धजनों से अपील करते हुए कहा कि जल ही जीवन है। इसे बर्बाद न करें। अनावश्यक रूप से नल को खुला न छोड़ें। कहा कि आप भी अपने घरों में जल की एक-एक बूंद

सहेजें। जल संरक्षण के लिए अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। क्योंकि आज हम जल बचाएंगे तो हमारा कल सुरक्षित रहेगा। अनावश्यक पानी की बबार्दी से बचें। आगे उन्होंने कहा कि सभी घरों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का अधिष्ठापन करें ताकि जल संकट से निपटा जा सके। निरीक्षक के दौरान नगर प्रशासक के साथ नगर प्रबंधक राज कुमार वर्मा एवं कनीय अभियंता संदीप बेदिया उपस्थित थे।

ब्रॉउन सुगर के साथ एक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

संवाददाता

चौपारण : चौपारण पुलिस को पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग के द्वारा संध्या गुप्त सूचना दी गयी कि ग्राम-बेला निवासी मुकेश कुमार दांगी के द्वारा ग्राम-बेला चौक के पास ब्राउन सुगर एवं हेरोइन का खरीद बिकी करने वाला हैं , प्राप्त सूचना के आदेश के आलोक में अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी,बरही सुरजीत कुमार एवं चौपारण थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में एक छापगारी दल का गठन किया गया, जिसमें बिन्देश्वर महतो,निलेश कुमार रंजन एवं चौपारण थाना का सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। प्राप्त सूचना के आलोक में जांच-पड़ताल करने पर पता चला कि मुकेश कुमार दांगी पिछले कुछ वर्षों से बेला चौक के पास चोरी छीपे नवयुवकों को ब्राउन सुगर एवं हेरोईन का सप्लाई बिकी करते आ रहा हैं और आज भी कुछ युवक उससे मादक पदार्थ खरीदने के लिए पहुंचे हुए हैं, मुकेश कुमार दांगी को पकड़ने के लिए पुलिस पहुंची तो मुकेश कुमार दांगी एवं उसके आस पास खड़े युवक पुलिस बल को देखकर वहां से इधर-उधर भागने का प्रयास करने लगा, जिनमें एक व्यक्ति को दौड़ाकर पकड़ लिया गया, पूछताछ में अपना नाम मुकेश कुमार दांगी पिता सेवा महतो ग्राम बेला थाना चौपारण जिला हजारीबाग बताया, तलाशी लेने पर बांये पॉकेट से 02 पीला रंग का छोटा-छोटा प्लास्टिक में रखा कुल 09 कागज का पुड़िया प्राप्त हुआ, जिसमें से 04 कागज के पुड़िया में 4.5 ग्राम ब्राउन सुगर एवं 06 कागज के पुड़िया में 6 ग्राम हेरोईन, 2200/रू० नकद एवं एक ओप्पो कम्पनी का मोबाईल बरामद हुआ।

संविधान की रक्षा के लिए इंडिया गठबंधन के पक्ष में मतदान करें : सगीर अंसारी

तोपचांची/धनबाद । इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल ने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से नामांकन पर्चा भरा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री चंपई सोरेन, ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम, मंत्री बादल पत्र लेख, मंत्री बनना गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, बरही विधायक उमाशंकर अकेला यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा, सहित बड़ी संख्या में इंडिया गठबंधन के नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे। वहीं झारखंड प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग द्वारा मनोनित हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र का प्रभारी की हैसियत से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहम्मद सगीर अंसारी भी उपस्थित हुए, इनके साथ ए के सुल्तान और अन्य नेता व कार्यकताओं ने जयप्रकाश भाई पटेल को प्रचंड बहुमत से जीत दिलाने का संकल्प लिया। ज्ञात हो कि मांडू विधायक जयप्रकाश भाई पटेल कांग्रेस के चुनाव चिन्ह पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी हैं। सगीर अंसारी ने प्रभारी की हैसियत से कहा कि जयप्रकाश भाई पटेल को जीत दिलाने के लिए एक-एक कार्यकर्ता व नेता तन मन धन से लगे हुए हैं।

श्री श्याम मित्र मंडल का 11वां वार्षिक महोत्सव भक्ति भाव के साथ हुआ सम्पन्न

संवाददाता

झुमरीतिलैया : श्री श्याम मित्र मंडल का 11 वां वर्षिक महोत्सव शिव वाटिका में मनाया गया।इस अवसर पर रानीगंज से आया बाबा श्याम का शीश का अलौकिक श्रृंगार आकर्षण का केंद्र बिंदु रहा।सर्व प्रथम पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत आचार्य अनिल मिश्रा ने कराई।यजमान की भूमिका में मनीष वैश्खियार,स्वेता वैश्खियार शामिल हुए।गणेश वंदना गिरधारी सोमानी ने प्रस्तुत किया।कोलकाता के गायक विवेक शर्मा ने सांवरिया किसने सजाया तुमको बड़ा प्यारा लागे.....बाबा की कृपा जिस पे हो जाये मौज उड़ाए मौज उड़ाए.....कन्हैया तो हमारा साथी है गरीबों का सहारा है.....ऐसी मस्ती

कहाँ मिलेगी श्याम नाम रस पी ले..... आ गया सारी दुनियादारी छोड़ कर लेने आजा खाटू वाले रींगस के उस मोड़ पर.....कटिहार से आये आदर्श दधीच ने वो बासुरी वाले लीले घोड़े वाले मेरा दिल करता है.....किस्मत वालों को मिलता है सच्चा दरबार.....जैसे भजनों पर श्रद्धालु भक्त भक्ति के सागर में गोता लगाते रहे। कार्यक्रम में बाबा का श्रृंगार विष्णु खटोर,शोभा खटोर,उपेंद्र वर्मा की ओर से कराया गया।जबकि छप्पन भोग,बुंदिया,चूरमा,और थाली प्रसाद 200 से ज्यादा श्रद्धालु भक्तों ने अर्पण किया।वहीं ज्योत में लंबी कतार लगी रही। मौके पर संरक्षक श्याम सुंदर सिंघानिया,प्रदीप खाटूवाला संयोजक बिमल पचीसिया,सह संयोजक रमेश कंदोई और संचालक गिरधारी सोमनी ने कहा कि मित्र मंडल श्याम की भक्ति का अलख 2007 में 30-32 सदस्यों से शुरू हुआ जो आज एक वट वृक्ष की तरह 100 से भी अधिक सदस्य कलयुग के अवतारी बाबा श्याम का गुणगान घर-घर करने में लगे है।

डीसीएलआर बरही की गाड़ी में लगी आग

हजारीबाग : हजारीबाग के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिंघानी फ्लाईओवर के समीप डीसीएलआर बरही के गाड़ी में भीषण आग लग गई। जिसमें गाड़ी पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। बताया जाता है कि डीसीएलआर गाड़ी को खुद ड्राइव कर रहे थे। गाड़ी से धुआं निकलता देख उन्होंने गाड़ी रोक जांच की और अग्निशमन विभाग को सूचना दी तब तक देर हो चुकी थी। आग ने पूरे गाड़ी को अपने चपेट में ले लिया। गाड़ी पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। गलिमत रही की गाड़ी में से धुआं निकलता देख अधिकारी ने तुरंत गाड़ी को वहीं पर खड़ा कर दिया नहीं तो कोई भी बड़ी घटना घट सकती थी।

संक्षिप्त

सड़क दुर्घटना में सब्जी विक्रेता की मौत

बोकारो थर्मल । बोकारो थर्मल सब्जी मार्केट स्थित हरी सब्जियों के थोक विक्रेता 32 वर्षीय अफजल हुसैन की सड़क दुर्घटना में मौत रांची के बूटी मोड़ के समीप में बुधवार की रात्रि हो गयी। घटना के संबंध में बताया जाता है कि अफजल हुसैन बुधवार को बोकारो थर्मल से ओरमांझी थोक मात्रा में तरबूज लाने गया हुआ था। ओरमांझी से एक पिकअप वैन तरबूज बोकारो थर्मल और एक वैन बंगाल भेजकर वह रांची बाइक से जा रहा था कि बूटी मोड़ के पहले एक वाहन की चपेट में आकर दुर्घटनाग्रस्त होकर उसकी मौत हो गयी। अफजल के पिता अख्तर हुसैन भी सब्जी के थोक विक्रेता थे और वर्तमान में उनकी दोनों किडनी फेल होने के कारण वे इलाजरत हैं। .अफजल अपने पीछे दो छोटे बच्चे एवं पत्नी को छोड गया है।

अवैध शराब निर्माण की भट्ठी ध्वस्त

बोकारो । जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर गुरुवार को सहायक आयुक्त उत्पाद बोकारो के मार्गदर्शन एवं निरीक्षक उत्पाद के पर्यवेक्षण में जिला उत्पाद टीम ने चास थाना अंतर्गत बेलूट ग्राम के गोपालपुर जोरिया किनारे अवैध शराब निर्माण स्थल पर छापेमारी की। मौके से उत्पाद टीम ने 1,920 किलो जावा महुआ शराब एवं 85 लीटर अवैध चुलाई शराब को जब्त किया। वहीं, अवैध शराब निर्माण में इस्तेमाल किए जाने वाले वस्तुओं को नष्ट किया। छापेमारी के क्रम में संदिग्ध अभियुक्तों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया गया है। छापेमारी दल में निरीक्षक उत्पाद संजीत देव,अवर निरीक्षक सदर कृष्णा प्रजापति,अवर निरीक्षक उत्पाद तेनुघाट दीपिका कुमारी सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

सीटू ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस

बोकारो थर्मल । बोकारो थर्मल के सीसीएल कारो स्पेशल फेज दो स्थित सीटू कार्यालय में सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस का आयोजन किया गया। अध्यक्षता सीटू के सहायक जिला सचिव अख्तर खान ने की। सर्वप्रथम शिकागो के शहीदों तथा संसार के सभी लोगों को श्रद्धांजलि दी गयी। मौके पर एनसीओईए के केंद्रीय सहायक महामंत्री सह सीटू के झारखंड राज्य सचिव भागीरथ शर्मा ने कहा कि सरकार की नीतियों के कारण देश में रोजगार भी लगातार सिमट रहे हैं,सार्वजनिक संस्थान बेचे जा रहे हैं, किसानों मजदूरों पर असह्य कानून थोपे जा रहे हैं। स्वास्थ्य,आवास,शिक्षा और भोजन आम लोगों के पहुंच के बाहर होने को है। सीटू इस मजदूर दिवस के अवसर पर मांग करता है कि देश की एकता अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए सांप्रदायिक शक्तियों को बेनकाब करते हुए देश में शासक वर्ग के खिलाफ पैदा हो रहे रूझान को और मजबूत करेगा। कार्यक्रम में प्रमोद गुप्ता, दशरथ करमाली, टेकामन यादव, रूपलाल कमार, विक्की सिंह, राजू साव, जीतन मांझी मुख्य रूप से उपस्थित थ।

स्कूल में मजदूर दिवस पर चालकों में बांटे उपहार

बोकारो थर्मल । बोकारो थर्मल स्थित कमला के मार्डन स्कूल में बुधवार को मजदूर दिवस का आयोजन किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पत्रकार संजय कुमार मिश्रा ने बच्चों को स्कूल लेकर आनेवाले वाहनों के चालकों एवं स्कूल के नन टीचिंग स्टाफ को मिठाई का पैकेट एवं उपहार देकर सम्मानित किया। मौके पर चालकों एवं स्कूल के गैर शैक्षणिक स्टाफों में नरेश, बिनोद, आजाद, अशोक यादव, धर्मेंद्र, सुरेश, सिद्धू, अजय, अवधेश साव, महादेव, कमलेश चैहान, मो नसीब और स्कूल के कर्मचारियों में पिंकी, प्रतिमा देवी, मीना देवी, बेबी, बीना सहित स्कूल की अध्यक्ष नीतिका गायकवाड़, मधुकर गायकवाड़, शुभ हर्ष, कुलदीप आदि थे।

नाम-निर्देशन के चौथे दिन कुल तीन ने लिए पर्चे, अबतक पांच के दाखिल

गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के लिए नामांकन प्रक्रिया जारी, बोकारो समाहरणालय में गहमागहमी

संवाददाता

बोकारो । गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के लिए होनेवाले चुनाव को लेकर बोकारो समाहरणालय में प्रत्याशियों की नामांकन प्रक्रिया लगातार जारी है। इसके कारण समाहरणालय से लेकर आसपास के पूरे इलाके में चुनावी मेला लगा है और भारी गहमागहमी देखी जा रही है। प्रत्याशी अपने संग कार्यकताओं व समर्थकों का हुजूम लेकर पहुंच रहे हैं।

जो भी प्रत्याशी आता है, साथ में अपने जिंदाबाद के नारे लगवाते हुए आता है और भीड़ को संभालने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। 44-45 डिग्री सेल्सियस वाली गर्मी के बीच चुनावी तापमान भी चरम पर है। इसी क्रम में गुरुवार को राइट टू रिकॉल पार्टी के शिवजी प्रसाद एवं पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) के प्रमोद राम ने अपने नामांकन प्रपत्र उपायुक्त सह गिरिडीह संसदीय क्षेत्र की निवार्ची पदाधिकारी विजया जाधव के समक्ष दाखिल किए।

06 गिरिडीह लोकसभा संसदीय क्षेत्र की अधिसूचना जारी होने के चौथे दिन गुरुवार को नाम निर्देशन के लिए कुल तीन लोगों ने नामांकन प्रपत्र लिए। जिला निर्वाचन पदाधिकारी बोकारो सह निवार्ची पदाधिकारी श्रीमती जाधव ने कहा कि चौथे दिन कुल तीन लोगों ने नामांकन प्रपत्र जिला नजारत शाखा से विधि सम्मत शुल्क भुगतान कर लिया। वहीं, 02 उम्मीदवारों क्रमशः राइट टू रिकॉल पार्टी के शिवजी प्रसाद, पिता- रामाधार प्रसाद, क्वा. न. 403, मुराइडीह, पो. पोचारी, जिला धनबाद तथा पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) पार्टी के प्रमोद राम, पिता - ठाकुर दास, ग्राम कटनियां, पो. औझाडीह, थाना टुण्डी, जिला धनबाद ने अपने नामांकन प्रपत्र दाखिल किए। जबकि, ईमाम शफी, राकेश रोशन और राजा हक ने अपने प्रपत्र खरीदे। उल्लेखनीय है कि 06 गिरिडीह लोकसभा संसदीय क्षेत्र में अब तक कुल 18 लोगों ने नामांकन प्रपत्र लिया है, जबकि कुल 05 लोगों ने नामांकन प्रपत्र दाखिल किया है।

ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की मौत

संवाददाता

बोकारो । गुरुवार सुबह लगभग 11 बजे जिले के पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बेड़ानी के पास एक बेलगाम और तेज रफ्तार ट्रक (यूपी75एटी-6317) की चपेट में आने से बाइक (बीआर20डी-9089) सवार आमाडीह गांव निवासी श्रीकांत महतो के बड़े पुत्र रामू महतो (30) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक सवार जैसे ही एनएच पर पहुंचा, उसी समय तेज रफ्तार से गुजर रहे ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक तो बगल में ही गिर गई, लेकिन मृतक का पैंट ट्रक के साइलेंसर और पायदान के बीच में फंस गया। ट्रक चालक भागने के चक्कर में और तेजी से चलने लगा और उसे करीब एक किमी तक घसीटता रहा, जिससे उसकी वहीं मौत हो गई।

उसी दौरान वहीं से गुजर रही पिंड्राजोरा थाना की एक पेट्रोलिंग टीम ने भी दुर्घटना होते देखा और भागते हुए ट्रक को पीछा कर रोका तथा चालक को पकड़ लिया। पुलिस शव को लेकर चास अनुमंडल अस्पताल पहुंच गई। इस दौरान आसपास के लोगों ने परिजनों को इसकी जानकारी दी। परिजनों में मृतक की पत्नी प्रतिमा देवी व मां आलोमनी देवी पहले थाना पहुंचे, जहां से पुलिस उन्हें लेकर अनुमंडल अस्पताल पहुंची, जहां शव का पोस्टमार्टम कराया गया और परिजनों को सौंप दिया गया। हालांकि, इस दौरान परिजन कार्रवाई की बात कहते हुए पोस्टमार्टम का विरोध कर रहे थे। पिंड्राजोरा थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने चास सीओ दिवाकर दुबे से टेलीफोन से संपर्क करवाकर बात कराई। अंचलाधिकारी ने परिजनों को तत्काल सरकारी मुआवजा के अलावा ट्रक के इंश्योरेंस क्लेम की राशि दिलाने का आश्वासन दिया।

कॉलोनी पावर सप्लाई का 11केवी का केबुल कटा, बिजली सेवा बाधित

बोकारो थर्मल । बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के 630 मेगावाट वाले स्क्रैप प्लांट में स्क्रैप कटिंग के दौरान स्ट्रक्चर गिरने से नीचे पावर प्लांट से कॉलोनी को सप्लाई होने वाले 11 केवी का केबल क्षतिग्रस्त हो जाने से कॉलोनी के एक बड़े हिस्से की बिजली सप्लाई ठप हो गई है। घटना गुरुवार दोपहर लगभग साढ़े बारह बजे की है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि बी प्लांट स्थित पुराना एडीएम भवन के पास राधा स्मेलटर्स कंपनी द्वारा पांच नंबर कन्वेयर स्ट्रक्चर कटिंग का कार्य किया जा रहा था। कंपनी के द्वारा पूरा स्ट्रक्चर कटिंग करके गिरा दिया गया। नीचे जमीन पर प्लांट से कॉलोनी को सप्लाई होने वाले 11 केवी का विद्युत केबल स्ट्रक्चर गिरने से क्षतिग्रस्त हो शार्ट सर्किट कर जल गया, जिससे कॉलोनी के एक बड़े हिस्से की बिजली सप्लाई ठप हो गई है। बिजली सप्लाई ठप होने से भीषण गर्मी में कॉलोनीवासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। केबल क्षतिग्रस्त होने की सूचना पाकर कॉलोनी सबस्टेशन सहित पावर प्लांट के कामगार जब कार्य करने पहुंचे तो केबल पर बड़ा स्ट्रक्चर गिरा होने के कारण कार्य करना संभव नहीं था। कामगारों एवं बिजली विभाग के इंजीनियरों ने मलबे के नीचे दबे क्षतिग्रस्त केबुल को बाइपास कनेक्शन करके कॉलोनी की बाधित बिजली सेवा को बहाल करने को लेकर काम कर रहे हैं।

ट्यूब लीकेज के कारण बिजली उत्पादन ठप

बोकारो थर्मल । बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के 500 मेगावाट वाले ए पावर प्लांट में ट्यूब लीकेज के कारण गुरुवार सुबह लगभग साढ़े नौ बजे से बिजली उत्पादन का कार्य ठप हो गया है। इस संबंध में बताया जाता है कि यूनिट के बॉटम हॉपर के वाटर वाल्व के पास ट्यूब लीकेज के कारण यूनिट को बंद करना पड़ा। जिस समय यूनिट को बंद किया गया उस समय 430 मेगावाट बिजली उत्पादन हो रहा था। डीवीसी के जीएम ओएंडएम एस भट्टाचार्य ने कहा कि यूनिट आने में एक दो दिन का समय लग जाएगा।

डीवीसी मजदूर यूनियन कार्यालय में मई दिवस का आयोजन

संवाददाता

बोकारो थर्मल । बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी मजदूर यूनियन कार्यालय में बुधवार को मजदूर दिवस का आयोजन किया गया। यूनियन के नेता जानकी महतो ने झंडोत्तोलन कर कार्यक्रम आरंभ किया।

जानकी महतो, भाकपा के अंचल सचिव ब्रज किशोर सिंह, मो मनीरुद्दीन, मो शाहजहां, राज किशोर प्रसाद सिंह आदि ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की सरकार निरंकुश हो गई है। केंद्र के नये श्रम कानूनों से मजदूरों को काफी नुकसान हुआ है। कहा कि डीजल पेट्रोल और रसोई गैस के मूल्यों में बेतहाशा वृद्धि के कारण देश की जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। पब्लिक सेक्टर के उपक्रमों को सरकार लगातार बेचने का काम कर रही है, जिससे बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। मजदूरों से 12-12 घंटे काम लिये जा रहे हैं। असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की समाजिक सुरक्षा अब खतरे में है। कहा कि ऐसे मे बिना किसी भेदभाव के सभी को मिलकर चुनाव बाद मजदूर विरोधी,किसान विरोधी और जन विरोधी नीतियों के खिलाफ सड़क पर आंदोलन करने की जरुरत है। कहा कि नये कानून से ठेकेदार कभी भी मजदूरों की छंटनी कर सकता है। मजदूरों के ईपीएफ का लाखों-करोड़ों रुपया केंद्र सरकार ने अडानी एवं अंबानी को दे रखा है, जो पूरी तरह से गैर कानूनी है। डीवीसी बोकारो थर्मल में भी मजदूरों का प्रबंधन के नाक के नीचे कंपनियां खुलेआम शोषण कर रही है और प्रबंधन मूक दर्शक बना हुआ है। केंद्र सरकार करोड़ो नौजवानों को रोजगार, शिक्षा, सस्ती मेडिकल सुविधा देने की बात नहीं कर रही, सिर्फ मंदिर मस्जिद की बात कर देश की जनता को भड़काने का काम को रहा है, इसलिए आज मजदूरों में व्यापक एकता बनाकर प्रबंधन हो या सरकार दोनों के मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ बड़े आंदोलन करने की जरुरत है। सभा में शिवराम शर्मा, मो मनीरुद्दीन, असीम तिवारी, सत्यजीत राय, गणेश घांसी, पप्पू शर्मा सहित कई लोग उपस्थित थे।

पत्थर खदान का पानी पीने को विवश हैं खुटरी पंचायतवासी

तुपकाडीह में पेयजल की घोर किल्लत

संवाददाता

बोकारो । तुपकाडीह में पेयजल की घोर किल्लत हो गई है। यहां के पांच पंचायतवासी तेनु बोकारो नहर का पानी नहाने- पीने में इस्तेमाल करने को विवश हैं। दामोदर नदी के किनारे स्थित मानगो गांव के लोग नहाने के बाद गैलन में पानी भर कर अपने घर ले जाते हैं। वहीं, खुटरी पंचायत भुटकुरु गांववासी पत्थर खदान से पानी लाकर खाना बनाने और पीते हैं। प्यासे जानवर पानी के लिए भटकते रहते हैं। दर्जनों

चापाकल ने पानी देना छोड़ दिया है। तालाब चेकडेम जोरिया आदि में पानी नहीं है। पेयजल आपूर्ति विभाग के द्वारा लगाये गए सोलर पानी सिस्टम भी बेकार साबित हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार के गलत काम करने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों ऐसी समस्या उतपन्न हुई है। करोड़ों रुपये की लागत से बना जैनामोड़ ग्रामीण जलापूर्ति योजना से 10 पंचायत को रोजाना सुबह मिलने वाला सप्लाई पानी गत एक सप्ताह से बंद हो गया है। पानी कब मिलेगा यह बताने के लिए बहु पंचायत पेयजल आपूर्ति विभाग या संवेदक कोई तैयार नहीं है। इधर, जरीडीह बीडीओ जयलाल महतो ने बताया कि 8 पंचायत के मुखिया के साथ बातकर जलापूर्ति शुरू करने का काम हो रहा है।

बीएसएल में आईएसओ 50001: 2018 ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली का सर्वेलेंस ऑडिट

संवाददाता

बोकारो । बोकारो स्टील में तीनदिवसीय ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली के सवेलेंस ऑडिट आईएसओ 50001: 2018 कार्यक्रम का आयोजन गुलशन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (ऊर्जा प्रबंधन विभाग) की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित किया गया। मेसर्स टीयूवी के बाहरी लेखा परीक्षक श्री कौशिक चक्रवर्ती (टीम लीडर) और विकास गुप्ता (सदस्य) के द्वारा सवेलेंस ऑडिट किया जा रहा है। अनुपमा तिवारी, महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) ने लेखा परीक्षकों का स्वागत किया। गुलशन

कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (ऊर्जा प्रबंधन विभाग) ने ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली तथा सवेलेंस ऑडिट के महत्व के बारे में बताया। आईएसओ 50001: 2018 ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली के अंतर्गत बोकारो स्टील प्लांट के सी ओ & सी सी, सिंटर प्लांट, ब्लास्ट फर्नेस, हॉट स्ट्रिप मिल, ऊर्जा प्रबंधन विभाग, डी एन डब्ल्यू, आई एंड ए, ई टी एल, सामग्री प्रबंधन और मानव संसाधन विभाग का सवेलेंस ऑडिट किया जा रहा है। ऑडिट कार्यक्रम, ऊर्जा प्रबंधन विभाग और बिजनेस एक्सीलेंस विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से संचालित और समन्वित किया जा रहा है।

फोटो फाइल- 2बीकेआर7-

नामांकन के बाद जयराम महतो पुलिस हिरासत से फरार, दो समर्थक धराए

सभा के दौरान पुलिस गिरफ्तारी का करती रह गई इंतजार, विधानसभा घेराव मामले में पुलिस ने पकड़ा था

निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जयराम ने दाखिल किया है अपना पर्चा

संवाददाता

बोकारो । हजारों लोगों का हुजूम और भारी लाव-लश्कर लेकर बोकारो में गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र से बतौर निर्दलीय प्रत्याशी नामांकन दाखिल करने वाले झारखंड के युवा नेता जयराम महतो पुलिस की हिरासत से फरार हो गए। पुलिस ने उन्हें जिला समाहरणालय में नामांकन के बाद अपनी हिरासत में ले लिया था।

इसके बाद उन्हें सभा करने की भी अनुमति मिली थी, जहां पुलिस उनकी गिरफ्तारी का इंतजार करती रही और जयराम वहां से पुलिस को को चकमा देकर फरार हो गए। गुरुवार को लगातार दूसरे दिन भी उनका कोई अता-पता नहीं चला और खबर लिखे जाने तक पुलिस के हाथ खाली थे। इधर, पुलिस ने गुरुवार को उनके दो समर्थकों को पुलिस हिरासत से जयराम को भगाने के आरोप में उनके दो समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया है। जयराम दो साल पहले झारखंड विधानसभा घेराव और प्रदर्शन के मामले में वांछित थे।

जेबीकेएसएस सुप्रीमो जयराम महतो अब बोकारो पुलिस के अलावा रांची के नगड़ी ओपी, पुलिस के लिए अबूझ पहेली बन गए हैं। बीएस सिटी पुलिस ने जयराम के तीन समर्थकों को गिरफ्तारी में अवरोध उत्पन्न करने के आरोप में गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बताया जाता है कि जयराम की गिरफ्तारी नहीं होने पर बोकारो पुलिस टीम गठित कर छापेमारी में जुट गई। देर रात तक बोकारो व धनबाद के संभावित ठिकानों पर छापेमारी की गई। इस दौरान जयराम महतो तो नहीं मिले, बल्कि धनबाद के तीन समर्थकों को गिरफ्तार किया गया। इनमें संजय महतो, रिजवान अंसारी व फरजान खान के नाम शामिल हैं। उन्हें गिरफ्तारी में अवरोध उत्पन्न करने के आरोप में जेल भेजा गया।

वन मैन शो वाला दिखा नजारा

पुलिस ने नामांकन के बाद सभा करने और शाम पांच बजे के बाद गिरफ्तार करने की बात कही थी। लेकिन, नामांकन के चास के आईटीआई मोड़ के समक्ष स्थित लबुडीह मैदान में सभा शुरू हुई। जयराम साढ़े चार बजे तक ओपन रूफ वाली गाड़ी से बाहर निकलकर अपने समर्थकों से घिरे हुए तथा स्कॉर्पियो की छत पर सवार हो वन मैन शो की तर्ज पर भाषण देते दिखे। उनके चारों तरफ भारी तादाद में लोगों का हुजूम उमड़ा रहा। जब वह नामांकन दाखिल करने पहुंचे थे, उस क्रम में जोधाडीह मोड़, तालगड़िया मोड़ से लेकर चंदनकियारी जानेवाले रास्ते में सड़क जाम की स्थिति बनी ही।

बोले जयराम- पहले से कोई नोटिस नहीं, विरोधियों की है साजिश

एक मई की सुबह करीब 11 बजे जयराम महतो अपने समर्थकों के साथ बोकारो समाहरणालय नामांकन के लिए पहुंचे थे। जहां उन्हें गिरफ्तारी की जानकारी दी गई। इस पर नामांकन करने और सभा करने का आदेश लिया गया। इस दौरान जयराम महतो से गिरफ्तारी के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने पत्रकारों से कहा कि उक्त मामला 2022 का है, जब विधानसभा के समक्ष प्रदर्शन किया गया था। प्रदर्शन के बाद रांची के हेडक्वार्टर-2 के तत्कालीन डीएसपी ने किसी प्रकार का केस नहीं होने की बात कही गई थी और अब अचानक से नामांकन के समय गिरफ्तार करने के लिए पुलिस पहुंची है। कहा कि केस के संबंध में कोई नोटिस नहीं दिया गया और गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया गया है। यह एक रणनीति के तहत किया गया है, क्योंकि विरोधियों को पता था कि एक दिन वह इलेक्शन जरूर लड़ेगा।

पुलिस-समर्थकों में हुई ठेलम-ठेल

इस दौरान सैकड़ों पुलिसकर्मी चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह व सिटी डीएसपी आलोक रंजन के नेतृत्व में मौजूद रही। सीआरपीएफ जवान के अलावा फायर ब्रिगेड को भी बुलाया गया था। जयराम के भाषण के दौरान ही शाम पांच बजने के 10 मिनट पहले चास एसडीपीओ दल-बल के साथ स्टेज के पास पहुंचे और समय बताया। इस पर जयराम महतो ने भाषण के दौरान ही कहा कि हम गिरफ्तारी देंगे, भागेंगे नहीं। इसके बाद पुलिस स्टेज से दूर हट गई। 5 बजते ही पुलिस पुनः स्टेज के पास पहुंची और गिरफ्तारी देने के लिए आने को कहा, जबकि मौजूद सैकड़ों समर्थक पुलिस को स्टेज तक पहुंचने नहीं दिया। पुलिस स्टेज तक पहुंची भी तो समर्थक पुलिस बल के आगे खड़े हो जा रहे थे। हालांकि जयराम महतो समर्थकों को रोकते हुए पुलिस को आने देने के लिए बोल रहे थे और समर्थकों को शांत रहने की भी अपील कर रहे थे। इस दौरान पुलिस और समर्थकों के बीच कई बार ठेलमठेल भी हुई। इसी ठेलमठेल के बीच देखते ही देखते जयराम अचानक वहां से लापता हो गए। करीब एक घंटे तक यही माहौल रहा। पुलिस स्टेज तक जाती, समर्थकों का विरोध होने पर पुलिस पीछे लौट जाती। शाम के करीब 5.45 बजे पुलिस के पास आने की बात कहते हुए जयराम महतो अपने वाहन में बैठे, लेकिन उक्त वाहन को दर्जनों समर्थक घेरे हुए थे। मैदान से बाहर निकलने के लिए उनकी गाड़ी चलने लगी और समर्थक वाहन को घेरकर आगे बढ़ते रहे और मैदान से बाहर चले गए। पुलिस पदाधिकारी भी अपने वाहन से पीछे-पीछे निकली, लेकिन पुलिस खाली हाथ रही। शाम 6 बजे तक स्टेज और मैदान करीब-करीब खाली हो गया, पीछे पुलिस हाथ मलती रह गई। बता दें कि पुलिस ने सभास्थल को चारों ओर से घेरकर रखा था। कई पुलिस की टुकड़ी मैदान में तैनात थी। गिरफ्तारी को लेकर पुलिस को समर्थकों का कड़ा विरोध का सामना करना पड़ा।

आयोग ने लिया संज्ञान, प्रशासन तलब

जनसभा को संबोधित करने के दौरान पुलिस को चकमा देकर फरार हुए जयराम महतो के मामले में चुनाव आयोग ने संज्ञान लिया है। झारखंड चुनाव आयोग के रवि कुमार ने कहा है कि डिस्टिक एडमिनिस्ट्रेशन से जवाब तलब किया गया है। उसके बाद नेगलिजेंस के तहत उनपर कार्रवाई होगी। बता दें कि जब जयराम महतो नामांकन पर्चा भर रहे थे तो समाहरणालय के दोनों ओर की गेट बंद की गई, वहीं जयराम महतो नामांकन पर्चा भरने के बाद डीसी ऑफिस से बाहर निकलने लगे लेकिन उन्हें वहां से निकलने नहीं दिया गया था।

कोरोना वैक्सीन पर राजनीति नहीं

संजय गोस्वामी

पहली और दूसरी खुराक प्राप्त करने के 48 घंटे बाद, 687 अभ्यास (पुरुष = 275; महिला = 412) में बुखार, शरीर में दर्द, ठंड लगना, मतली, मैलगिया, सिरदर्द, अस्वस्थता , थकान की व्यापकता का आकलन किया गया और पहली खुराक की तुलना में दूसरी खुराक के प्रशासन के 48 घंटे बाद अन्य प्रणालीगत खुराक में काफी गिरावट आई अधिकांश प्रतिकूल घटनाओं में साइड इफेक्ट की रिपोर्ट दर <0.50% थी, जो सभी पुरुष एवं महिला के लिए वैक्सीन के लिए कोविशील्ड सुरक्षित है। कोरोना कब खत्म हो गया और इसपर अभी भी राजनीति चालू है, इस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए, क्योंकि ये आम लोग के स्वास्थ्य से जुड़ा है जानकारी के अभाव लोग घबरा जाएंगे।

कोरोना की कोविशील्ड वैक्सीन बनाने वाली ब्रिटिश कंपनी एस्ट्राजेनेका ने कोर्ट में माना है कि इस वैक्सीन से कुछ लोगों को दिल का दौरा और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा है. यह वही वैक्सीन है जिसका भारत में बड़े पैमाने पर सीरम इंस्टीट्यूट के जरिए उत्पादन किया गया था. एक निजी संस्थान द्वारा उत्पादित वैक्सीन को न केवल सरकार द्वारा प्रचारित किया गया, बल्कि इसे आईसीएमआर द्वारा प्रमाणित और सुरक्षित भी बताया गया। जबकि सभी जानते हैं कि वैक्सीन का ट्रायल बहुत जल्दबाजी में किया गया था. क्लिनिकल और अन्य परीक्षणों की लंबी और वर्षों-लंबी प्रक्रिया को कुछ महीनों और हफ्तों में यह कहकर संक्षेप में प्रस्तुत किया गया कि यह समय की आवश्यकता थी। प्रधानमंत्री ने स्वयं सीरम इंस्टीट्यूट का दौरा किया और इसके एमडी अदार पूनावाला के साथ देश को वैक्सीन उत्पादन बढ़ाने का आश्वासन दिया। उन्होंने खुद भी टीका लगवाया और देशवासियों से भी टीका लगवाने की अपील की. इसके बाद कोवैक्सिन, कोरवेबेक्स जैसी कई अन्य वैक्सीन भी आईं और लगाई गईं। सरकार ने इसे बड़े पैमाने पर खरीदा और जनता को मुफ्त में सप्लाई किया। पूरे देश में टीकाकरण शिविर आयोजित किये गये। वैक्सीन लेने के लिए लोगों को लंबी लाइनों में खड़ा होना पड़ा. वैक्सीन प्रमाणपत्र वितरित किए गए और कई सरकारी सेवाओं के लिए यह प्रमाणपत्र अनिवार्य कर दिया गया। यह प्रमाणपत्र आज भी हम सभी के मोबाइल फोन या दराज में मौजूद है। ये सब हुए कई साल बीत गए. कोरोना की कभी-कभी छोटी लहर की चर्चा के अलावा कोई बड़ी लहर नहीं आई है. ऐसा लगता है कि वैक्सीन का असर हुआ है. कोरोना के नए-नए वेरिएंट आते हैं और बिना कोई खास असर दिखाए वापस चले जाते हैं. पुराने वेरिएंट को वैक्सीन से खत्म कर दिया गया है और इम्यूनिटी बढ़ने से नए वेरिएंट को अपनी ताकत दिखाने और बढ़ने का मौका नहीं मिल रहा है. लेकिन दूसरी ओर, अचानक दिल का दौरा, हार्ट अरेस्ट और ब्रेन स्ट्रोक के मामले बढ़ रहे हैं. आए दिन हमें ऐसी खबरें और वीडियो पढ़ने, देखने और सुनने को मिलते हैं. न केवल भारत में, बल्कि ब्रिटेन सहित अन्य देशों में भी, जहां कोविशील्ड का आविष्कार किया गया था। स्ट्रेजेनेका कंपनी ने इसे सबसे पहले कहां बनाया था और किन देशों से लाइसेंस या सहयोग लेकर अन्य देश और उनकी वैक्सीन कंपनियां इसका उत्पादन कर रही हैं। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया इनका सबसे बड़ा उत्पादक है और इसकी बनी वैक्सीन पूरी दुनिया में सप्लाई होती है. लेकिन अब एस्ट्राजेनेका मुश्किल में है और उसकी परेशानी का साया सीरम इंस्टीट्यूट से लेकर भारत सरकार तक दिखाई दे रहा है. चूंकि इन दिनों भारत में लोकसभा चुनाव चल रहे हैं कोविशील्ड पर एस्ट्राजेनेका के कबूलनामे से विपक्ष को

सरकार के खिलाफ नया हथियार मिल गया है. कोविशील्ड के बारे में खतरनाक तथ्य सामने आने से उन विपक्षी दलों को भी नई ताकत मिलेगी जिनके नेताओं ने शुरूआत में इस वैक्सीन का मजाक उड़ाया था और इसे बीजेपी की वैक्सीन बताकर इसे लगवाने से इनकार कर दिया था। हालाँकि बाद में जनता के दबाव में उन्होंने वैक्सीन लगवा ली, लेकिन कई आम लोगों की तरह वैक्सीन को लेकर उनका संदेह पूरी तरह खत्म नहीं हुआ था. इनमें समाजवादी पार्टी के प्रमुख का नाम प्रमुख है. उनकी पार्टी इस चुनाव में भारत गठबंधन का हिस्सा है। जब से एस्ट्राजेनेका द्वारा अदालत में वैक्सीन की खामियों को स्वीकार करना मीडिया में उजागर हुआ है, जिस महिला की कथित तौर पर कोविशील्ड लेने के बाद मृत्यु हो गई, उसके माता-पिता ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के खिलाफ मामला दर्ज करने का फैसला किया है, जिसके एक दिन बाद भारत में वैक्सीन बेचने वाली एस्ट्राजेनेका ने अदालत में स्वीकार किया कि उनका कोविड शॉट एक दुर्लभ दुष्प्रभाव का कारण बन सकता है। . एस्ट्राजेनेका का कबूलनामा सामने आने के बाद अभिभावकों को न्याय की उम्मीद है. नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने एक सम्मेलन बैठक में कहा, सीरम इंस्टीट्यूट के कोविशील्ड के दुष्प्रभाव नगण्य से भी कम हैं। कोविड-19 एक घातक बीमारी है, और हम सभी को जीवन में बाद में अनावश्यक स्थितियों से बचने के लिए उचित सावधानी बरतनी चाहिए। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरोना और कोविशील्ड को लेकर चचाओं से भर गए हैं। ऐसा लगता है मानों सबको अपना गुस्सा निकालने का मौका मिल गया हो. कोई इसके लिए एस्ट्राजेनेका और अदार पूनावाला को जिम्मेदार ठहरा रहा है तो कोई इसे चुनावी बांड चंदे और विदेश में कॉरपोरेट जगत के लालच से जोड़ रहा है. कोरोना महामारी को लेकर अब भी लोगों में संदेह होने लगा है। वे पूछ रहे हैं कि क्या यह पश्चिमी अमीरों और शासकों की कोई सुनियोजित साजिश नहीं थी? जिसके तहत जनसंख्या को कम करने और फार्मेसी, अस्पताल, बीमा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए दुनिया के करोड़ों लोगों को गिनी पिग बनाया गया और उनके जीवन और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया गया और इसके लिए चीन जिम्मेदार है। आपको यह जानना चाहिए कि किसी भी दवा का मानव के ईलाज में प्रयोग करने से पहले क्लिनिकल परीक्षण किया जाता है वैक्सीन का साइड इफेक्ट क्लिनिकल परीक्षण में नगण्य है सबसे पहले किसी रसायन जो कि टीके या दवा के लिए प्रयोग किया जाना है का प्रयोगशाला में परीक्षण किया जाता है। यदि प्रयोगशाला में सफलता मिल जाती है, तो इसके बाद इसका प्रयोग छोटे जानवरों (जैसे चूहा, बिल्ली, आदि) पर किया जाता है। यदि इन पर भी प्रयोग सफल होता है तो यही प्रयोग विभिन्न जाति के बंदरों पर किया जाता है। इस परीक्षण में इस दवा के दुष्परिणाम तथा दवा के विषैलेपन का भी परीक्षण किया जाता है। यदि यहां तक सफलता मिल जाती है तो उसके बाद दवा नियंत्रक तथा अन्य नियामक एजेंसियों से मानव पर उपरोक्त दवा के परीक्षण की इजाजत मांगी जाती है। इस इजाजतनामे में मानव परीक्षण की जरूरत किस प्रकार का परीक्षण किया जायेगा, कौन-कौन शोधार्थी इसमें शामिल होंगे और किन-किन अस्पतालों के माध्यम से यह शोध किया जायेगा, इस सब का विवरण देना होता है। साथ ही हर चरण के परीक्षण के बाद सम्पूर्ण विवरण नई दवा या टीके का परीक्षण करने वाली कम्पनी को उक्त एजेंसी को देना होता है।मानव परीक्षणों में हर दवा को तीन चरणों में गुजरना होता है।पहला चरण क्लीनिकल ट्रायल होता है, जिसमें दवा की सुरक्षा तथा शरीर में प्रतिरोधक क्षमता तथा अलग-अलग मात्रा में दवा की खुराक देकर दवा की खुराक (डोज) निर्धारित की जाती है। पहले चरण के परीक्षण में 10 से 20 तक स्वस्थ मानवों की आवश्यकता होती है, तथा इस पूरी प्रक्रिया में दो वर्ष का समय लगता है। दूसरे चरण में यही प्रक्रिया 300 से ऊपर स्वस्थ मानवों में दोहरा कर परीक्षण किया जाता है। इस प्रक्रिया में भी दो वर्ष से ऊपर का समय लगता है।तीसरे चरण में यह दवा उस बीमारी के हजारों रोगियों को दी जाती है, जिसे मर्ज के लिए यह दवा तैयार की गयी है। इस तीसरे चरण की खास बात यह है कि जितने मरीजों पर इस दवा का प्रयोग किया जा रहा है, उतने ही मरीजों पर प्लेसिबो (जो कि नमकीन पानी होता है) का परीक्षण किया जाता है। परीक्षण के बाद दोनों समूहों, जिन्हें दवा दी गयी है और जिन्हें प्लेसिबो दिया गया है, के नतीजों की तुलना की जाती है और सारी सूचना नियंत्रक एजेंसी को दी जाती है। अब यहनियंत्रक एजेंसी देखती है कि क्या दवा में रोग को पूर्ण तथा समाप्त करने की क्षमता है या नहीं। साथ ही उसके मानवशरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन भी किया जाता है। फरवरी 2021 में, त्रिनिदाद और टोबैगो ने अपना राष्ट्रीय COVID-19 टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया। वैक्सीन कार्यकर्ता ChAdOx1 ल्लउङ्घश-19 (ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका (कोविशील्ड, हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे, भारत) प्राप्त करने वाले पहले समूह में थे, जो राष्ट्रीय स्तर पर पहली COVID-19 वैक्सीन उपलब्ध थी। आई बी एम कार्पोरेशन, अर्मोन्क, एनवाई, यूएसए द्वारा किया गया परीक्षण में इस वैक्सीन की सुरक्षा जांच की गई, स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता द्वारा प्राप्त टीकाकरण के बाद रिपोर्ट की गई टीकाकरण के बाद सिस्टमगत और स्थानीय अध्ययन दस्तावेजों का एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन , चिकित्सा और दस्तावेजीकरण दस्तावेज -19 से संबंधित इतिहास और पहले के अनुभव में दिए गए स्थानीय और सिस्टमगत अध्ययन से संबंधित डेटा के माध्यम से जांच किया गया था। इस परीक्षण की पहली और दूसरी खुराक प्राप्त करने के 48 घंटे बाद, 687 अभ्यास (पुरुष = 275; महिला = 412) में बुखार, शरीर में दर्द, ठंड लगना, मतली, मैलगिया, सिरदर्द, अस्वस्थता , थकान की व्यापकता का आकलन किया गया और पहली खुराक की तुलना में दूसरी खुराक के प्रशासन के 48 घंटे बाद अन्य प्रणालीगत खुराक में काफी गिरावट आई अधिकांश प्रतिकूल घटनाओं में साइड इफेक्ट की रिपोर्ट दर <0.50% थी, जो सभी पुरुष एवं महिला के लिए वैक्सीन के लिए कोविशील्ड सुरक्षित है। कोरोना कब खत्म हो गया और इसपर अभी भी राजनीति चालू है, इस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए, क्योंकि ये आम लोग के स्वास्थ्य से जुड़ा है जानकारी के अभाव लोग घबरा जाएंगे।

संपादकीय

जवाबदेह बनें संस्थाएं

सर्वोच्च अदालत ने लोक सभा चुनाव से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के समय को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से सवाल किया और जांच एजेंसी से इसका जवाब मांगा। अदालत ने पांच सवाल पूछे और उनके जवाब लेकर आने का निर्देश दिया। दो सदस्यीय बेंच ने कहा कि स्वतंत्रता बहुत महत्त्वपूर्ण है। आखिरी सवाल गिरफ्तारी के संबंध में है। न्यायिक कार्यवाही के बिना, जो कुछ हुआ उसके संदर्भ में कार्यवाही कर सकते हैं। अदालत ने पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के लिए कहा कि पक्ष और विपक्ष में निष्कर्ष हैं। हमें बताएं कि केजरीवाल का मामला कहां है। क्या हम सीमा को बहुत विस्तृत बनाते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि जो व्यक्ति दोषी है, उसका पता लगाने के लिए मानक समान हों। केजरीवाल 21 मार्च से शराब नीति घोटाले के मामले में न्यायिक हिरासत के तहत दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। केजरीवाल इस गिरफ्तारी से पहले ही सार्वजनिक तौर पर कई मर्तबा दोहरा चुके थे कि मोदी सरकार लोक सभा चुनाव के दौरान उन्हें गिरफ्तार कर सकती है। दिल्ली सरकार के नेता पहले ही जेल में हैं। माना जा रहा है कि आम आदमी पार्टी की लोकप्रियता विभिन्न राजनैतिक दलों के लिए चुनौती बनती जा रही है। सत्ताधारी दल की यह जिम्मेदारी है कि वह अन्य विपक्षी दलों के साथ पूर्वाग्रह भरा बर्ताव करने से बचे। दंड प्रक्रिया संहिता के अध्याय 5 में स्पष्ट प्रावधान है, कोई भी गिरफ्तारी इसके अधीन ही होनी चाहिए। केजरीवाल अपनी गिरफ्तारी और हिरासत को अवैध बता रहे हैं। यह कहना गलत नहीं है कि चुनाव के दरम्यान लगातार गिरफ्तारियां हो रही हैं तथा नोटिस भी थमाए जा रहे हैं या छापे तक डाले जा रहे हैं। दरअसल, केजरीवाल की गिरफ्तारी की टाइमिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं, जिनके उत्तर मिलने चाहिए। यह स्थिति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं कही जा सकती। बेशक, न्यायिक व्यवस्था अपनी जिम्मेदारी निभा रही है। सार्वजनिक जीवन में रहने वाला कोई भी राजनीतिज्ञ यदि किसी तरह के घोटाले में शामिल है तो उसे दंडित करने के लिए अदालतें हैं। अदालतोंपर पहले ही लंबित मामलों का दबाव है। उस पर मोदी सरकार लगातार आरोपियों को भाजपा में शामिल कर उन्हें क्लीन चिट देने का काम कर स्पष्ट संकेत दे रही है। यह अपने आप में गलत संदेश दे रहा है। बावजूद इसके अंतिम फैसला तो जनता के हाथ में है, जो मूकदर्शक जरूर है, लेकिन अपना निर्णय समय आने पर देगी।

चिंतन-मनन

राजा की उदारता

राजा भोज के नगर में एक विद्वान ब्राह्मण रहते थे। एक दिन गरीबी से परेशान होकर उन्होंने राजभवन में चोरी करने का निश्चय किया। रात में वे वहां पहुंचे। सभी लोग सो रहे थे। सिपाहियों की नजरों से बचते हुए वह राजा के कक्ष तक पहुंच गए। स्वर्ण, रत्न, बहुमूल्य पात्र इधर-उधर पड़े थे। किंतु वे जो भी वस्तु उठाने का विचार करते, उनका शास्त्र ज्ञान उन्हें रोक देता। ब्राह्मण ने जैसे ही स्वर्ण राशि उठाने का विचार किया, मन में स्थित शास्त्र ने कहा- स्वर्ण चोर नर्पगामी होता है। जो भी वे लेना चाहते, उसी की चोरी को पाप बताने वाले वाक्य उनकी स्मृति में जाग उठते। रात बीत गई पर वे चोरी नहीं कर पाए। सुबह पकड़े जाने के भय से ब्राह्मण राजा के पलंग के नीचे छिप गए। महाराज के जागने पर रानियां व दासियां उनके अभिवादन हेतु प्रस्तुत हुई। राजा भोज के मुंह से किसी श्लोक की तीन पंक्तियां निकली। फिर अचानक वे रुक गए। शायद चौथी पंक्ति उन्हें याद नहीं आ रही थी। विद्वान ब्राह्मण से रहा नहीं गया। चौथी पंक्ति उन्होंने पूर्ण की।

महाराज चौंके और ब्राह्मण को बाहर निकलने को कहा। जब ब्राह्मण से भोज ने चोरी न करने का कारण पूछा तो वे बोले- राजन्, मेरा शाष्त्र ज्ञान मुझे रोकता रहा। उसी ने मेरी धर्म रक्षा की। राजा बोले- सत्य है कि ज्ञान उचित-अनुचित का बोध कराता है, जिसका धर्म संकट के क्षणों में उपयोग कर उचित राह पाई जा सकती है। राजा ने ब्राह्मण को प्रचुर धन देकर सदा के लिए उनकी निर्धनता दूर की दी।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस : स्वतंत्रता के पहले सुधार जरूरी

आनन्द पुरोहित

पांच सौ सात सौ में प्रेस कार्ड और पांच सात लाख में अखबारों पत्र पत्रिकाओं द्वारा सम्मान की लॉलीपाप देने और मिलने की खबरें और सूचनाओं के बीच हम सब आज 3 मई को भारत में भी विश्व प्रेस दिवस मना रहे हैं। जिसे संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा द्वारा विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस घोषित करने के बाद विश्व प्रेस दिवस के रूप में ही जाना जाता है। प्रेस के हालात आज ये हैं कि, रील बनाने के लिए चौराहे पर नाचने वाली से लगाकर छोटे बड़े नेता अभिनेता या सोशल साइट्स के तथाकथित सेलिब्रिटी मतलब सीधे साफ शब्दों में कहें तो हर कोई ऐरा गैरा एक्स, वाय, झेड भी प्रेस (जिसके लिए वर्तमान में प्रचलित शब्द मिडिया)..... पर उंगली उठाता रहता हैं। .....चाहे उनका कृत्य गलत, अव्यावहारिक, असामाजिक या आपराधिक अथवा गैर जिम्मेदाराना ही क्यों न हों.... वे अपनी गलती अपनी कमी नही मान मीडिया को ही दोषी ठहराते हैं।.... आइना दिखाने के लिए उधर मीडिया में भी कुछेक जमीर वाले अभी भी है, जो उनका पुरजोर विरोध करते उनको ही नहीं जन जन को उनकी हैसियत .....बोलें तो उनकी औकात उनके मुंह पर ही बता देते हैं.... परन्तु धीरे धीरे वे भी बहुत कम होते जा रहे हैं। और उनके लिए ही अत्यंत जरुरी है प्रेस स्वतंत्रता। भारत में प्रेस या कहें मीडिया एंव पत्रकारों की स्वतंत्रता अथवा आजादी भारतीय संविधान के अनुच्छेद-19 में भारतीयों को दिए गए अभिव्यक्ति की आजादी के मूल अधिकार से सुनिश्चित होती है। प्रेस की इसी आजादी को विश्व स्तर पर सम्मान देने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा द्वारा 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस घोषित किया जिसे विश्व प्रेस दिवस के रूप में भी जाना और मनाया जाता है। वैसे हम भारत के पत्रकार हर साल 16 नवंबर को हमारा राष्ट्रीय प्रेस दिवस भी मनाते हैं क्योंकि उस दिन हमारे यहां पीसीआई की स्थापना जो हुई थी।

आज की पीढ़ी के जो पत्रकार हैं उनमें से शायद अधिकांश को ....पीसीआई क्या है... यह ही पता न हो .... जिसके चलते वह भी यहां दिया जाना वांछित ही है। हालांकि उनकी इस अपरिचितता के लिए इन पत्रकारों का कोई दोष नहीं है क्योंकि इन्हें बताया ही नहीं गया या इनकी मनोवृत्ति ऐसी कर दी कि इन्होंने जानना भी नहीं चाहा..... सबसे पहले और सबसे तेज के चक्कर में ये यहां वहां से कोर्स कर कर के प्रेस का प्रतिनिधित्व करने पत्रकार बने या जैसा कि मैंने शुरूआत में कहा पांच सौ सात सौ में कार्ड लेकर फील्ड में आ गए.... पढ़ने जानने की, न लालसा रही न जिज्ञासा इसलिए नहीं जानते। खैर....

प्रेस स्वतंत्रता के संदर्भ में तो वर्तमान समय में दो स्तरीय स्थिति है.... एक जो लिखते हैं दूसरे जो लिखाते है.....सीधे सीधे कहे तो एक अखबार मालिक और दूसरे उनके कर्मी जिनमें संपादक, उप संपादक, प्रतिनिधि और रिपोर्टर जैसे अन्य सभी जमात शामिल, तो प्रेस स्वतंत्रता किसके लिए ? क्या दोनों के लिए ? नये जमाने की प्रेस जिसे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया कहा जा रहा उसकी बात करना तो बेमानी ही है.उसका कोई औचित्य हीं नहीं है... क्योंकि जब 1991 में यूनेस्को ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस का निर्णय लिया था तब इसका अस्तित्व ही नहीं था ....और वर्तमान में भी नब्बे प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पत्रकारिता के मापदण्डों तक दस प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है ।... ये तो बस बहसबाजी और बाईट मीडिया बन गया है। आलोचको की मानें तो उनके अनुसार वहां... बाइट पत्रकारिता... होती है... बाईट ले ली बन गई रिपोर्ट हो गई पत्रकारिता.... तो 1991 में विश्व प्रेस स्वतंत्रता की बात अखबारों के मद्देनजर ही कहीं गई थी । हालांकि अब इलेक्ट्रॉनिक के बाद एक और सोशल मीडिया भी प्रेस की जमात में शामिल होने को तत्पर है... इसलिए प्रेस शब्द के आयाम का विस्तार तो जरूरी हो गया है। इसको पुनः परिभाषित भी करना होगा। सिर्फ अखबारों को लेकर प्रेस स्वतंत्रता की बात में तो पिछले वर्षों चर्चित एक व्यंग्यात्मक जुमला कि... जो छप कर बिकते थे अब बिक कर छपेंगे बहुत कुछ कह गया है....संदर्भ सीमित था लेकिन अर्थ अनन्त है। ... हालांकि हकीकत यह भी है कि, कुछेक ऐसे भी हैं ....जो न छपकर बिकते हैं, न बिककर छपते हैं ....बस चलते हैं....मतलब छपते ही नहीं तो और क्या... साल में दो चार छः बार भी छप गए तो छप गये नहीं तो चल तो रहे ही है।..... सरकारी संस्थान जैसे मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग के प्रकाशन भी इसमें शामिल हैं... और ऐसे सैंकड़ों नहीं हजारों, लाखों है भारत में। इनमें से अधिकांश स्वयं सिद्ध नही होकर प्लांट किये गये है और लगातार किये जा रहे है.... कुछ विशेष उद्देश्य प्राप्ति के लिए कुछ क्षेत्र विशेष के सक्षमों द्वारा.... और इन तथाकथित सक्षमों द्वारा ही पूर्ण जिम्मेदारी एंव ईमानदार से पत्रकारिता के मानकों को निभाते प्रेस की मयार्दा और गरिमा को कायम रखने वाले अखबारों को बांधने के जतन किए जा रहे हैं.. चाहे नीतियों का हवाला देकर दबाव बनाते अथवा सुविधाओ के साथ प्रलोभन देकर... मतलब साम दाम दण्ड भेद भरपूर चल रहा है प्रेस की आजादी को दबाने में। हालांकि ये तथाकथित सक्षम प्रेस के समर्थन से ही सक्षम बन पायें हैं, नहीं तो इनकी हैसियत कुछ भी नहीं थी...और अब उस पर ही उंगली उठा उसे बांधने का प्रयास कर रहे..यह भूल कर की प्रेस का स्वरूप बहुत विराट है....उसे किसी भी तरह के बंधन में बांधा जाना संभव नहीं है, परन्तु ये चंद प्रेस करें जयचंदी स्वभाव वालों से मिल उन्हें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से लाभान्वित कर या प्रलोभन देकर, उनके साथ अपना यह कुत्सित प्रयास कर रहे... इसलिए ही प्रेस स्वतंत्रता की जरूरत है.... लेकिन अभी उसके पहले प्रेस के इन लोभी जयचंदो की पहचान कर उन्हें हटाने की जरूरत है। भारत में इसके लिए ही शायद पीसीआई का गठन किया गया जिसकी स्थापना दिवस को हम राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाते हैं। जैसा मैंने उपर बताया। पर पीसीआई अर्थात प्रेस कौंसिल ऑफ इंडिया भी अपनी स्थापना के उद्देश्य में सफल नहीं हो पाया इसलिए वो भी परिवर्तनीय है। और विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाने के पहले प्रेस से दूषित लोभी जयचंदो को किनारे कर अखबार मालिकों और पत्रकारों को स्व आचार संहिता बना उसके अनुरूप आचरण सुधार की आवश्यकता है। दो शब्दों में कहूं तो स्वतंत्रता के पहले स्वच्छता।

भारत-कनाडा के रिश्ते खतरनाक मोड़ पर

ललित गर्ग

कनाडा में रविवार को वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मौजूदगी में खालसा दिवस समारोह के दौरान खालिस्तान समर्थक नारे लगाए जाने के बाद भारत सरकार जो सख्ती दिखाई है, वह आवश्यक एवं समयोचित कदम है। इस घटना पर भारत का चिंतित होना एवं कनाडा को चेताया जाना स्वाभाविक है। विदेश मंत्रालय में कनाडा के उप-उच्चायुक्त को तलब कर इस मामले में गहरी आपत्ति जताई गई है। कनाडा सरकार ने अपने राजनीतिक हितों के लिये अनेक बार भारत विरोधी घटनाओं में संदेहास्पद एवं विवादास्पद भूमिका का निर्वाह करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों की मयार्दाओं को धुंधलाया है। कनाडा की धरती से खालिस्तानी समर्थक अलगाववाद, कट्टरपंथ और हिंसा को बढ़ावा दिया जाता रहा है। इस तरह की घटनाओं से कनाडा में अपराध का माहौल बना हुआ है। इससे कनाडा के नागरिकों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। जिससे भारत में भी स्थितियां संकटपूर्ण बनी है। पिछले साल खुद ट्रूडो ने सार्वजनिक रूप से निज्जर हत्याकांड में भारत के शामिल होने का निराधार आरोप लगाया था। भारत के मांगने के बाद भी आज तक उनकी सरकार इस आरोप के पक्ष में कोई सबूत नहीं दे पाई है। जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाकर दोनों देशों के बीच विवाद खड़ा कर दिया था। भारत ने आरोप को बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया था। इसके बाद से कनाडा और भारत के संबंधों में खटास आ गई और दोनों देशों के रिश्ते सुधरने की बजाय खतरनाक मोड़ पर पहुंच गये हैं।

रविवार के खालसा दिवस समारोह में न केवल खालिस्तान समर्थक नारे लगाए गए बल्कि ऐसे बैनर प्रदर्शित किए गए, जिनमें भारत-विरोध के त्रासद एवं राष्ट्र-विरोध के भ्रामक, झूठे एवं बेबुनियाद आरोप थे। अफसोस और चिंता की बात यह रही कि कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने तो इन सब भारत-विरोधी घटनाओं को रोकने की या इन्हें गलत बताने की कोई कोशिश की। इस पूरे मामले में ट्रूडो का व्यवहार आपत्तिजनक बना, दो देशों के बीच खटास घोलने वाला एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का रहा। जिसे दोनों देशों के राजनयिक पैमाने पर उचित नहीं कहा जा सकता। इस तरह कनाडा अपने देश की राजनीतिक जरूरतों के चलते भारत के साथ अपने रिश्ते इस मोड़ पर ले आया हैं, जहां उनके बीच विश्वास, भरोसे, आपसी सहयोग और संवाद की कमी है, तो यह अकारण नहीं है।

भले ही लगभग आठ लाख कनाडाई सिखों की वहां की राजनीति में सक्रिय भागीदार हैं। सिख समुदाय की जरूरतों एवं उनके शांतिपूर्ण जीवन के लिये कनाडा सरकार की प्रतिबद्धता में कोई आपत्ति नहीं हैं। सिख समुदाय के मौलिक अधिकारों व स्वतंत्रता की रक्षा करने के वायदे यदि वहां की सरकार करती है तो अच्छी बात है। भले ही कनाडा सरकार सिखों के सामुदायिक केंद्रों, गुरुद्वारा समेत पूजास्थलों की सुरक्षा को और मजबूत करने के साथ भारत एवं कनाडा के बीच उड़ानें और रूट बढ़ाने को लेकर भारत के साथ नए समझौते करें, लेकिन इन स्थितियों के बीच खालिस्तानी अलगाववाद को प्रोत्साहन देना भारत के लिये असहनीय है। भारत बार-बार इस बात को दोहरा रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर इस तरह अलगाववादी और अतिवादी प्रवृत्तियों को बढ़ावा देना न केवल दोनों देशों के रिश्तों के लिए बल्कि खुद कनाडा के लिए भी खतरनाक है। भारत जिस तरह से लम्बे समय तक खालिस्तानी आतंकवाद को झेला है, कनाडा में इन तत्वों को प्रोत्साहन देकर कनाडा आतंकवादी गतिविधियों का केन्द्र बन सकता है, जो उसके लिए नुकसानदेह ही साबित होने वाला है।

निश्चित ही कनाडा में खालिस्तानी आतंकी फल-फूल रहे हैं। खालिस्तानी न केवल भारतीय राजनयिकों को धमका रहे हैं बल्कि हिंदू मंदिरों को भी निशाना बना रहे हैं। कनाडा की धरती पर हर किस्म के खालिस्तानी चरमपंथी ही नहीं पल रहे हैं बल्कि वहां भारत से भागे गैंगस्टर और नशे के तस्कर भी शरण पा रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार परिषद में भारत ने कनाडा को जो खरी-खोटी सुनाई, वह इसलिए आवश्यक थी, क्योंकि वहां की ट्रूडो सरकार अपने भारत विरोधी रवैये से बाज नहीं आ रही है। वह जिस तरह खालिस्तानी अतिवादियों को संरक्षण दे रही है, उसकी मिसाल यदि कहीं और मिलती है तो वह पाकिस्तान में। कनाडा अपने भारत विरोधी रवैये के कारण पाकिस्तान सरीखा बनता जा रहा है। कनाडा अपने हितैषी एवं पडोसी देशों से दूरियां बना रहा है। खालिस्तान समर्थन एवं प्रोत्साहन के चलते कनाडा में फिलहाल कुछ भी ठीक नहीं चल रहा। अपने देश के साथ दुनियाभर में वह आलोचकों के निशाने पर हैं। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों पर नियंत्रण रखने में कथित नाकामी के चलते ट्रूडो को अनेक अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इसी के चलते जी-20 बैठक में उन्हें भारत और सदस्य देशों का ह्यठंडाह्न रिस्पांस मिला। भारत में खास अहमियत नहीं मिलने से खिसियाए ट्रूडो को कनाडा के मीडिया ने भी आड़े हाथ लिया है। ट्रूडो सरकार पर भारत के साथ रिश्तों को नुकसान पहुंचाने और व्यापार वार्ता के बारे में अंधेरे में रखने के आरोप भी लगे हैं। घरेलू राजनीतिक हितों के लिए ट्रूडो भारत के साथ लड़ाई मोल लेकर अपने देश का भारी आर्थिक नुकसान कर रहे हैं। यह सर्वविदित है कि भारत अब दुनिया की एक आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। कनाडाई में उत्पादित वस्तुओं के निर्यात और व्यापार में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है और दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव का असर यहां की इकोनॉमी पर पड़ रहा है। भारत की नाराजगी बेवजह नहीं है, क्योंकि कनाडा भारत के विरोध में लगातार सक्रिय हैं, कनाडा ने ही किसानों के आंदोलन के समर्थन में अतिश्योक्तिपूर्ण सहयोग होने दिया।

सांख्य का क्रियात्मक रूप है योग

प्राचीन काल में हमारे ऋषियों ने योग को अनुभव किया और इसके महत्व को पहचाना. इसके बाद उन्होंने समाज के कल्याण के लिए इस पद्धति को विकसित किया. उन्होंने इसे इतने सुंदर और तार्किक ढंग से प्रस्तुत किया कि यह आधुनिक समाज में भी लोकप्रिय है.

भारतीय दर्शन को षडदर्शन जैसे– मीमांसा, वेदांत, न्याय, वैशेषिक, सांख्य और योग कहे जाते हैं. सांख्य और योग, प्राचीन वैदिक तथा वेदांत फिलॉसफी हैं. इन दोनों दर्शनों ने भूमंडल के सभी विद्वानों को अपने दर्शन से चकित कर दिया है. सांख्य के आचार्य ऋषि कपिल और योग के हिरण्यगर्भ हैं. दोनों दर्शन एक दूसरे के पूरक माने जाते हैं. योग सांख्य का क्रियात्मक रूप है. यह तत्व ज्ञान को स्वयं अनुभव करना सिखा कर मनुष्य को अपने अंतिम लक्ष्य तक पहुंचाता है.

आयुर्वेद का स्तंभ है योग

हिरण्यगर्भ के सूत्रों के आधार पर महर्षि पतंजली ने योग सूत्र का निर्माण किया था. पतंजली मुनि के अनुसार योग से अंतःकरण, पद से वाणी और आयुर्वेद से मल को दूर किया जाता है. योग को आयुर्वेद का मूलाधार स्तंभ भी माना जाता है. यह योग प्रक्रिया के आधार पर ही है. प्राचीन काल में ऋषियों ने पहले इससे स्वयं साक्षात्कार किया और इसे अनुभव किया. इसके बाद लोक समाज के लिए इसे ग्राह्य एवं उपयोगी बनाने के लिए क्रमिक अभ्यास की विधियां विकसित की. इसके ज्ञान को उन्होने इस सुंदर और तार्किक तरीके से प्रस्तुत किया कि यह आज वैज्ञानिक युग में भी लोकप्रिय है. विद्वानों ने इसे आधुनिक समाज की आवश्यकताओं एवं जीवनशैली के अनुरूप बनाने का प्रयास किया है, जिससे लोग व्याधि मुक्त, तनाव मुक्त, स्वस्थ, संतुष्ट एवं श्रेष्ठ जीवन व्यतीत कर सकें. योग दर्शन पर भाष्य रची गयी हैं, जिनमें व्यास भाष्य, तत्व बैशारदी, योग वर्तिका, योग सार आदि प्रमुख हैं.

योग की हैं अनेक पद्धतियां – पतंजली मुनी का अष्टांग योग, महर्षि धेरंड द्वारा रचित धेरंड संहिता में सप्तांग योग, गोरखनाथ रचित गोरक्षशतक में षडांग योग की चर्चा है. इसका अर्थ यह है कि समय एवं आवश्यकता के अनुसार लोगों ने योग की कुछ पद्धतियों को प्रचलित किया. परंतु आधुनिक काल में पतंजली का अष्टांग योग ज्यादा लोकप्रिय है. ये यम(आत्मसंयम), नियम (आत्मशोधन के नियमों का पालन), आसन (शारीरिक मुद्रा), प्राणायाम (श्वास–प्रश्वास का नियमन), प्रत्याहार(इंद्रियों को उसके विषय से रोकना), धारणा(चिंतन), ध्यान (तल्लीनता) और समाधि(पूर्ण अंतरतन्मयता) हैं. इस प्रकार योग ऐसी पद्धति है, जिससे व्यक्ति अपने भीतर छिपी शक्तियों को संतुलित रूप से विकसित कर सकता है. यह पूर्ण स्वानुभूति कराने का साधन प्रदान करता है. आत्मा को सर्व व्यापी परमात्मा से जोड़ने के साधन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है. इसलिए महर्षि पतंजली को चित्त वृतियों का निरोध बताया है.

जीवन ही योग है

सरलतम शब्दों में जीवन ही योग है. हमारे दैनिक कर्म ही योग हैं. योग का लक्ष्य समन्वित व्यक्तित्व का विकास है. यह शारीरिक, मानसिक उत्थान के लिए है. दुखी मानवता के लिए यह मनो दैहिक चिकित्सा पद्धति के रूप में एक वरदान है. सत्य खोजने वालों के लिए ईश्वरानुभूति की सीधी राह है. वस्तुतः योग पूर्णता की योजना है. योग आत्मसाक्षात्कार का एक मार्ग है. योग के कई प्रकार होते हैं, जिनमें – जप योग (अपने मन को एक पवित्र नाम या अक्षर पर केंद्रित कर इसका सतत उच्चरण करना) कर्मयोग (फल की चिंता किये बगैर कार्य करना), ज्ञानयोग (आत्मा और अनात्मा में भेद), भक्तियोग (ईश्वर के प्रति श्रद्धा भाव के साथ समर्पण), राजयोग (अष्टांग योग), स्वर योग या नाद योग(श्वास के द्वारा संयोग) हैं.

वर्तमान में योग को रोग निरोधक, स्वास्थ्य वर्धक और रोग निवारण मूल्यांकन हेतु भारत और विदेशों में इस पर योजनाबद्ध तरीके से अनुसंधान हो रहा है. पिछले वर्ष फ्रांस में सरकार ने यूनिवर्सिटी स्तर तक योग की पढ़ाई को स्वीकृति दे दी है.

भारत में कुछ प्रसिद्ध संस्थान जैसे– शरीर क्रिया विज्ञान व संबंधित विज्ञान रक्षा संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(एम्स), राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य तथा तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहांस), विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान, कैवल्य धाम योग संस्थान, बिहार योग विद्यालय, मुंगेर आदि योग के प्रभावों के संबंध में गहन अनुसंधान कर रहे हैं.

हर दिन नहीं कर सकती एक सा व्यायाम

तेलुगू फिल्मों के बाद बॉलीवुड में बर्फी व फटा पोस्टर निकला हीरो से पहचान बनानेवाली इलियाना डिक्रूज आकर्षक फीगर के लिए भी जानी जाती हैं. जिम में वर्कआउट में वह यकीं नहीं रखतीं, बल्कि रोजाना योग के साथ कुछ आम एक्सरसाइज अपनाती हैं. फिटनेस के बारे में बता रही हैं इलियाना.

सबको लगता है कि मैं बहुत दुबली हूं, क्योंकि मैं खाती-पीती नहीं, जबकि सच यह है कि मैं बहुत फूडी हूं. मेरा मेटाबॉलिज्म स्ट्रांग है, इसलिए मेरा वजन नियंत्रित रहता है. बचपन से ही हम भाई-बहन दुबले-पतले रहे हैं, इसलिए कभी वजन को लेकर दिक्कत नहीं हुई. घर के कामों में भी रुचि रखती थी. खास कर जब मेड नहीं आती, तो खुद से फ्लोर साफ करती थी.

समुद्र किनारे जॉगिंग पसंद

जिम में वर्कआउट तो बिलकुल पसंद नहीं. समुद्र किनारे जॉगिंग पसंद है. बॉलकोनी में जंप करना अच्छा लगता है. 2011 में शूटिंग के दौरान घुटने में चोट लगी थी, जिसकी सर्जरी भी करानी पड़ी. इसलिए हफ्ते में तीन किलोमीटर से ज्यादा नहीं दौड़ती. हफ्ते में दो दिन स्वीमिंग-डांसिंग और 100 लैप्स मैनेज करती हूं. ब्रेस्ट, बैक और बटरफ्लाइ स्ट्रोक को अल्टरेट डे पर करती हूं. मेरा जैसा शरीर है, इसमें इंटरवल ट्रेनिंग से फायदा होता है. हर दिन एक-सा वर्कआउट नहीं कर सकती.

मेरी डायट

मुडो केक देख कर तो कंट्रोल नहीं होता. हां, बर्गर और पिज्जा से दूर ही रहती हूं. रसगुल्ला, रसमलाई और डार्क चॉकलेट पसंद है. मेटाबॉलिज्म को को बरकरार रखने के लिए दिन में चार से पांच छोटे-छोटे मील लेती हूं. ब्रेकफास्ट में एक गिलास फ्रूट जूस, दो अंडों का पोच और दो व्हीट ब्रेड कॉफी के साथ लेती हूं. दोपहर एक बजे लंच में 2 चपाती चिकन या फिश के साथ. इसमें वेजीटेबल, खासतौर से दाल और फूलगोभी पसंद है. डिनर में वही खाती हूं, जो लंच में. ब्रेकफास्ट व लंच के बीच नारियल पानी या नींबू पानी पीती हूं. शाम को सिर्फ चाय और नमकीन बिस्किट.

योग मेरे लिए खास

जल्दी सोती हूं और जल्दी उठती हूं. लेट नाइट पार्टी अवॉयड करती हूं. मेरी फिटनेस में योग सबसे खास है. इसकी ट्रेनिंग मैंने भरत ठाकुर से ली है. हर दिन सूर्य नमस्कार के 11 आसन करती हूं. एक्सरसाइज में बदलाव भी करती हूं.

गरमी में पीएं हेल्दी ड्रिंक्स

चिलचिलाती धूप और गरम हवाओं का मौसम आ गया है. इस मौसम में शरीर के तापमान व पाचन क्रिया को ठीक रखने के लिए संतुलित खाद्य एवं पेय पदार्थो का चुनाव बेहद जरूरी है. खास कर पेय पदार्थो के मामले में तो सावधानी बरतना और भी जरूरी है, क्योंकि गरमी से राहत पाने के लिए लोग अक्सर पेय पदार्थो का ही सहारा लेते हैं. गरमी में कुछ पीते रहने से पेट को ठंडक तो मिलती ही है, साथ ही ताजगी भी महसूस होती है. अतः ऐसे ड्रिंक्स

पीएं जिसे पीने से शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलता रहे और डिहाइड्रेशन से भी बचे रहें. कुछ ड्रिंक्स गले को राहत तो पहुंचाते हैं, लेकिन स्वास्थ्य को नुकसान भी पहुंचाते हैं. जानते हैं कुछ लाभदायक और हानिकारक ड्रिंक्स के बारे में.

ऐसे ड्रिंक्स से करें परहेज

इस मौसम में लोग काबरेनेटेड वाटर का अधिक सेवन करते हैं. लेकिन हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि इससे हमारे शरीर को कोई जरूरी पोषक तत्व नहीं मिलते, बल्कि ये कुछ जरूरी पोषक तत्व जैसे- कैल्शियम इत्यादि को क्षति ही पहुंचाते हैं.

चाय या कॉफी भी सीमित मात्र में लें, क्योंकि ज्यादा चाय-कॉफी से डिहाइड्रेशन होने की आशंका बढ़ जाती है.

ये ड्रिंक्स हैं लाभदायक

कुकुंबर ड्रिंक – 1 खीरा, 3/4 कप लो फैट दही, 4-5 पुदीना पत्ता, थोड़ा धनिया पत्ता, जीरा पाउडर, स्वादानुसार काला नमक और बर्फ मिलाकर इसका जूस बनाएं और पीएं. कैल्शियम, फॉलिक एसिड, विटामिन सी एवं पाचन को राहत पहुंचानेवाले हेल्दी बैक्टीरिया से भरपूर ये ड्रिंक डायबिटीज और हाइपरटेंशन के रोगियों के लिए भी फायदेमंद है.

बेल का शरबत – बेल के गूदे में स्वादानुसार चीनी/नमक नींबू और चाट मसाला मिलाकर इसका जूस बनाकर पीएं. कब्ज एवं गैस के रोगियों के लिए यह ड्रिंक लाभदायक है.

एपल मार्गरीटा – छीले-कटे सेब, नींबू, बर्फ, चीनी और थोड़ा पानी मिला कर इसका जूस बनाएं और इसका सेवन करें. यह ड्रिंक एनिमिया के रोगियों के लिए बहुत ही फायदेमंद है.

अदरक-पुदीना ड्रिंक – 1/4 कप अदरक का रस, 1/2 कप पुदीना पेस्ट, 1/2 कप नींबू का रस, चार चम्मच चीनी, 1 चम्मच जीरा पाउडर, काला नमक और पुदीना स्वादानुसार मिलाकर इसका जूस बनाएं. यह ड्रिंक विटामिन ए, सी और फोलिक एसिड, पोटैशियम, मैग्नीशिययम, जिंक इत्यादि से भरपूर है, यह टेस्टी होने के साथ-साथ गरमी में बहुत राहत देती है.

मैंगो शेक– आम और दूध से बना यह ड्रिंक विटामिन ए, पोटैशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, प्रोटीन, एवं कैलोरी से भरपूर है. कभी-कभी कुछ हलका खाने का मन करे, तो यह ड्रिंक संपूर्ण भोजन का भी कार्य करती है.

स्वस्थ मन से स्वस्थ तन

पुरानी कहावत है कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास होता है, पर यह एक पहलू है. दूसरा पहलू यह है कि स्वस्थ मन से स्वस्थ शरीर का निर्माण संभव है. तन और मन का संबंध पारस्परिक है. दानों की निर्भरता एक -दूसरे से जुड़ी है. अतः स्वास्थ्य एक समग्र तत्व है. इसकी प्राप्ति के लिए हमें समग्रता में सोचना चाहिए.

तन और मन का गहरा संबंध है. एक स्वस्थ तो दूसरा भी स्वस्थ. एक बीमार, तो दूसरा भी बीमार. दोनों की स्वस्थता एक दूसरे पर निर्भर है. स्थानांग सूत्र में यह बात प्रमुखता से कही गई है कि विचारों और भावनाओं से मानव का स्वास्थ्य बहुत अधिक प्रभावित होता है. अच्छे स्वास्थ्य का अर्थ सिर्फ अच्छा भोजन और एक नियमित दिनचर्या अपनाना भर नहीं है. स्वस्थ मनुष्य वह है जो अपनी शुद्ध प्रकृति में स्थिर होता है. यानी स्वस्थ वह है जो शरीर से ही नहीं , विचारों से भी स्वस्थ है. स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास होता है - यह अधूरा सत्य है. इसके साथ यह भी जोड़ जाना चाहिए , स्वस्थ मन से स्वस्थ शरीर का निर्माण होता है. वैसे तो आधुनिक चिकित्सा विज्ञान का अद्भुत विकास हुआ है. उसकी सफलताओं और उपलब्धियों पर सभी दांतों तले अंगुलियां दबाते हैं, पर इसके बावजूद दुनिया में बीमार लोगों की कोई कमी नहीं दिखती. नये से नये रोग भी जन्म लेते दिखाई देते हैं. असल में जब तक मानसिक विचारों और भावनाओं में संतुलन नहीं कायम होता और शांति का वातावरण नहीं बनता, तब तक स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता. सच तो यह है कि रोग से भी अधिक हम रोग की चिंता से रोगी और दुर्बल बनते हैं. इसलिए जरूरी यह है कि जब भी शरीर पर रोग का आक्रमण हो, हमें विचारों के स्वास्थ्य और उनके संतुलन पर विशेष ध्यान देना चाहिए.

चिंता और भय की तरह क्रोध का भावावेश भी स्वास्थ्य का शत्रु है. दो दिन के ज्वर से जितनी शक्ति नष्ट होती है, तीव्र क्रोध के दो क्षण में उतनी शक्ति नष्ट होती है. क्रोध से रक्तचाप की वृद्धि के साथ हृदय रोग का खतरा भी होता है. इसी तरह भय और भावना से भी स्वास्थ्य बहुत प्रभावित होता है. उसके प्रभाव से अनेक व्यक्ति पागल और रोगी तक बन जाते हैं. स्वास्थ्य पर विचारों के इतने गहरे प्रभाव को देखते हुए कहा जा सकता है कि स्वस्थ जीवन के लिए इलाज और दवा के साथ-साथ विचारों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए, तभी आप खुद को स्वस्थ रख सकते हैं.

इसे आप एक उदाहरण से समझ सकते हैं. एक बार अमेरिका के कृषि मंत्री एंडरसन को दिल की बीमारी हो गयी. कई दिनों की चिकित्सा के बाद भी उनके स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ. एक दिन अस्पताल में ही उन्होंने एक पुस्तक पढ़ी जिसमें लिखा था- 'दिल की बीमारी को दिमाग पर हावी नहीं होने देना चाहिए.' यह वाक्य उनके जीवन का मंत्र बन गया. उसी क्षण उन्होंने दिमाग से रोग की चिंता को दूर कर लिया. परिणाम यह निकला कि थोड़े ही समय में वह बिल्कुल स्वस्थ हो गये. मन से अच्छा महसूस करते हुए रोग की चिकित्सा करने के इस उपाय को 'फेथ - हीलिंग' कहते हैं. इस तरह का इलाज आस्था और भावना द्वारा की जानेवाली चिकित्सा का ही रूप है. भौतिक चिकित्सा का उपयोग करते हुए भी हमें आध्यात्मिक चिकित्सा का प्रयोग करना चाहिए. जैन परंपरा में ऐसे अनेक मुनियों के उदाहरण हैं, जिनके आधार पर आस्था और भावना द्वारा चिकित्सा की विधि का और अधिक विकास हो सकता है.

वजन कम करने का बेस्ट ऑप्शन है कार्डियो

फिल्म संघर्ष (1999) में प्रीति जिंटा की बाल भूमिका में पहली बार नजर आयीं आलिया भट्ट 'स्टूडेंट ऑफ द इयर' से युवा दिलों पर छा चुकी हैं. आज उनकी प्यारी मुस्कान और परफेक्ट फिगर की हर तरफ चर्चा है. फिल्मों में आने से पहले आलिया भी सामान्य लड़की की तरह दिखती थीं, लेकिन सिर्फ तीन महीने में 16 किलो वजन कम कर उन्होंने यह लुक हासिल किया है. क्या है इसका राज, बता रही हैं आलिया. मैं पांच साल से सेहत को लेकर ज्यादा फिक्रमंद हुई हूं. इन सालों में महसूस किया है कि अगर आप फिट होते हो तो आप बहुत सकारात्मक महसूस करते हैं. मैं साइज जीरो नहीं बनना चाहती. मेरी बहन पूजा ने भी मुडो सख्त हिदायत दे रखी है कि मैं साइज जीरो के चक्कर में न पडूं. हां, आप यकीन नहीं करेंगे कि फिल्मों में आने से पहले मेरा वजन 68 किलो था मगर पहली फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द इयर' में शनाया के रोल के लिए महज तीन महीनों में मैंने 16 किलो वजन कम किये. मैंने महसूस किया कि वजन कम करने में कार्डियो एक्सरसाइज सबसे बेस्ट ऑप्शन है.

वर्कआउट प्लान – मैं सप्ताह में तीन-चार दिन वर्कआउट करती हूं. स्पेशली सुबह एक घंटे कार्डियो करती हूं व शाम में लाइट वेट लिफ्टिंग. शुरुआत ट्रेडमिल से होती है. 10 मिनट वार्मअप के बाद क्रंचेस, बाइस्पे, ट्राइचेस्प, ड्रम्बेल्स वर्कआउट. हर दिन बॉडी के एक हिस्से पर मेहनत करती हूं. वीक में एक दिन ऑफ रखती हूं. योग और डांसिंग भी मेरी फिटनेस का अहम हिस्सा हैं. हर दिन अष्टांग योग भी करती हूं.

मेरी डायट – मैं दिन भर में चार- पांच छोटे-छोटे मील लेती हूं, जो मुडो फिट बनाये रखता है. पानी खूब पीती हूं, जो मुडो दिन भर हाइड्रेटेड रखता है. ऑयली व जंक फूड से दूर ही रहती हूं. सुबह की शुरुआत वेज या फ्रूट जूस से करती हूं. साथ में स्नैक्स, इडली-सांबर. अगर एग सैंडविच या पोहा लेना पड़े तो बिना चीनी के एक कप कॉफी या चाय के साथ लेती हूं. लंच में चिकन ब्रेस्ट, दाल, एक रोटी (बिना बटर), सब्जी और दही. शाम में कुरमुरा या फिर चाय-कॉफी के साथ इडली-सांबर. सोने से दो घंटे पहले डिनर में चिकन या फिश सब्जी के साथ और एक गिलास दूध लेती हूं.

तबीयत बिगाड़ न दे यह मौसम

गरमी का मौसम दस्तक दे चुका है. मौसम का यह बदलाव अपने साथ बुखार, सर्दी–जुकाम जैसी छोटी–छोटी बीमारियां भी ले आया है. अगर चाहते हैं कि आप या परिवार का कोई सदस्य फ्लू की चपेट में न आये, तो जानिए प्रतिष्ठित डॉक्टर से कि कैसे करें बचाव.

बदलते मौसम के कारण विभिन्न बीमारियां लोगों को चपेट में ले रही हैं. रात में ठंड और दिन में गरमी से अक्सर लोग लापरवाही बरतते हैं और कई बीमारियों का शिकार हो जाते हैं. अगर थोड़ी सावधानी और ध्यान रखा जाये तो बीमार पड़ने से बचा जा सकता है. इस मौसम में वायरल, कॉमन कोल्ड, ब्रोंकाइटिस, खांसी, गले व सिर में जकड़न आदि प्रमुख बीमारियां हैं. वहीं डायबिटीज, अस्थमा और हाइ बीपी के मरीजों को इस मौसम में खासी तकलीफों का सामना करना पड़ता है. बदलते मौसम में वायरस हावी रहता है. सुबह में हल्की सर्द हवाएं और दोपहर में गरमी से बुजुर्ग और बच्चे वायरल इंफेक्शन की चपेट में आ जाते हैं. वायरल इंफेक्शन के शुरुआती लक्षण खांसी, जुकाम और हल्का बुखार है जिसे हम 'फ्लू' भी कहते हैं. हैजा भी वायरल इंफेक्शन है. डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, हेपेटाइटिस आदि वायरस से ही फैलता है, जो बदलते मौसम में घातक होता है. इंफेक्शन से जुकाम में नाक बंद रहता है, छींकें भी ज्यादा आती हैं, गला खराब रहता है. बदलते मौसम में छोटे बच्चों में डायरिया का मुख्य कारण भी वायरल इंफेक्शन ही होता है. प्रदूषण के कारण वायल इंफेक्शन अत्याधिक पनपता है. वातावरण में मौजूद वायरस सांस लेने के दौरान शरीर में प्रवेश करते हैं. यह समस्या एसी के साथ अधिक है, क्योंकि वहां ताजी हवा नहीं होती.

लगवाएं एंटी फ्लू टीका – साल में दो बार अपने बच्चों को एंटी फ्लू टीका जरूर लगवाएं. डब्ल्यूएचओ साल में दो बार एंटी फ्लू टीका निकालता है एक सितंबर माह में और दूसरा मार्च माह में, क्योंकि अधिकांश वायरस मौसम बदलने पर ज्यादा अटैक करते हैं. इस लिहाज से ये महीने महत्वपूर्ण हैं. हर 6 माह में बच्चों व बुजुर्गों को यह टीका जरूर लगवाएं.

बुजुर्ग बरतें सावधानियां – अस्थमा, शुगर या हाइबीपी के मरीज अपनी दवाइयों का नियमित सेवन करें, अन्यथा आपकी परेशानी बढ़ सकती है. कोशिश करें कि धूप निकलने पर ही घर से बाहर निकलें. बिस्तर से उठते ही तुरंत खुली हवा में न जाएं. ब्लड थिनर मेडिसिन लेने वाले मरीज इसका नियमित सेवन न करें. बाईपास सर्जरी करा चुके मरीज चिकित्सक की सलाह लेकर दवाइयों का सेवन करें. शराब व धुम्रपान का सेवन न करें क्योंकि इस मौसम में यह अत्याधिक घातक साबित हो सकता है. शुगर मरीज नियमित दवाई लेते रहें व लगातार व्यायाम करें ताकि शुगर कंट्रोल रहे. हार्ट पेशेंट वाले बुजुर्गों को यदि चेस्ट में कोई परेशानी होती है, तो तुरंत चिकित्सक से सलाह लें.

क्या करें जब मौसम बनाये बीमार

मौसम में बदलाव के कारण हमें कई तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ता है. यह किन कारणों से होता है?

मौसम में बदलाव के कारण वायरस वातावरण में तेजी से विकसित होते हैं. इस मौसम में होनेवाली सर्दी, खांसी और बुखार इंफ्लुएंजा वायरस के इंफेक्शन की वजह से होते हैं. हृदय रोग और फेफड़ों से जुड़े रोगों से पीड़ित लोगों के लिए यह जानलेवा भी साबित होता है.

प्रायः इस मौसम में अचानक कोई ठंडी चीज पी लेने से तबीयत खराब हो जाती है, क्यों?

वातावरण में विभिन्न जीवाणु और विषाणु होते हैं. हमारे शरीर जैसे– गले, मुंह आदि में ये मौजूद होते हैं. सामान्य रूप से ये अक्रिय होते हैं. अचानक कोई ठंडी चीज पीने से, ये जीवाणु सक्रिय हो जाते हैं और तेजी से वृद्धि करने लगते हैं. इनकी संख्या बढ़ने के कारण ही हम बीमार पड़ते हैं.

सामान्य बुखार और वायरल इंफेक्शन में क्या अंतर होता है?

वायरल इंफेक्शन में बुखार, सिर दर्द, नाक से पानी बहना, खांसी, भूख घटना, काम करने की इच्छा न होना आदि लक्षण हैं. बुखार 5 दिन से अधिक रहे, तो यह मलेरिया, मियादी बुखार, कालाजार या डेंगू हो सकता है. टेस्ट करवाएं. मलेरिया के लिए आप्टिमल टेस्ट, मियादी बुखार के लिए विडाल टेस्ट होता है.

इससे बचाव के लिए क्या उपाय अपनाना चाहिए?

हाइ रिस्कवालों को खास कर हृदयरोगवाले लोगों को एंटी वायरल वैक्सीन लेना चाहिए. डॉक्टर की सलाह लेना चाहिए.

संक्षिप्त

बैंक से 1.23 करोड़ की लूट में तीन गिरफ्तार

मोतिहारी। नेपाल के परवा वीरगंज ब्रह्मा चौक के पास नोबिल बैंक से 1.23 करोड़ की लूट का मोतिहारी पुलिस ने खुलासा किया है। महिला सहित तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। बैंक लूटने के बाद अपना हिस्सा लेकर अपराधी भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कर गये थे। इसकी भनक लगने पर एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने रक्सौल डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस की स्पेशल टीम गठित की। उसके बाद पुलिस टीम ने तिनकोनी गांव की घेराबंदी कर महिला सहित तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से लूट के 18.23 लाख नेपाली रुपये, कट्टा, दो गोली, सोने की अंगूठी, बाइक, दो मोबाइल, ड्रील मशीन, सीसीटीवी कैमरा, सोल्डिंग मशीन व एक गैस सिलेंडर बरामद हुआ है।

बहन से मिलने जा रहे पिता-पुत्र की मौत

मधुबन (पूचं)। थाना क्षेत्र के घेघवा गांव निवासी 39 वर्षीय प्रमोद कुमार व प्रमोद के पुत्र अवनीश 16 वर्ष की सड़क दुर्घटना में मुजफ्फरपुर के चांदनी चौक के पास बुधवार की रात्रि मौत हो गयी। गुरुवार को पिता-पुत्र का शव घर पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। पिता-पुत्र का एक ही चिंता पर अंतिम संस्कार किया गया। घटना के बाद पूरे परिवार में कोहराम मच गया है। वृद्ध पिता किसुन भगत अपने इकलौते पुत्र व एक पोते की मौत से पूरी तरह बदहवास हो चुके हैं। पत्नी मनीषा देवी का पति व पुत्र की मौत की खबर सुनने के बाद आंसू थमने का नाम नहीं ले रहा है। बताया जाता है कि प्रमोद अपने ननिहाल मुजफ्फरपुर जिले के कांटी थाना क्षेत्र के नरसंडा पकड़ी में ममेरी बहन की शादी में न्योता करके नरसंडा से फोरलेन के साथ मुजफ्फरपुर शहर के चांदनी चौक पर रहने वाली बहन से पिता-पुत्र बाइक से मिलने जा रहे थे। चांदनी चौक से पहले रोड पर बने कट के रास्ते साइड लेने के लिए में बाइक पर खड़ा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक ट्रक चालक ने पिता-पुत्र को रौंद दिया, जहां दोनों की मौत हो गयी।

चिकित्सक के घर से 20 लाख की लूट

सीतामढ़ी। नगर थाना क्षेत्र के बरियारपुर मोहल्ले के वार्ड नंबर 40 में बुधवार को अहले सुबह डकैतों ने चिकित्सक डॉ अनिसुर रहमान के घर धावा बोलकर 2।95 लाख कैश, सोने व चांदी के जेवरात समेत 20 लाख रुपये की संपत्ति लूट ली। बताया जा रहा है कि चिकित्सक की गैर मौजूदगी में चार से पांच की संख्या में डकैत मरीज के इलाज के बहाने कॉलबेल बजाकर दरवाजा खुलवाया। लूटपाट शुरू कर दी। पौन घंटे तक लूटपाट करने के बाद सभी डकैत भाग निकले। चिकित्सक की पत्नी तलत कहकशां ने नगर थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करायी है। प्राथमिकी में बताया है कि सुबह करीब 3।15 बजे घर की कॉलबेल बजने लगी। पूछने लगी बजाने वाले व्यक्ति ने कहा कि बेटे को काफी तेज बुखार है। डॉक्टर साहब से दिखाना है।

कबाडी की दुकान में बैटरी ब्लास्ट, एक की मौत

डेहरी नगर (रोहतास)। नगर थाना क्षेत्र के मोहन विगहा चौक के समीप बुधवार की दोपहर नारायाण कबाड़ा के दुकान में बैटरी बलास्ट करने से एक कर्मी की मौत मौके पर हो गयी। बैटरी के बलास्ट करने से कबाड़ी की दुकान सहित आसपास अफरातफरी मच गया। मृतक औरंगाबाद जिला के श्याम नारायाण प्रसाद का लगभग 35 वर्षीय पुत्र मुकेश कुमार गुप्ता है। जो उक्त कबाडी के दुकान में सात से आठ साल से काम करता था।घटना की सूचना मिलते ही नगर थानाध्यक्ष शिवेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे।

आमने-सामने टकरायी बाइक, तीन की मौत

औरंगाबाद/अंबा। अंबा-नवीनगर मुख्य पथ कुटुंबा थाना क्षेत्र के तमसी मोड़ के समीप दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर में एक महिला सहित तीन की मौत हो गयर। टक्कर इतनी भयावह थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गये। घटनास्थल पर हीं दो लोगों की मौत हो गयी। वहीं, एक गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। बड़ी बात यह है कि मां की गोद में बैठा नवजात शिशु मामूली रूप से चोटिल हो गया। घटना बुधवार की है। मृतकों में नवीनगर प्रखंड के वरुणा गांव निवासी अनुज साव की पत्नी मीना देवी (23), उक्त गांव के ही निकेश विश्वकर्मा (18) व झरी बलथर गांव निवासी रवि किशन उर्फ टिंकू विश्वकर्मा (20) शामिल है। निकेश विश्वकर्मा बाइक से बड़े भाई राजू के साले रवि किशन उर्फ टिंकू के साथ नवीनगर से अंबा की ओर आ रहे थे। उनको अंबा थाने के गउरा गांव में अपने रिश्तेदार के घर जाना था। इधर, वरुणा गांव के ही मनोज साव भाभी मीना देवी को ढिबरा थाना क्षेत्र के बनुआ गांव स्थित मायके से लेकर जा रहे थे। इसी क्रम में तमसी मोड़ पर दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गयी। इस घटना में मीना देवी व निकेश विश्वकर्मा की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी। आसपास के लोग व पुलिस की मदद से टिंकू विश्वकर्मा व मनोज साव को उपचार के लिए रेफरल अस्पताल को कुटुंबा पहुंचाया गया।

भारत का दुनिया में बज रहा डंका : जेपी नड्डा

अररिया। अररिया के सिकटी विधानसभा क्षेत्र के धर्मगंज मेला ग्राउंड में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा ने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित किया। जे.पी.नड्डा ने सबसे पहले मद्नेश्वरनाथ और सुंदरनाथ महादेव को नमन करते हुए आंचलिक साहित्यकार फणीश्वरनाथ रेणु को याद किया। उन्होंने मोदी जी के दस साल के कार्यकाल को सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण का बताया। दूसरी तरफ राजद और कांग्रेस के पुराने शासनकाल को लूट खसोट, कुशासन और खुद के परिवार का कल्याण करने वाला करार दिया। उन्होंने कहा कि दस सालों में भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से पांचवें स्थान पर आ गई है। दुनिया आज हमसे दवा खरीद रही है।भारत दुनिया में सबसे सस्ती, असरदार और किफायती दवा बना रही है। जिसके कारण दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पेट्रोकेमिकल के क्षेत्र में भारत का निर्यात 106 प्रतिशत बढ़ गया है। मोबाइल पहले विदेश से आता था और अब 97 फ़ीसदी मोबाइल भारत में बन रहा है। उन्होंने प्रतिदिन 29 से 30 किलोमीटर नेशनल हाईवे सड़क निर्माण की बात करते हुए अब तक 55 हजार किलोमीटर सड़क का निर्माण किए जाने की बात कही। वही प्रतिदिन 26 किलोमीटर रेलवे ट्रैक के बिछने और अब तक 52 हजार किलोमीटर रेल का विद्युतीकरण होने की बात कही।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कोरोना काल को याद करते हुए कोरोना की मार को सौ साल की सबसे बड़ी आपदा करार देते हुए कहा कि अमेरिका, यूरोप, रूस सहित दुनिया के देश जब फेल हो गए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक करोड़ 40 लाख लोगों का जान बचाई।जो काम अमेरिका जैसे देश नहीं कर पाए उसे मोदी जी ने लॉकडाउन लगाकर साबित कर दिया। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि वह खुद प्रदेश और देश में स्वास्थ्य मंत्री रहे हैं।पहले हालत यह थे कि टेटनस की दवा को भारत आने में 27 साल लग गए। वही डिप्थीरिया की दवा को आने में 30 साल लगे।जबकि ट्यूबरक्लोसिस की दवा के भारत आने में 24 साल लगे। इतना ही नहीं जापानी बुखार का दवा आने में सौ साल लगे हैं। उन्होंने कहा कि 24 जनवरी 2019 को पहले कोरोना का केस आया था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टास्क फोर्स की बैठक कर महज 9 माह के अंदर दो करोड़ वैक्सीन का डोज देने का काम किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया को भारत वैक्सीन देने का काम कर रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत भारत में 80 करोड़ और बिहार के एक करोड़ 70 लाख लोगों को लाभ लाभ मिलने की बात करते हुए कहा कि यह योजना 5 सालों तक चलेगी। वहीं किसानों के खाते में देश में 11 करोड़ 78 लाख जबकि बिहार में 80 लाख किसान समृद्धि योजना के तहत पैसे भेजे जाने की बात कही। उन्होंने 18 हजार गांव में उजाला योजना के तहत बिजली पहुंच जाने की बात कही। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत सौर ऊर्जा के माध्यम से हर घर के छत पर सौर ऊर्जा लगाई जाएगी जिससे लोगों का बिजली मुफ्त हो जाएगा। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के तहत भारत में 10 करोड़ 74 लाख परिवार को लाभ दिए जाने की बात कही। केंद्र सरकार की उपलब्धि बताते हुए कहा कि 10 साल में 4 करोड़ पक्के घर बना कर दिए गए हैं और आने वाले 5 साल में 3 करोड़ पक्के घर का निर्माण किया जाएगा।

उत्तर से दक्षिण पूर्व से पश्चिम तक फैला है भ्रष्टाचारियों का कुनबा

मुजफ्फरपुर। बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के कैरमा मैदान में भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में चुनवी सभा को संबोधित करते हुए गुरुवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि हमारे विरोधी वह लोग जिसको अपने परिवार और खुद से लेना देना है। आम आदमी से कोई लेना देना नहीं है। इन लोगों का घोटाला भ्रष्टाचार से लेना देना है। लालू यादव से बड़ा डकैत कोई नही, उत्तर से दक्षिण पूर्व से पश्चिम तक फैला है भ्रष्टाचारियों का कुनबा। जेपी नड्डा ने कहा कि इंडी गठबंधन भ्रष्टाचारियों को बचाने का जमावड़ा है। यह लोग परिवार चलाने वाले लोग है। देश के उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूर्व से लेकर पश्चिम तक भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा लगा है। कश्मीर से दक्षिण तक और सभी जगह पर इन लोगो की जमात है। कश्मीर के उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती के साथ चौटाला परिवार मुलायम अखिलेश परिवार लालू यादव परिवार ममता बनर्जी अभिषेक केटीआर केआरसी स्टालिन शरद पवार उद्धव ठाकरे, राहुल गांधी सोनिया गांधी यह सब परिवार वाद के लोग है। जेपी नड्डा ने कहा कि लालू यादव अलकतरा चारा जमीन घोटाला, कविता शराब तो अरविंद केजरीवाल दवाओं और शराब, ममता बनर्जी शिक्षक घोटाला करने वाले लोगों के साथ और निया गांधी,राहुल गांधी, लालू तेजस्वी परिवार बेल पर है। ममता बनर्जी संजय सिंह डीएमके टीएमसी आप के नेता मनीष सिसोदिया सत्येंद्र जैन आजम खां भी जेल में है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत का मस्तक ऊंचा किया : राजनाथ

पटना/सारण। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को एक चुनावी जनसभा में कहा कि भाजपा सरकार में देश का प्रभाव बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत का मस्तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऊंचा किया है। आज दुनिया के लोग भारत की बातों को बड़े गौर से सुनते हैं। राजनाथ सिंह ने सारण से भाजपा उम्मीदवार राजीव प्रताप रूड़ी के समर्थन में आयोजित जनसभा में कहा कि पहले कांग्रेस की सरकारों को आपने देखा है। केवल जम्मू-कश्मीर ही नहीं बल्कि देश के किसी ना किसी राज्य में आतंकी घटनाएं होती रहती थीं, लेकिन आज भाजपा सरकार में आतंकी घटनाएं बंद हैं, जम्मू-कश्मीर में कभी छिटपुट ऐसी घटना भले सामने आ जाए। उन्होंने मोदी सरकार के कदम की सराहना की और कहा कि आपको रक्षा मंत्री होने के नाते आश्वस्त करता हूं कि देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। आज देश के पास वो ताकत है कि भारत सीमा के इस पार भी मार सकता है और जरूरत पड़ी तो सीमा के उस पार जाकर भी मार सकता है। ये हमारी ताकत है। राजनाथ सिंह ने कहा कि राजीव प्रताप रूड़ी ने अपने क्षेत्र में जमकर सेवा की है। रूड़ी अपने क्षेत्र में ज्यादा काम करते हैं। रूड़ी को सबका भरपूर समर्थन मिलना चाहिए। रूड़ी बहुत कुशल पायलट हैं, अपने प्रतिद्वंदी को हवा में ही उड़ा देंगे। यही नहीं जहां भी एनडीए के उम्मीदवार हैं वहां उनको समर्थ दीजिए। उन्होंने कहा कि रूड़ी सिर्फ सांसद नहीं एक बड़ी हस्ती भी हैं। इसलिए क्षेत्र के विकास के लिए अब तक आपने जिताया है तो फिर मौक़ा दीजिए।

बिहार में बहुत काम किये, देश में 400 सीटें जीतेगा एनडीए : नीतीश कुमार

बछवाड़ा (बेगूसराय)। एनडीए प्रत्याशी गिरिराज सिंह के समर्थन में गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और मंत्री विजय चौधरी ने बछवाड़ा के रेलवे लोहिया मैदान में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि आज पूरा देश में मोदी जी की लहर चल रही है। बिहार में 40 और पूरे देश में 400 सीटें एनडीए जीत रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में बहुत काम किये हैं। आवासीय विद्यालय, छात्रावास निर्माण, आइटीआइ और बेगूसराय के बरौनी में 515 करोड़ की लागत से मेडिकल कॉलेज अस्पताल का निर्माण कराया जा रहा है, जो वर्ष 2026 तक तैयार हो जायेगा। केंद्र व राज्य सरकार हर तरफ सड़क का निर्माण करा रही है। तेघड़ा अनुमंडल में एएनएम प्रशिक्षण केंद्र खोला जा रहा है। उन्होंने कहा कि गांधी मैदान के किनारे सिमरिया गंगा घाट पर सिढ़ी निर्माण के साथ साथ सौंदर्यीकरण कराया। उन्होंने कहा कि हमने जाति गणना के साथ साथ बिहार में आर्थिक गणना भी करायी। पिछड़ा, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति का आरक्षण 50 से बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दिया, वहीं, केंद्र सरकार ने ऊंची जाति को 10 प्रतिशत पहले से आरक्षण दे रखा है। नीतीश ने कहा कि बीच में हम थोड़ा सा गड़बड़ हो गये थे, इसलिए इधर-उधर चले गये। अब कहीं नहीं जाने वाले हैं, बीजेपी के साथ ही रहेंगे। वहीं, गिरिराज सिंह ने कहा कि देश का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जरूर बनाना।

जब लालूजी भाजपा से नहीं डरे तो क्या उसका बेटा डर जायेगा : तेजस्वी यादव

अररिया। अररिया के पलासी में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद ने राजद उम्मीदवार शाहनवाज आलम के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए भाजपा पर प्रहार किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जब लालूजी भाजपा से नहीं डरे तो क्या उसका बेटा डर जायेगा। तेजस्वी ने कहा कि वह मुद्दे की बात करने आए हैं। आज देश का दुश्मन बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और गरीबी है। जिससे जनता जूझ रही है। लेकिन भाजपा न तो पढ़ाई, न दवाई, न कमाई और न सिंचाई की बात करती हैं। उन्होंने कहा कि 2014 में किए गए अच्छे दिन का वादे भूल गए हैं। 2014 में किए गए वादे 2019 में भूल गए तो 2019 की बात 2024 के चुनाव में भूल गए हैं। उन्होंने बिहार को विशेष राज्य और पैकेज देने की बात कही थी, जो अब तक नहीं मिला। उन्होंने कहा कि अररिया में मक्का और मखाना की खेती बड़े पैमाने पर होती है। किसानों के लिए फूड प्रोसेसिंग यूनिट नहीं खोला गया। उन्होंने कहा कि 17 महीने के कार्यकाल में उन्होंने लाखों नौकरियां दी। विकास मित्र, टोला सेवक, तालिमी मरकज,और शिक्षामित्र के मानदेय को दुगना करने का काम किया। जाति आधारित जनगणना के साथ-साथ आईटी पॉलिसी, स्पोर्ट्स पॉलिसी और टूरिज्म पॉलिसी डेवलप करने का काम किया। निवेशकों को बुलाकर बिहार में निवेश करवा रहे थे। और जब हम लोग यह काम कर रहे थे और नौकरी दे रहे थे तो भाजपा वालों ने चाचाजी को हाईजैक कर लिया। लेकिन वह उनका इज्जत करते हैं। चाचाजी बुजुर्ग और अभिभावक हैं। तेजस्वी प्रसाद ने कहा कि भाजपा में चले जाओ तो राजा हरिश्चंद्र और भाजपा से लड़ो तो बेईमान और चोर।

उन्होंने बेंगलुरु में एनडीए के सांसद द्वारा 3 हजार लड़कियों के शोषण का मामला उठाते हुए कहा कि 26 अप्रैल को हुए चुनाव के बाद उन्हें विदेश भेज दिया गया।

चिराग पासवान ने किया नामांकन

हाजीपुर। हाजीपुर लोकसभा सीट से गुरुवार को एनडीए उम्मीदवार लोजपा (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने नामांकन दाखिल किया। इसके लिए वे अपने समर्थकों के काफिले के साथ रोड शो करते हुए हाजीपुर पहुंचे। हाजीपुर पहुंचने पर सर्किट हाउस के समीप अपने पिता रामविलास पासवान की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद वे जिला निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय पहुंचे और अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान चिराग पासवान ने कहा कि अगर उनके नामांकन में चाचा पशुपति पारस भी आते तो अच्छा लगता।

पेज एक का शेष

कोडरमा से...

इन तीनों सीटों पर अबतक कुल 42 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। इनमें चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से 20, कोडरमा तथा हजारीबाग से 11-11 उम्मीदवार शामिल हैं। इसी तरह, तीसरे चरण की चार सीटों पर गुरुवार को कुल 12 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया। गिरिडीह में दो, धनबाद में तीन, रांची में चार तथा जमशेदपुर में तीन उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इन सीटों पर अबतक कुल 26 नामांकन पत्र दाखिल किए जा चुके हैं।

गिरिडीह लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से पांच, धनबाद से आठ, रांची से छह और जमशेदपुर से सात नामांकन पत्र दाखिल हुए हैं। यहां नामांकन की अंतिम तिथि छह मई निर्धारित है।

शहजादे को...

फवाद चौधरी ने इस वीडियो को एक्स हैंडल पर दोबारा पोस्ट करते हुए लिखा है कि 'राहुल ऑन फायर'।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीटीआई के नेता की पोस्ट का जिक्र करते हुए चुनावी रैली में राहुल गांधी को निशाने पर लिया। उन्होंने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि संयोग देखिए, आज भारत में कांग्रेस कमजोर हो रही है। यानी सूक्ष्मदर्शी यंत्र लेकर भी कांग्रेस को ढूंढना मुश्किल हो रहा है, लेकिन मजे की बात ये है कि यहां कांग्रेस मर रही है और वहां पाकिस्तान रो रहा है। पीएम मोदी ने एक बार फिर से दोहराया कि जब तक वे जीवित हैं, तब तक धर्म के नाम पर आरक्षण नहीं देने देंगे। मोदी ने कहा कि उन्होंने (कांग्रेस) अपने घोषणा पत्र में लिखित में कहा है कि अब जो सरकारी टेंडर होंगे, उसमें भी मुसलमानों के लिए एक कोटा फिक्स कर दिया जाएगा। अब सरकारी ठेकों में भी धर्म के आधार पर आरक्षण लाया जाएगा, लेकिन मैं ऐसा नहीं होने दूंगा।

राहुल गांधी लड़ेंगे...

सूत्रों के हवाले से यह खबर सामने आ रही है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के ऊपर अंतिम फैसला छोड़ दिया गया है। सूत्रों ने कहा कि आज शाम एक बैठक में कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने दोनों को चुनाव लड़ने का सुझाव दिया और अंतिम निर्णय उन पर छोड़ दिया। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा है कि कांग्रेस का गढ़ रही इन दोनों सीटों से अगर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी चुनाव नहीं लड़ेंगे, तो कार्यकर्ताओं और सहयोगी पार्टियों के बीच अच्छा संदेश नहीं जाएगा और इसका असर पूरे देश में जाएगा। लोकसभा चुनाव-2019 में राहुल गांधी को अमेठी में बीजेपी की स्मृति ईरानी ने हरा दिया था। इससे पहले वह 2004, 2009 और 2014 में इस सीट से जीतकर संसद पहुंचे थे। दूसरी तरफ रायबरेली सीट को लेकर भी सस्पेंस काफी बढ़ गया है। ऐसा माना जा रहा था कि प्रियंका गांधी चुनाव नहीं लड़ने वाली हैं, लेकिन अब सूत्रों के मुताबिक उनका नाम भी चुनाव लड़ने की चर्चा को लेकर सुर्खियों में है। कुछ खबरें ऐसी भी सामने आई हैं कि राहुल गांधी शायद अमेठी से चुनाव लड़ने में दिलचस्पी नहीं रखते, लेकिन पार्टी और कार्यकर्ता चाहते हैं कि वह यहां से चुनाव लड़ें। इन दोनों ही सीटों पर मतदान 20 मई को होगा और कल नामांकन दाखिल किया जाएगा।

पीएम मोदी के...

वह भी इसलिए करती है क्योंकि मोदी गरीब घर से आते हैं, चायवाला के बेटा हैं। केशव ने कहा कि मोदी 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने में लगे हैं इसके लिए सभी का साथ जरूरी है।

उन्होंने कहा इस बार लोकसभा चुनाव में झारखंड से सभी 14 सीटें और देश में चार सौ अधिक सीटें लाकर नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने जनता आतुर है। मौर्य ने कहा कि जिन्हें देश के संविधान की जानकारी नहीं, वो चले हैं संविधान बचाने। उन्होंने कहा कि 56 इंच की छाती वाले प्रधानमंत्री ने जो कर दिखाया, उसे करने वाला इंडी गठबंधन में कोई नेता नहीं हैं। मौर्य ने कहा कि 56 इंच की छाती होनी चाहिए, देश के दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए। गुरुवार को भाजपा के दो दिग्गज उम्मीदवार कोडरमा लोकसभा सीट से अन्नपूर्णा देवी और गांडेय विधानसभा सीट से दिलीप कुमार वर्मा ने पर्चा दाखिल किया।

विपक्ष का लक्ष्य...

पिछले 10 वर्षों में हमारे प्रयासों से एक करोड़ बहनें लखपति दीदी बनी हैं। अब मोदी ने गारंटी दी है अगले पांच वर्षों में तीन करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाया जाएगा। अर्जुन मुंडा ने कहा कि हर गरीब की चिंता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को है। कोरोना काल में प्रारंभ हुई गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत आज भी लोगों को मिल रहा है। भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि विपक्षी यह नहीं बता पा रहे हैं कि वो लोग देश के लोगों का भला कैसे करेंगे, लेकिन उन्हें हमारे लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी को सिर्फ सत्ता से हटाना है। वे 60 वर्षों तक शासन में रहे, लेकिन देश का भला नहीं हो पाया और अब वे देश की भलाई की बात करते हैं। हमारी सरकार ने स्वास्थ्य को लेकर, रोजगार को लेकर, महिला सशक्ततीरण को लेकर काम किया है, लेकिन ये लोग बोलते हैं कि भाजपा वाले संविधान बदल देंगे। मुंडा ने कहा कि मैं विपक्ष के लोगों से पूछना चाहता हूँ कि उन्होंने 60 साल में क्या किया? उन्हें यह बताना चाहिए कि देश के लिए उन्हें क्या करना है? देश के भविष्य के क्या करना है?

मुरहू में खुला भाजपा का चुनाव कार्यालय : भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा ने गुरुवार को खूंटी के विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा और पद्मभूषण कड़िया मुंडा के साथ मुरहू में भारतीय जनता पार्टी के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन किया।

पूर्णिया में भीषण आग में सैकड़ों परिवारों के घर जलकर खाक, करोड़ों की संपत्ति राख

पूर्णिया। जिले के अमौर प्रखंड क्षेत्र के ज्ञानडोव पंचायत के वार्ड नंबर 12 खाड़ी बासोल बावनडोव एवम रंगरैया लालटोली पंचायत के वार्ड नं 13 खाड़ी टोल भगताहीर में गुरुवार को सैकड़ो घर में आग लग गयी। वार्ड सदस्य प्रतिनिधि परवेज आलम एवम सरपंच प्रतिनिधि मो मुदस्सिर नजर ने बताया कि गुरुवार को दोपहर12.15 बजे अचानक मो सज्जाद के घर से आग की लपटें उठीं । जो देखते ही देखते दोनों पंचायत के 150 परिवारों के घर जलकर राख हो गया । तेज पछुआ हवा ने आग में घी का काम किया । देखते ही देखते पूरा गांव आग की लपटों में घिर गया । ग्रामीणों सहित जनप्रतिनिधियों ने सीओ एवम थाना को सूचना देते हुए दमकल गाड़ी भेजने की मांग की लेकिन दमकल गाड़ी डेढ़ घंटा लेट पहुंचीं ।ग्रामीणों सहित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि दमकल गाड़ी समय पर पहुंच जाती तो आग से कम नुकसान पहुंचता। ग्रामीणों ने कहा कि सिलेंडर फटने से आग और बेकाबू हो गया । आग लगी की घटना में ग्रामीणों के घरों में रखे हुए रुपए, कपड़ा, बर्तन, अनाज, फर्नीचर सहित मोटरसाइकिल एवं माल मवेशी जले.घटना की सुचना मिलते ही सीओ सुधांशु मधुकर, थानाध्यक्ष अवधेश कुमार घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ितों की सुधि ली । डीसीएलआर सह आपदा पदाधिकारी टेस लाल ने बताया कि पीड़ित परिवारों का आकलन किया जा रहा है। घटना बड़ी है तत्काल पीड़ित परिवारों को सरकारी राहत के तहत प्लास्टिक शीट दिया जा रहा है एवम कम्युनिटी किचन शुरू किया गया है।

शनिवार-रविवार को भी काम करते हैं जज उन्हें छुट्टी नहीं मिलती : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि जो लोग यह सोचते हैं कि हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को लंबी छुट्टी मिलती है लेकिन वह यह नहीं जानते कि जजों को शनिवार और रविवार को भी काम करना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट में पश्चिम बंगाल से संबंधित एक मामले की सुनवाई चल रही थी तो सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गुरुवार को सुनवाई की जाए और यह भी कहा कि दोनों पक्ष गर्मी की छुट्टी से पहले अपनी दलील पूरी करें। पश्चिम बंगाल सरकार ने कहा है कि सीबीआई राज्य की इजाजत के बगैर मामले की जांच कर रही है। सुप्रीम कोर्ट पश्चिम बंगाल सरकार की अर्जी पर आगे सुनवाई करेगा। इस मामले में हाई कोर्ट के फैसले को राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे रखी है। इसी दौरान छुट्टी का मसला उठा। सॉलिसिटर जनरल ने पहले यह बात कही तब जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने भी कहा कि जो लोग यह आलोचना करते हैं कि हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों को लंबी छुट्टी मिलती है उन्हें शायद यह नहीं मालूम कि जज शनिवार और रविवार को भी काम करते हैं। सुप्रीम कोर्ट की ओर से कहा गया कि जज रोजाना 50 से 60 मामलों की सुनवाई करते हैं और छुट्टियों में भी फैसला लिखते हैं।

लोग बहुत समझदार, वोट से जवाब देने को तैयार : सुनीता केजरीवाल

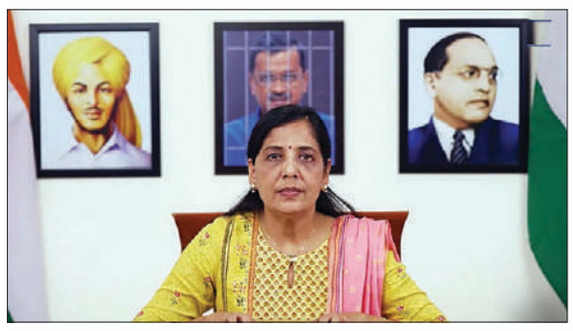

अहमदाबाद । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि लोग समझदार हैं। आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री को जेल में डालने के भाजपा के कदम का जवाब अपने वोट से देने को तैयार है। वे गुजरात के भरूच और भावनगर संसदीय क्षेत्रों में आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवारों के समर्थन में रैलियों में शामिल होने से पहले अहमदाबाद हवाई अड्डे पर पहुंचीं। उन्होंने कहा, उन्होंने (भाजपा ने) केजरीवाल को चुनाव के समय जेल में डाला है, ताकि उनकी आवाज जनता तक नहीं पहुंचे। लेकिन लोग बहुत समझदार हैं और वे अपने वोट से जवाब देने को तैयार है। सुनीता के साथ चुनावी दौरे पर गए 'आप' के राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उन बयानों के लिए उन पर निशाना साधा कि वह धर्म के नाम पर मुसलमानों को आरक्षण नहीं देने देंगे। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री से पूछना चाहता हूं कि उन्हें ये सारी बातें चुनाव से पहले ही क्यों याद आती हैं? आप अपने काम के आधार पर वोट क्यों नहीं मांगते? मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री पाकिस्तान के सबसे बड़े दोस्त हैं।''

कुछ लोगों ने मुझे अपनी ही पार्टी से बेगाना बना दिया : अनिल विज

चंडीगढ़। अंबाला कैंट से छह बार के विधायक और हरियाणा के पूर्व मंत्री अनिल विज ने कहा कि कुछ लोगों ने उन्हें अपनी पार्टी में बेगाना बना दिया है। उन्होंने ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि कुछ लोगों ने मुझे मेरी पार्टी में ही बेगाना बना दिया है। विज अंबाला संसदीय सीट से बीजेपी उम्मीदवार बंतो कटारिया के नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले एक सभा को संबोधित कर रहे थे। बता दे

बीजेपी के वरिष्ठ नेता अनिल विज ने मार्च में हुए सैनी के शपथ ग्रहण समारोह से भी दूरी बना ली थी। उन्होंने लोकसभा चुनाव में अपना चुनाव प्रचार अंबाला छावनी निर्वाचन क्षेत्र तक ही सीमित रखा है। विज ने लोगों से अपील की कि अगर उन्हें लगता है कि उन्होंने अंबाला छावनी का विकास किया है तो वे इस चुनाव में अपनी ताकत दिखाएं और बीजेपी उम्मीदवार बंतो कटारिया को भारी मतों से विजयी बनाएं। बंतो कटारिया पूर्व केंद्रीय मंत्री रतन लाल कटारिया की पत्नी हैं। रतन लाल अंबाला से सांसद थे। पिछले साल उनका निधन हो गया। विज ने अपने भाषण के दौरान 'इंडिया' गठबंधन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उनके पास न तो कोई नेता है और न ही कोई नीति। जब विज यहां अंबाला छावनी में सभा को संबोधित कर रहे थे तो सैनी और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद थे। बता दें कि इससे पहले मार्च में मनोहर लाल खट्टर के स्थान पर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाए जाने के बारे में पार्टी द्वारा अवगत नहीं कराए जाने को लेकर अनिल विज के नाराज होने की खबरें आई थीं। सैनी के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में विज को शामिल भी नहीं किया गया।

चुनावी मौसम में हॉक्स ई-मेल आने से चढ़ गया दिल्ली का पारा

नई दिल्ली । देश में लोकतंत्र का महापर्व अपने पीक पर चल रहा है। इस बीच बम के हॉक्स ई-मेल आने से दिल्ली का पारा अचानक ऊपर चढ़ गया है। दिल्ली में मंगलवार को राष्ट्रपति भवन सहित 103 सरकारी बिल्डिंग में बम रखे होने का ई-मेल आया, तब कोई बहुत ज्यादा हरकत नहीं हुई। लिहाजा बुधवार को सबसे संवेदनशील जगह स्कूलों को टारगेट किया गया। इससे अचानक पूरी दिल्ली हड़कंप मच गया। दहशत फैलाने वाले अपने मंसूबों में कामयाब हो गए। केंद्रीय गृह मंत्रालय, दिल्ली के एलजी और पुलिस के आला अफसरों अलर्ट मोड में आ गए। पैरंट्स और स्टूडेंट्स के बीच दहशत फैल गई। लोगों के बीच स्कूलों की तरफ भागने की होड़ सी मच गई। पुलिस अफसर बताते हैं कि अचानक इस तरह से पैनिक फैलने की आशंका रहती है। भगदड़ मचने पर जानमाल का नुकसान का खतरा बना रहता है। इसकारण जनता से यही अपील की जाती है कि वे इसतरह के हालात में बिल्कुल भी ना घबराएं और हमेशा अलर्ट रहें। एक एक तरह की नई चुनौती है, जिससे पुलिस और पब्लिक दोनों को मिल कर निपटना है। पुलिस अफसर ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में या अन्य जगह पर बम की हॉक्स कॉल पहले भी आती रही हैं। लेकिन इतने ज्यादा स्कूलों को बम रखने का एक साथ ई-मेल भेजने का ये पहला मामला सामने आया है। ये एक नया ट्रेंड है। इससे आने वाले समय में बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के इस दौर में दहशत फैलाने वाले किसी भी हद तक जा सकते हैं। इस तरह का पैनिक फैलाने के पीछे साजिशकर्ताओं का क्या मकसद है और वे इससे क्या हासिल चाहते हैं, इसका खुलासा आरोपियों के पकड़े जाने के बाद ही हो सकेगा।

भाजपा के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से हटा एनिमेटेड वीडियो

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल द्वारा मंगलवार को साझा किया गया एक एनिमेटेड वीडियो, जिसमें भाजपा द्वारा वोट मांगने के लिए सीधे तौर पर मुस्लिमों को निशाना बनाया जा रहा था, 1 मई को हटा दिया गया। इसके पहले बताया गया था कि किस तरह इस वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दावे कि अगर कांग्रेस सरकार में आई है, तब वह हिंदुओं की संपत्ति और धन मुसलमानों में बांट देगी को ही दोहराया गया था। इसमें यह भी कहा गया था कि मुस्लिम इस विपक्षी पार्टी का पसंदीदा समुदाय' हैं। इसमें वहीं भ्रामक और गोलमोल दावे थे, जो दक्षिणपंथियों द्वारा मुस्लिमों को कमतर दिखाने के लिए किए जाते रहे हैं। हालांकि, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि वीडियो को पार्टी ने ही हटाया, या इंस्टाग्राम ने हटा दिया। क्योंकि इसके सामने आने के बाद बड़ी संख्या में इंस्टाग्राम यूजर्स ने बताया था कि उन्होंने वीडियो को 'गलत जानकारी' और 'हेट स्पीच' के लिए रिपोर्ट किया था। यह पहली बार नहीं था जब भाजपा ने चुनाव से पहले घोर सांप्रदायिक वीडियो प्रसारित किया है। अप्रैल के मध्य में तेलंगाना भाजपा ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें एक एनिमेटेड चरित्र पेपे द फॉग को दिखाया गया, जिसका इस्तेमाल अमूमन अमेरिका में ऑल्ट-राइट द्वारा किया जाता था और जिसे अब हिंदुत्व के सोशल मीडिया यूजर्स अपना चुके हैं और इस भारत में मुसलमानों और ऐतिहासिक शासकों का संदर्भ देने के लिए इस्तेमाल में ले रहे हैं।

प्रियंका गांधी वाड्रा का प्रधानमंत्री मोदी पर हमला, कहा

जनता की समस्याओं की बजाय पाकिस्तान पर बात करती हैं भाजपा

चिरमिरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोरबा संसदीय क्षेत्र के चिरमिरी में कांग्रेस उम्मीदवार ज्योत्सना महंत के समर्थन में आयोजित जनसभा में पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता की समस्याओं की बजाय पाकिस्तान और चीन की बातें करते हैं। छत्तीसगढ़ की अस्मिता और सम्मान को बढ़ाने के लिए कांग्रेस की ओर से की गई कोशिश को भाजपा ने पसंद नहीं किया। वर्तमान दौर में किस तरह की राजनीति हो रही है और किस तरह के नेताओं को बढ़ाया जा रहा है, यह हमारे सामने है।

उन्होंने कहा कि चिरमिरी सहित अन्य क्षेत्रों में खुशहाली आए इसकारण कोयला खदानों का राष्ट्रीयकरण किया था। जिसकी वजह से हजारों लोगों को रोजगार मिला। वर्तमान में मजदूर विरोधी, किसान विरोधी राजनीति चल रही है। भाजपा नेता जाति की राजनीति कर बताते है कि देश में खुशहाली और अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। दुनिया के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के भारत आने की बात करते हैं। लेकिन जनता की सबसे बड़ी समस्याओं की बात मंचों पर नहीं हो रही है। इन मंचों पर जो बात होती है, वह बड़े-बड़े इवेंट की होती है, कोई जी-20 बोलता है, कोई पाकिस्तान की बात करता है, कोई चीन की बात करता है। आप जिन संघर्षों से गुजर रहे हैं, उनकी बात नहीं होती।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा में दो तरह के नेता हैं। एक जो सबसे भष्ट नेता हैं। उन सभी को इकट्ठा करके अपनी पार्टी में ले लिया। जो दूसरी पार्टियो में भ्रष्ट थे, पहले उनके खिलाफ आरोप लगे और उन पर छापे मारे गए। उन पर दबाव डाला गया और अपनी पार्टी में ले लिया गया। जब उनकी पार्टी में आ गए तब वह पाक साफ हो गए। उनके खिलाफ कोई कार्रवाई और केस नहीं हुआ। सब चुपचाप से बंद किया गया। दूसरी ओर वे नेता हैं, जो सिर्फ हवा-हवाई बातें करते हैं। जो आपकी बात नहीं करते।

सिसोदिया ने जमानत के लिए लगाई याचिका, कोर्ट ने की मंजूर सुनवाई कल

नई दिल्ली। कथित आबकारी नीति घोटाले में जेल में बंद दिल्ली से पूर्व डिप्टी सीएम और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया ने सीबीआई और ईडी द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार और धन शोधन के मामलों में जमानत के लिए गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया और एक याचिका दायर कर तत्काल सुनवाई का आग्रह किया है। अदालत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने के लिए सहमत हो गई। सिसोदिया की ओर वकील रजत भारद्वाज और मोहम्मद इरशाद ने कहा अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता एक विधायक है। उन्होंने अदालत से जमानत की मांग करने वाली दोनों याचिकाओं को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आग्रह किया। तत्काल सुनवाई के लिए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ के समक्ष याचिका का उल्लेख किया गया। अदालत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने के लिए सहमत हो गई। सिसोदिया ने निचली अदालत के 30 अप्रैल के आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। निचली अदालत में दो मामलों में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। निचली अदालत ने 2021-22 की आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं के संबंध में सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार और धन-शोधन मामलों में सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी है।

एशिया देशों में आग उगल रहा सूर्य.... आग की भट्टी बने कई देश

भारत, जापान और बांग्लादेश में तापमान शीर्ष पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया के देशों में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। इससे गर्मी से संबंधित बीमारियों और मौतों में काफी ज्यादा तेजी आई है। बीते कुछ दिनों में भारत से फिलीपींस तक तापमान 100 से 120 डिग्री तक बढ़ गया है, जबकि जापान में तापमान 90 डिग्री तक बढ़ा है। मौसम विज्ञानी मैक्सिमिलियानो हरेरा ने लिखा है कि पूरे एशिया में तापमान कई पुराने रिकॉर्ड क्रूरतापूर्वक तोड़ रहा है, जो विश्व जलवायु इतिहास में अब तक की सबसे चरम घटना है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल के आखिरी हफ्ते में एशिया ने भीषण गर्मी देखी और मई के शुरुआत दिनों में भी इसके जारी रहने की संभावना है। दक्षिण एशिया के कई इलाकों में मार्च से ही तापमान सामान्य से ऊपर बना हुआ है। फिलीपींस में 1.4 करोड़ लोगों की आबादी वाले मनीला में बीते शनिवार को अब तक का उच्चतम तापमान 101.8 डिग्री फारेनहाइट (38.8 सेल्सियस) दर्ज किया गया। बांग्लादेश, भारत, चीन में भी गर्मी रंग दिखा रही है।

बांग्लादेश में अप्रैल के आखिरी में गर्मी के कारण स्कूलों को बंद करना पड़ा। देश में तापमान 109.4 डिग्री (43 डिग्री सेल्सियस) तक पहुंच गया। मंगलवार को बांग्लादेश में उच्च तापमान 110.8 डिग्री (43.8 सेल्सियस) था। चीन के हालात भी अच्छे नहीं हैं। चीन के युन्नान प्रान्त में अप्रैल में देश का शीर्ष तापमान 110.1 डिग्री (43.4 सेल्सियस)रहा। हैनान प्रांत में तापमान 109 डिग्री (42.8 सेल्सियस) तक पहुंचा, जो हैनान के लिए अब तक का उच्चतम तापमान है।

भारत कई हिस्सों में भीषण गर्मी है। खासतौर से कोलकाता में अप्रैल की सबसे लंबी गर्मी की लहर महसूस की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 2 मई तक कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों के लिए अत्यधिक गर्मी के लिए कोड रेड घोषित किया। यहां तापमान औसत से लगभग 9 से 18 डिग्री (5 से 10 डिग्री) अधिक, 114.8 डिग्री (46 डिग्री सेल्सियस) तक पहुंचा है। जलवायु डेटा के विश्लेषण के अनुसार भारत 2030 तक उच्च तापमान के लिहाज से दुनिया का सबसे संवेदनशील देश होगा।

जापान, म्यांमार में भी गर्मी का हाहाकार

जापान में दक्षिण से उत्तर तक गर्मी के नए रिकॉर्ड बने हैं। लाओस में अप्रैल का राष्ट्रीय रिकॉर्ड शुक्रवार को बना, जब नगोन में तापमान 109.8 डिग्री (43.2 सेल्सियस) तक पहुंच गया। म्यांमार में पारा 114.8 डिग्री (46 डिग्री सेल्सियस) तक बढ़ गया है। फिलीपींस में मनीला खाड़ी के सांगली प्वाइंट पर भी न्यूनतम तापमान 86.4 डिग्री (30.2 सेल्सियस) दर्ज किया गया, जो देश के इतिहास में रात का सबसे ज्यादा तापमान है। ताप सूचकांक 110 डिग्री से अधिक होने के कारण स्कूल बंद कर दिए गए हैं। थाईलैंड में भी भीषण गर्मी देखी जा रही है।

एरिजोना विश्वविद्यालय में मौसम विज्ञान के प्रोफेसर किम वुड का कहना है कि इस गर्मी के पीछे की एक अहम वजह असामान्य रूप से समुद्र के पानी का गर्म होना है। उनका कहना है कि कुछ स्थानों पर गर्मी कुछ समय के लिए कम हो सकती है लेकिन औसत से ज्यादा तापमान बना रहेगा। मई के मध्य तक गर्मी और भी बढ़ सकती है।

पिछले चुनावों में मोदी के लिए वोट मांगने पर उद्धव ठाकरे ने मांगी माफी

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के इचलकरंजी में एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र को धोखा दिया है और वह पूर्व के चुनावों में पीएम नरेंद्र मोदी के लिए वोट मांगने को लेकर लोगों से माफी मांगते हैं।

उद्धव ठाकरे और महा विकास आघाडी (एमवीए) के उनके सहयोगी एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने हातकणंगले निर्वाचन क्षेत्र से शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार सत्यजीत पाटिल के समर्थन में पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के इचलकरंजी में एक रैली को संबोधित किया। 2022 में महाराष्ट्र में सरकार गिरने की परिस्थितियों का जिक्र करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इस पर अपना फैसला नहीं सुनाया कि असली शिवसेना किसकी है, बल्कि निर्वाचन आयोग और मध्यस्थ (महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर) ने अपना फैसला सुनाया, जो भाजपा के सेवक के रूप में काम कर रहे थे। ठाकरे उद्धव ने कहा कि जब कोई भी दल भाजपा से हाथ मिलाने को तैयार नहीं था, तब शिवसेना ने उसके साथ गठबंधन किया था।

उद्धव ठाकरे ने जून 2022 में अपनी सरकार के गिरने का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा ने एक ऐसे व्यक्ति की सरकार को गिरा दिया, जिसके परिवार ने उसे सब कुछ दिया था। उन्होंने कहा कि मैंने पहले हुए चुनावों में मोदी के लिए वोट मांगने को लेकर आपसे माफी मांगता हूं क्योंकि पीएम मोदी की सरकार ने महाराष्ट्र को धोखा दिया है। वहीं सभा को संबोधित करते हुए शरद पवार ने कहा कि पीएम मोदी महाराष्ट्र दौरे के दौरान राज्य के लिए अपनी योजनाओं के बारे में बोलने के बजाय केवल शरद पवार और उद्धव ठाकरे की आलोचना करते हैं।

बिहार की सियासत में बड़ा सवाल : पप्पू यादव कांग्रेस में है या नहीं?

पटना (एजेंसी)। चुनावी अखाड़े में अपनाए जाने वाले सियासी दांव पेंच कई बार बड़े रोचक भी होते हैं। बिहार में पूर्णिया सीट पर इन दिनों खूब चर्चा हो रही है। यहां से पप्पू यादव कांग्रेस के नेता हैं और निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। इस सीट पर आखिर तक गहमा-गहमी चलती रही। पप्पू चुनाव के अंतिम दिन तक कांग्रेस का समर्थन प्राप्त होने का दावा करते रहे।अब इस मामले में कांग्रेस ने अपना पल्ला झाड़ लिया है। कांग्रेस की ओर से पप्पू को लेकर चौंका देने वाली प्रतिक्रिया सामने आई है। कांग्रेस ने बुधवार को आधिकारिक तौर पर यह स्पष्ट कर दिया है कि पप्पू यादव ने कांग्रेस की सदस्यता और अपनी पार्टी का विलय नहीं किया है। पूर्णिया से चुनाव लड़ने वाले पप्पू यादव को लेकर पूछे गए सवाल पर कांग्रेस प्रवक्ता आलोक शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आधिकारिक जवाब दिया। पूर्णिया सीट महागठबंधन में राजद के खाते में चली गई थी। शर्मा ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि पप्पू ने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय किया है। उन्होंने पटना में सदस्यता पर्ची भी नहीं ली, जो बिहार से पार्टी में शामिल होने वाले किसी भी व्यक्ति को लेनी पड़ती है। बता दें कि एआईसीसी के बिहार प्रभारी मोहन प्रकाश और मीडिया व प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए पप्पू यादव का पार्टी में स्वागत किया और उनकी जन अधिकार पार्टी के विलय की घोषणा की। शर्मा ने कहा कि बहुत से लोग प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्नैक्स लेने आते हैं। मैं जो कहना चाह रहा हूं वह यह है कि प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। बता दें कि बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने यादव से नामांकन पत्र वापस लेने के लिए कहा था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि पार्टी अपने सदस्यों को स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लड़ने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, यह भी अनुमान लगाया गया था कि कांग्रेस पप्पू के लिए कोई भी रास्ता खोज सकती है। पप्पू यादव खुद को आखिरी सांस तक कांग्रेस, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा का सिपाही कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि दबंग सहयोगी राजद के दबाव में उन्हें कांग्रेस का टिकट नहीं दिया गया।

कैसरगंज से बेटे को टिकट मिलने पर गदगद हुए बृजभूषण शरण सिंह, पार्टी का किया धन्यवाद, टीएमसी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को कैसरगंज के मौजूदा सांसद बृजभूषण शरण सिंह, जिन पर महिला पहलवानों द्वारा यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है, को हटा दिया और उनके बेटे करण भूषण सिंह को टिकट दिया। पार्टी के फैसले में बृजभूषण शरण सिंह का कहीं ना कहीं दबदबा दिखा है। बेटे को टिकट मिलने पर बृजभूषण शरण सिंह गदगद हैं। बृज भूषण के छोटे बेटे करण भूषण उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष हैं। वह गोंडा जिले के नवाबगंज में सहकारी बैंक के अध्यक्ष भी हैं।

कैसरगंज लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार और पार्टी के सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करण भूषण सिंह ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में हनुमान गढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की। करण भूषण सिंह ने कहा कि मैं यहां बजरंगबली का आशीर्वाद लेने आया हूं। वह मेरे गुरु हैं। बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि मैं इसके लिए पार्टी को धन्यवाद देता हूं। कल नामांकन दाखिल किया जाएगा। इस बार ब्रज भूषण की सीट पर काफी सस्पेंस था क्योंकि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख, जो छह बार के सांसद भी हैं, पर देश के कुछ प्रतिष्ठित पहलवानों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

बृजभूषण शरण सिंह के बेटे को टिकट दिए जाने पर टीएमसी ने सवाल उठाया है। टीएमसी नेता सागरिका घोष ने कहा कि भाजपा ने बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करण सिंह को टिकट दिया है, यह शर्मनाक और अपमानजनक है। बृज भूषण शरण सिंह पर किसी और ने नहीं बल्कि भारत की ओलंपिक पदक विजेता महिला पहलवानों ने गंभीर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। उन पर पॉस्को एक्ट के तहत भी आरोप लगाया गया है। बृजभूषण शरण सिंह के बेटे को टिकट देना छद्म राजनीति के अलावा कुछ नहीं है. इससे पता चलता है कि बीजेपी बृजभूषण शरण सिंह द्वारा किए गए यौन उत्पीड़न की निंदा करने को तैयार नहीं है। भाजपा कहती है कि वह वंशवाद की राजनीति के खिलाफ है, तो यह वंशवाद की राजनीति के अलावा और क्या है?

छह बार सांसद रहे भूषण अपने राजनीतिक निर्वाचन क्षेत्र और उसके आसपास लगभग 50 निजी शैक्षणिक केंद्र भी चलाते हैं। वह लगभग एक दशक तक भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष रहे। सखी मलिक और बजरंग पुनिया समेत पहलवान भूषण के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर लंबे समय तक धरने पर बैठे रहे। कैसरगंज लोकसभा सीट पर लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होगा। 2019 में बृजभूषण को 5,81,358 वोट मिले। बसपा के चंद्रदेव राम यादव को 3.19 लाख से ज्यादा वोट मिले, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार विनय कुमार पांडे को 37,132 वोट मिले।

निकल गई हेकड़ी.... भारतीय पर्यटकों को लुभाने में जुटा मालदीव

नई दिल्ली (एजेंसी)। मालदीव में मोहम्मद मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के बाद से दोनों देशों में खटास आ गई है। मालदीव के तीन मंत्रियों ने पीएम मोदी को लेकर अभद्र टिप्पणी की जिसके बाद भारत में मालदीव बॉयकाट का ट्रेंड शुरु हो गया। मालदीव की इकोनॉमी में भारतीय पर्यटकों का बड़ा योगदान है। इसके बाद साल 2024 में मालदीव के अंदर भारतीय पर्यटकों की संख्या में गिरावट आने के बाद अब मालदीव परेशान दिख रहा है।

जिसके बाद मालदीव मार्केटिंग एंड पब्लिक रिलेशंस कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक फातिमथ तौफीक ने खुलासा किया है कि भारतीय पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए अब नए प्रयास शुरू किए हैं। मालदीव पर्यटन बोर्ड के एमडी ने बताया कि जैसे ही पर्यटन मंत्रालय ने साल 2024 में भारतीय पर्यटकों की संख्या में गिरावट देखी, उन्होंने भारतीय बाजार को आकर्षित करने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। मालदीव पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2021 से 2023 के बीच मालदीव में सबसे अधिक भारतीय पर्यटक पहुंचे, लेकिन विवाद के बाद भारतीय टूरिस्टों की रैंकिंग पहले से छठे स्थान पर खिसक गई है।

उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि अगर लंबे समय तक भारतीय टूरिस्ट मालदीव से दूरी बनाते हैं, मालदीव को बड़ा झटका लग सकता है। इस बीच फातिमाथ ने कहा कि हम भारतीय बाजार से पर्यटकों की आवक बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय पर्यटकों की आवक बढ़ाने के लिए सीजन से पहले भी अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके लिए मालदीव ने भारत सरकार से भी मदद मांगी है। भारतीय बाजार में मालदीव पर्यटन ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए कई एयरलाइंस के साथ मालदीव पर्यटन विभाग ने समझौता किया है। एमडी ने बताया कि वे इसतरह के अभियान चलाएंगे, जिससे पर्यटकों की संख्या बढ़ सके।

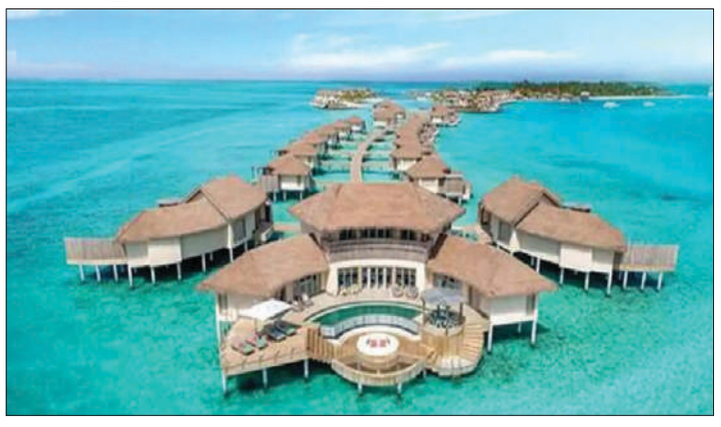

केकेआर और मुंबई इंडियंस का मुकाबला आज

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को मुंबई इंडियंस की टीम अपने घरेलू मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का मुकाबला करेगी। इस मैच में केकेआर जीत के साथ ही अपनी लय बरकरार रखने उतरेगी। केकेआर इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। केकेआर इस मैच में जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी और मजबूत करना चाहेगी। उसने इस सत्र में 9 मैच में से 6 में जीत दर्ज की है और उसके 12 अंक हैं। वहीं मुम्बई ने केवल तीन मैच जीते हैं और छह अंक ही होने के कारण वह प्लेऑफ से बाहर हो गयी है। मुम्बई की टीम अंकतालिका में 9वें स्थान पर है। केकेआर का लक्ष्य इस मैच में बड़ा स्कोर बनान रहेगा क्योंकि वानखेड़े स्टेडियम की पिच बल्लेबाजी की सहायक रही है। यहां जमकर चौके और छक्के भी लगते हैं। पिच पर अच्छी उछाल के कारण गेंद आसानी से बल्ले पर आती है। ऐसे में 200 रन का स्कोर भी यहां आराम से हासिल किया जा सकता है। इस मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में मुंबई ने 234 रन बनाये थे। ऐसे में इस मैच में बड़े स्कोर देखने को मिलेंगे। मुम्बई की टीम के बल्लेबाज अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। टीम के पास रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, इशान किशन और कप्तान हार्दिक पंड्या जैसे खिलाड़ी हैं पर टीम में निरंतरता की कमी है। गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह को छोड़कर कोई भी गेंदबाज प्रभावित नहीं कर पाया है। वहीं केकेआर के पास अंगकृष रघुवंशी, फिलिप साल्ट जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। वहीं सुनील नरेन जैसा ऑलराउंडर है। नरेन ने इस सत्र में जबरदस्त बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी की है, कप्तान श्रेयस अय्यर हालांकि अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। टीम के पास रिंक सिंह, आंद्रे रसेल जैसे हिटर हैं। पिछले मैच में हर्षित राणा ने काफी अच्छी गेंदबाजी की थी। कुल मिलाकर मैच रोमांचक होने की उम्मीद है।

टीम

मुंबई = हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, टिम डेविड, इशान किशन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, पीयूष चावला, श्रेयस गोपाल, अंशुल कंबोज, मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, रोमारियो शेफर्ड, तिलक वर्मा, जसप्रित बुमरा , गेराल्ड कोएत्जी, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, ल्यूक वुड, क्वेना मफाका।

केकेआर = श्रेयस अय्यर (कप्तान), श्रीकर भरत, मनीष पांडे, रहमानुल्लाह गुरबाज, रमनदीप सिंह, नितीश राणा, शेरफेन रदरफोर्ड, रिंकू सिंह, वेंकटेश अय्यर, सुनील नरेन, अनुकूल रॉय, आंद्रे रसेल, वैभव अरोड़ा, दुष्मंथा चमीरा, हर्षित राणा, मुजीब उर रहमान, चेतन सकारिया, मिशेल स्टार्क, सुयश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, साकिब हुसैन, अंगकृष रघुवंशी, फिलिप साल्ट।

आईपीएल 2024 : तेज गेंदबाज मयंक यादव शेष लीग मैचों से हो सकते हैं बाहर

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के तेज गेंदबाज मयंक यादव मंगलवार को मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ मैच के दौरान पेट में दर्द के कारण मैदान से बाहर चले गए। अब उनके आईपीएल 2024 के शेष लीग मैचों से बाहर होने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि उनके ठीक होने में पहले की अपेक्षा अधिक समय लगेगा।

सूत्र ने कहा, 'वह बुरी स्थिति में नहीं हैं, लेकिन शेष मैचों में उनकी भागीदारी संदेह में है, भले ही फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट के प्रमुख भाग के लिए उनकी सेवा सुरक्षित करना चाहती है। वह बुधवार को स्कैन के लिए गए और रिपोर्ट अभी भी आनी बाकी है। मेडिकल टीम ने कम से कम तीन सप्ताह के आराम का सुझाव दिया है, तभी वह पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे।'

मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने मंगलवार को एमआई के खिलाफ मैच के बाद मयंक की चोट पर अपडेट देते हुए कहा था, 'ऐसा लग रहा है कि उसे उसी जगह पर चोट लगी है, उसका रिहैब बिल्कुल सही रहा है, उसने पिछले कुछ हफ्तों में दर्द रहित गेंदबाजी की है, वह ठीक दिख रहा है। हम अच्छी स्थिति में हैं, स्कैन होगा और हमें कल पता चलेगा।'

सूत्रों ने दावा किया कि मयंक एमआई के खिलाफ मैच के लिए 'फिट नहीं थे', लेकिन तीन सप्ताह में पांच मैच मिस करने के बाद प्लेइंग इलेवन में लौट आए क्योंकि कप्तान केएल राहुल उन्हें चाहते थे।' 21 वर्षीय तेज गेंदबाज मंगलवार को हुए मुकाबले के दौरान शायद ही अपनी लय में दिखे क्योंकि उन्हें अपनी लैंथ से संघर्ष करना पड़ा और उन्होंने ज्यादातर फुलर गेंदें फेंकी और मोहम्मद नबी का विकेट लेने से पहले 3.1 रन देकर 31 रन दिए।

गौर हो कि इस तेज गेंदबाज ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ अपने पहले मैच में अपनी तेज गति से क्रिकेट जगत का ध्यान आकर्षित किया। दिल्ली के इस तेज गेंदबाज ने लगातार 145 से ऊपर गेंदबाजी की और 155.8 किमी/घंटा की शीर्ष गति के साथ 27 रन देकर 3 विकेट लिए। एलएसजी टूर्नामेंट का अपना आखिरी लीग मैच 17 मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलेगा।

प्लेऑफ के लिए दिल्ली , गुजरात और पंजाब की उम्मीदें शीर्ष पांच टीमों के परिणामों पर निर्भर

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में जहां मुम्बई इंडियंस और रायल चैलेंजर्स आरसीबी प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। वहीं तीन टीमों का प्लेऑफ में पहुंचना बचे हुए मैचों में जीत के साथ ही अन्य टीमों के परिणामों पर भी निर्भर करेगा। इसका कारण है कि ये तीन टीमें हैं दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग अब अपने-अपने सारे मैच जीत लें तो भी अधिकतम 16 अंक तक ही पहुंच सकती हैं। इस प्रकार से इन तीनों के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना तो बनी है पर ऐसा तभी होगा जब अंक तालिका की शीर्ष-5 में से कम से कम दो या तीन टीमें अपने ज्यादातर मैच हार जाएं। आईपीएल 2024 के लिए प्लेऑफ का वास्तविक मुकाबला इन पांच शीर्ष टीमों के बीच ही है। राजस्थान रॉयल्स अगर अपने बाकी बचे 5 मैचों में से एक भी जीत ले तो उसके 18 अंक हो जाएंगे। वहीं कोलकाता नाइटराइडर्स और लखनऊ सुपरजायंट्स के 12-12 अंक हो गये हैं। अगर ये दोनों टीमें अपने बाकी बचे 5 में से 3 मैच जीत जाएं तो भी आसानी से प्लेऑफ में पहुंच जाएंगी। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के अभी 9-9 मैचों में से 10-10 अंक हैं। ऐसे में इन दोनों टीमों के बीच ही प्लेऑफ की चौथी टीम के लिए कड़ी टक्कर होगी।

भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को तीसरे टी20 में हराया, 3-0 से सीरीज में बनाई अजेय बढ़त

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम को तीसरे टी20 मैच में 7 विकेट से रौंद दिया। इसके साथ ही भारतीय टीम ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। सिलहट में खेले गए मैच में मेजबान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 117 रन ही बनाए। जिसके जवाब में भारत ने शेफाली वर्मा (51) और स्मृति मंधाना (47) की पारियों की बदौलत 19वें ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

बता दें कि, बांग्लादेश के 118 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने शेफाली (51 रन, 38 गेंद, आठ चौके) के अर्धशतक और स्मृति मंधाना (47 रन, 42 गेंद, पांच चौके, एक छक्का) के साथ उनकी पहले विकेट 91 रन की साझेदारी की। इस साल टी20 महिला विश्व कप बांग्लादेश में ही होना है और इसलिए भारतीय टीम का यह प्रदर्शन काफी अहम है।

वहीं बांग्लादेश की टीम इससे पहले सलामी बल्लेबाज दिलारा अख्तर (25 गेंद में 39 रन) और कप्तान निगार सुल्ताना (28) की उम्दा पारियों के बावजूद 20 ओवर में आठ विकेट पर 117 रन ही बना सकी। भारत की ओर से राधा यादव ने 22 रन देकर दो विकेट चटकाए। रेणुका सिंह, पूजा वस्त्राकर और श्रेयंका पाटिल को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत को शेफाली और स्मृति ने तूफानी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 59 रन जोड़े।

स्मृति ने मारूफा अख्तर जबकि शेफाली ने फारिहा त्रिशना पर चौके से खाता खोला। शेफाली ने शोरिफा खातून का स्वागत तीन चौकों के साथ किया जबकि नाहिदा अख्तर पर भी लगातार तीन चौके मारे। शेफाली ने फाहिमा खातून की गेंद पर एक रन के साथ नौवां अर्धशतक पूरा किया लेकिन अगले ओवर में रितु मोनी को उन्हीं की गेंद पर कैच दे बैठीं। स्मृति ने राबेया पर पारी का पहला छक्का जड़ा लेकिन नाहिदा की गेंद पर फाहिमा के हाथों लपकी गई।

अगले साल भारत में होगी विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप : बीडब्ल्यूएफ

नई दिल्ली। विश्व जूनियर चैंपियनशिप अगले साल 2025 में भारत में होगी। इसका आयोजन गुवाहाटी में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में किया जाएगा। बैडमिंटन की वैश्विक संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) ने कहा कि करीब 15 साल बाद ये चैंपियनशिप भारत में होने जा रही है। इससे पहले साल 2008 में इसका आयोजन भारत में हुआ था। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, ''टीम और व्यक्तिगत दोनों स्पर्धाएं गुवाहाटी राष्ट्रीय

उत्कृष्टता केंद्र में आयोजित की जाएंगी।'' पिछली बार इन खेलों का आयोजन पुणे में हुआ था। वहीं इसको लेकर बीडब्ल्यूएफ के अध्यक्ष पॉल-एरिक होयर ने कहा, ''भारत में तेजी से बैडमिंटन में बेहतरीन प्रतिभाएं सामने आ रही हैं, ऐसे में विश्व जूनियर प्रतियोगिता का दूसरी बार भारत में आयोजनप और भी अहम है। '' उन्होंने कहा, ''बीएआई के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बैडमिंटन में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं है और ऐसे में यह उभरती हुई प्रतिभाओं के लिए टीम और व्यक्तिगत खिताब के लिए चुनौती पेश करने का बेहतरीन स्थान होगा।'' इस टूर्नामेंट की तारीखों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। वहीं बीडब्ल्यूएफ के थॉमस और उबेर कप फाइनल्स का अगला सत्र डेनमार्क के होर्सेन्स में होगा।

धोनी जैसे फिनिशर बन सकते हैं रिंकू : सिद्धू

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू का मानना है कि रिंकू सिंह एक बेहतरीन फिनिशर हैं और वह इस भूमिका में पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की जगह ले सकते हैं। धोनी के संन्यास के बाद से ही भारतीय टीम किसी अच्छे फिनिशर की तलाश में है और सिद्धू का मानना है कि ये रिंकू से पूरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि रिंकू इस मामले में टीम के लिए फायदेमंद साबित होंगे। रिंकू ने कुछ मैचों में भारतीय टीम के लिए अपनी प्रतिभा दिखाई है। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए वह फिनिशर की भूमिका निभा रहे हैं। रिंकू को इस सत्र में अब तक बल्लेबाजी कौशल दिखने का पूरा अवसर नहीं मिला है। सिद्धू ने कहा, रिंकू धोनी की जगह ले सकते हैं। वह दिग्गज खिलाड़ी की तरह खेल खत्म कर सकते हैं। रिंकू काफी प्रतिभाशाली है और मैदान के सभी हिस्सों में शॉट लगाने में सक्षम है। इसके साथ ही स्वभाव की बात करें तो वह धोनी की तरह ही वह शांत और तनावमुक्त रहता है। कठिन अवसरों पर भी बल्लेबाजी करते समय वह दबाव में नहीं आता और खुलकर बल्लेबाजी करता है। ऐसे में वह भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं और अवसर दिये जाने पर वह वह लंबे समय तक टीम के लिए फिनिशर की जिम्मेदारी निभा सकता है।

एफआईएच प्रो लीग : सविता की बजाय सलीमा टेटे को मिली महिला हॉकी टीम की कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडफील्डर सलीमा टेटे को अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया की जगह इस महीने के आखिर में होने वाले एफआईएच प्रो लीग के बेल्जियम और इंग्लैंड चरण के लिये भारत की 24 सदस्यीय महिला हॉकी टीम का कप्तान चुना गया है। नवनीत कौर को उपकप्तान बनाया गया है।

सलीमा ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, 'मुझे खुशी है कि टीम की कप्तानी दी गई है। यह बड़ी जिम्मेदारी है और मैं इसे लेकर उत्साहित हूं। हमारे पास मजबूत टीम है जिसमें अनुभवी और युवा खिलाड़ी हैं।% उन्होंने कहा, 'एफआईएच प्रो लीग के आगामी बेल्जियम और इंग्लैंड चरण में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। हमें अपनी कमजोरियों से पार पाना है।'

सविता ओलंपिक क्वालीफायर और उसके बाद प्रो लीग मैचों में भारत की कप्तान रही थी। बेल्जियम में मैच 22 से 26 मई तक और इंग्लैंड में एक से नौ जून तक होंगे। भारत का सामना पहले चरण में दो बार अर्जेंटीना और बेल्जियम से होगा। लंदन चरण में टीम ब्रिटेन और जर्मनी से खेलेगी। भारत इस समय प्रो लीग तालिका में छठे स्थान पर है। सलीमा को हाल ही में हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कारों में बलबीर सिंह सीनियर वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार मिला था।

भारतीय महिला टीम

गोलकीपर: सविता, बिछू देवी खारीबाम

डिफेंडर : निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, मोनिका, ज्योति छत्री, महिमा चौधरी

मिडफील्डर: सलीमा टेटे (कप्तान), वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नवनीत कौर, नेहा, ज्योति, बलजीत कौर, मनीषा चौहान, लालरेम्सियामी

फॉरवर्ड : मुमताज खान, संगीता कुमारी, दीपिका, शर्मिला देवी, प्रीति दुबे, वंदना कटारिया, सुनेलिता टोप्पो, दीपिका सोरेंग

पाकिस्तान ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के लिए घोषित की टीम

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 10 मई से आयरलैंड और 22 मई से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 मुकाबलों के लिए टीम घोषित कर दी है। इसमें टीम की कप्तानी बाबर आजम करेंगे। वहीं तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को टीम में शामिल किया गया है पर लेग स्पिनर उसामा मीर को को बाहर कर दिया गया है। चयनसमिति के अनुसार टी20 विश्वकप के लिए इन दोनो ही सीरीजों में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर होगी। पाक टीम आयरलैंड में तीन मैचों की सीरीज 10 मई से और इंग्लैंड के खिलाफ चार मैचों की सीरीज 22 मई से खेलेगी। रज्जाक ने कहा कि टीम में पहले से ही शादाब खान और अबरार अहमद जैसे स्पिनर हैं इसलिए उसामा को जगह नहीं मिली है।

पाकिस्तानी टीम इस प्रकार है- बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, आजम खान, सईम अयूब, फखर जमां, इफ्तिखार अहमद, इरफान खान नियाजी, अबरार अहमद, हसन अली, हारिस रऊफ , शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद आमिर, इमाद वसीम, नसीम शाह, शादाब खान, उस्मान खान, अब्बास अफरीदी और आगा अली सलमान।

चार भारतीय एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली । भारतीय मुक्केबाजों मादेंगबाम जादुमणि सिंह, निखिल, अजय कुमार और अंकुश ने गुरुवार को अपने-अपने मुकाबले जीतकर एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के पुरुष अंडर-22 सेमीफाइनल में जगह बनाई। जादुमणि ने 51 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में भूटान के फुंटशो किनले को 5-0 से हराकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। निखिल (57 किग्रा) ने भी इसी तरह का दबदबा बनाया और उज्बेकिस्तान के बख्तियोरोव अयूबखोन को 4-0 से शिकस्त दी। अजय (63.5 किग्रा) और अंकुश (71 किग्रा) ने रेफरी के मुकाबले रोकने (आरएससी) पर अपने-अपने मुकाबले जीते। अजय ने मंगोलिया के दमदिंडोरज पी के खिलाफ पहले दौर में ही मुकाबला जीत लिया जबकि अंकुश ने कोरिया के ली जू सांग के खिलाफ तीसरे दौर में जीत दर्ज की। आशीष हालांकि पुरुषों के 54 किग्रा क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया के ओयुन एर्डेन ई के खिलाफ 2-3 से हार गए। बुधवार देर रात आर्यन (92 किग्रा), निशा (52 किग्रा), आकांक्षा फलसवाल (70 किग्रा) और रुद्रिका (75 किग्रा) ने युवा वर्ग में अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीते।

बेहद मजबूत है भारत की टीम-20 टीम : कुमार संगकारा

स्पोर्ट्स डेस्क। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने आगामी टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम की सराहना की और इसे 'बेहद मजबूत' दस्ता बताया। भारत अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत 05 जून 2024 को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ करेगा, इसके बाद 09 जून को उसी स्थान पर पाकिस्तान के खिलाफ अहम मुकाबला होगा। इसके बाद भारत क्रमशः 12 और 15 जून को अमेरिका और कनाडा से खेलेगा।

आईपीएल 24 में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के मैच से पहले प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में संगकारा ने कहा कि टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए मेन इन ब्लू की टीम में 'उच्च गुणवत्ता वाला' स्पिन आक्रमण है। संगकारा ने कहा, 'यह बेहद मजबूत टीम है। उनके पास बल्लेबाजी है, उनके पास हरफनमौला खिलाड़ी हैं, उनके पास बहुत उच्च गुणवत्ता वाली स्पिन है और उनके पास बहुत अच्छा संयोजन है जिसे वे खेल सकते हैं।'

पूर्व श्रीलंकाई विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कहा कि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारत के पास आगामी आईसीसी आयोजन के लिए 'अच्छी तरह से संतुलित' टीम है। संगकारा ने यह भी बताया कि भारत अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में हमेशा मजबूत रहा है।

उन्होंने कहा, 'वहां की परिस्थितियों को जानने के बाद मुझे यकीन है कि राहुल (द्रविड़) और रोहित (शर्मा) को इस बात का अच्छा अंदाजा है कि विश्व कप में अपनी इच्छानुसार क्रिकेट खेलने के लिए टीम कैसी होनी चाहिए। उनके पास दो या तीन अलग-अलग खिलाड़ी होंगे। संयोजन, यह इस पर निर्भर करता है कि वे गहरी बल्लेबाजी लाइन-अप चाहते हैं या अपनी गेंदबाजी में अधिक ताकत चाहते हैं, लेकिन यह वास्तव में एक अच्छी तरह से संतुलित, बहुत मजबूत टीम है और भारत हमेशा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में बहुत मजबूत रहा है।'

भारत ने ऋषभ पंत और संजू सैमसन सहित दो विकेटकीपरों को अपनी टीम में शामिल किया है। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, जो मौजूदा आईपीएल 2024 में रनों का अंबार लगा रहे हैं, को भी टीम में शामिल किया गया है। रिजर्व खिलाड़ियों के रूप में शुबमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और अवेश खान को रखा गया है। भारत को आईसीसी टूर्नामेंट के ग्रुप ए में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और सह-मेजबान अमेरिका के साथ रखा गया है।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल , अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज

महानायक अमिताभ बच्चन ने बढ़ाया भारतीय क्रिकेट टीम का हौसला

मुम्बई । आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए महानायक अमिताभ बच्चन ने भारतीय टीम का हौसला बढ़ाया है। अमिताभ ने अपनी आने वाली फिल्म कल्कि के अश्वत्थामा के किरदार में भारतीय खिलाड़ियों को संदेश दिया है। अमिताभ के ये विशेष संदेश वाली वीडियो नाग अश्विन की फिल्म कल्कि 2898 एडी के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से साझा किया गया है। इस वीडियो की शुरुआत में अमिताभ कह रहे हैं, ये महायुद्ध है, अब हो जा तू तैयार। अब बन जा वीर, बुलंद कर अपनी तकदीर, दिखा दम, लगा दम। अमिताभ बच्चन जैसे-जैसे कविता पढ़ रहे हैं, वीडियो में बैकग्राउंड में कल्कि 2898 एडी का म्यूजिक चल रहा है। साथ ही, इस वीडियो में भारतीय टीम के खिलाड़ी कप्तान शर्मा, विराट कोहली, और हार्दिक पांडेया के साथ-साथ वीडियो में पूर्व क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी, और हरभजन सिंह भी नजर आ रहे हैं। अमिताभ की फिल्म कल्कि 2898 एडी जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में अमिताभ अश्वत्थामा का किरदार निभा रहे हैं।

इंडिगो ने आईजीआई एयरपोर्ट पर दिव्यांग यात्रियों के लिए शुरू की विशेष सुविधा

नई दिल्ली । इंडिगो एयरलाइन दिव्यांग यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 पर खासतौर से नया चेकिंग काउंटर शुरू किया गया है जो दिव्यांग यात्रियों की सहूलियत को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट की टर्मिनल 1 पर इंडिगो ने स्पेशली एबल्ड एयरलाइन स्टाफ को भी तैनात किया है। ये स्टाफ भी स्पेशली एबल्ड है, ताकि दिव्यांग यात्री सहज महसूस कर सकें। वहीं किसी तरह की परेशानी होने पर उनकी मदद की जा सके। इंडिगो में स्पेशली एबल्ड एयरलाइन स्टाफ वर्तमान में 20 है, जिसे आने वाले समय में आवश्यकता के आधार पर बढ़ाया जा सकता है। गौरतलब है कि सभी यात्रियों को किफायती, समय पर, परेशानी रहित यात्रा अनुभव देने के लिए ये शुरुआत की गई है। एयरलाइन ने दिव्यांगों की सहूलियत को ध्यान में रखकर इसकी शुरुआत की है। वहीं बा दें कि इंडिगो ऐसी एयरलाइन है जहां सुविधाएं, प्रौद्योगिकी, जानकारी, विशेषाधिकार विकलांग व्यक्ति के लिए सुलभ बनाए गए है। बता दे की इंडिगो की कोशिश है कि इंडिगो एयरलाइंस यात्रा करने के दौरान यात्रियों को किफायती, परेशानी मुक्त सफर समय पर मिल सके।इसके लिए इंडिगो ने केबिन क्रू सदस्यों को कैरी ऑन और सहायक उपकरणों के संबंध में स्पेशल ट्रेनिंग दी है। दिव्यांग यात्रियों की सहायता करने के लिए अतिरिक्त ग्रैब बार वाले टॉयलेट भी लगाए गए हैं।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों और खरीदारी से बाजार की शुरुआत अच्छी रही पर बाद में आये दबाव से ये सीमित दायरे में पहुंच गया। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप 0.9 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.29 फीसदी पर बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 128.33 अंक करीब 0.17 फीसदी बढ़कर 74,611.11 अंक पर बंद हुआ। दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी भी 43.35 अंक तकरीबन 0.19 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ।

वहीं गत दिवस महाराष्ट्र दिवस पर बाजार बंद था जबकि इसके पहले मंगलवार को बाजार सुबह उपर आया पर दिन के अंत में में बढ़त गंवाकर गिरावट के साथ बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह विश्व भर के बाजारों से` मिले अच्छे संकेतों की वजह से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 150 अंक बढ़कर 74,639 पर और एनएसई निफ्टी-50 41 अंक बढ़कर 22,646 पर पहुंच गया। टाटा मोटर्स, एमएंडएम, रिलायंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक ने सेंसेक्स पर बढ़त हासिल की, जबकि एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, एचयूएल और एक्सिस बैंक लाल निशान में कारोबार कर रहे थे!

ऐ शियाई बाजारों में भी गुरुवार को गिरावट के साथ कारोबार हुआ। गुरुवार की सुबह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दो दिवसीय बैठक के बाद ब्याज दरों को अपरिवर्तित बनाए रखने के फैसले के बाद ज्यादातर एशियाई बाजारों में ये गिरावट आई। जापान का निक्की 225 0.29 फीसदी नीचे था, जबकि व्यापक आधारित टॉपिक्स सूचकांक 0.11 फीसदी गिरा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.08 फीसदी की गिरावट के साथ लगभग सपाट कारोबार कर रहा था।

अमेरिकी बेंचमार्क सूचकांक जो पिछले कारोबारी सत्र में 2 फीसदी तक गिर गए थे, यूएस फेड बैठक के परिणाम के बाद मिश्रित नोट पर समाप्त हुए। डॉव में 0.23 फीसदी की वृद्धि के साथ 87.37 अंक की बढ़त हुई जबकि एसएंडपी 500 में 0.34 फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट में 0.33 फीसदी की गिरावट रही।

रियल एस्टेट खंड में निवेश बढ़कर 5,743 करोड़ हुआ

- पिछले साल से 3 गुना बढ़ गया निवेश

नई दिल्ली ।

आवासीय रियल एस्टेट खंड में निवेश मार्च तिमाही में तीन गुना से अधिक होकर 5,743 करोड़ रुपये हो गया। एक रियल एस्टेट परामर्श कंपनी के अनुसार यह रियल एस्टेट क्षेत्र में कुल प्रवाह का 63 प्रतिशत है। बुधवार को जारी पूंजी बाजार की एक रिपोर्ट में कहा गया कि मार्च तिमाही के दौरान रियल एस्टेट में निवेश बढ़कर 9,124 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल समान अवधि में 8,830 करोड़ रुपये था।

रिपोर्ट के अनुसार कुल निवेश में से आवासीय खंड में निवेश बढ़कर 5,743 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल समान तिमाही में 1,735 करोड़ रुपये था। कार्यालय संपत्तियों में निवेश मामूली बढ़कर` वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 2,248 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 2,180 करोड़ रुपये था हालांकि, मिश्रित उपयोग वाली परियोजनाओं में निवेश मार्च तिमाही में घटकर 865 करोड़ रुपये रह गया, पिछले साल समान तिमाही में 1,645 करोड़ रुपये था। औद्योगिक और लॉजिस्टिक खंड में भी मार्च तिमाही में 268 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो पिछले साल की समान तिमाही में 2,170 करोड़ रुपये था। होटल परियोजनाओं में निवेशकों ने समीक्षाधीन तिमाही में कोई रुचि नहीं दिखाई। हालांकि पिछले साल समान तिमाही में इस खंड में 1,100 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

दबाव के बावजूद रूस से तेल खरीदकर मोदी सरकार ने बचाए करोड़ों रुपये

नई दिल्ली ।

पश्चिमी दबाव के बावजूद रूस से सस्ता तेल खरीदना जारी रखने की भारत की रणनीति के परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2022-23 के पहले 11 महीनों के दौरान देश के तेल आयात बिल में करीब 7.9 अरब डॉलर की बचत हुई है। इससे देश को चालू खाता घाटा कम करने में भी मदद मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार मॉस्को के खिलाफ पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद रूस के साथ अपने संबंध बनाए रखने के लिए दृढ़ है। केप्लर और एलएसईजी द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, इस साल अप्रैल के दौरान भारत ने एक महीने पहले की तुलना में अधिक रूसी तेल का आयात किया, लेकिन इराक और सऊदी अरब से कम आयात किया।

आंकड़ों से साफ होता है कि अप्रैल के दौरान आयात 13-17 प्रतिशत बढ़ गया। अप्रैल में रूस भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता रहा, उसके बाद इराक और सऊदी अरब का नंबर आया। आंकड़ों से पता चलता है कि इराक से तेल आयात में 20-23 प्रतिशत की गिरावट आई है। चूंकि भारत दुनिया में कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा आयातक है, रूसी तेल की इन बड़ी खरीद ने विश्व बाजार में कीमतों को अधिक उचित स्तर पर रखने में मदद की है, जिससे अन्य देशों को भी लाभ हुआ है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा संकलित आंकड़ों से पता चलता है कि मात्रा के संदर्भ में वित्तवर्ष 2024 के 11 महीनों में रूस से आयातित कच्चे पेट्रोलियम की हिस्सेदारी वित्तवर्ष 2022 में 2 प्रतिशत से बढ़कर 36 प्रतिशत हो गई, जबकि पश्चिम एशियाई देशों (सऊदी अरब) से संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत) 34 प्रतिशत से घटकर 23 प्रतिशत पर आ गया। रूसी तेल पर छूट से तेल आयात बिल में भारी बचत हुई।

रिपोर्ट के अनुसार, रूस से आयात का अनुमानित इकाई मूल्य वित्तवर्ष 2023 और वित्तवर्ष 2024 के 11 महीनों में पश्चिम एशिया से संबंधित स्तरों की तुलना में क्रमशः 16.4 प्रतिशत और 15.6 प्रतिशत कम था।

डीजीसीए ने गो फर्स्ट के 54 विमानों का रजिस्ट्रेशन कैंसिल किया

दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद लिया गया फैसला

मुंबई ।

एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए ने गो फर्स्ट एयरलाइन के सभी 54 विमानों का रजिस्ट्रेशन कैंसिल कर दिया है। इससे पट्टेदारों को राहत मिली है। हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट ने एयरलाइन के 54 विमानों का रजिस्ट्रेशन कैंसिल करने का आदेश दिया था। पिछले शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद ये फैसला ` लिया गया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने आदेश दिया था कि रजिस्ट्रेशन कैंसिलेशन को पांच कार्ये दिवस के भीतर करना है। इससे अटके हुए विमानों से संबंधित तमाम अन्य मुद्दों पर पट्टेदारों को राहत प्रदान करने की जरूरत बताई गई थी। दिल्ली हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति तारा वितस्ता गंजू ने पिछले शुक्रवार को पट्टेदारों को लंबे समय से खड़े विमानों को लेकर रखरखाव की मंजूरी दे दी थी। बशर्ते उन्हें भारतीय कानून के अनुसार डी-रजिस्टर और निर्यात नहीं कर दिया जाता। कोर्ट ने कहा था, प्रतिवादी डीजीसीए और भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) याचिकाकर्ता पट्टेदारों की सहायता करेंगे और उन्हें हवाई अड्डों तक पहुंच प्रदान करेंगे। गो एयर और एयरलाइन के रेजोल्यूशन प्रफेशनल्स (आरपी) को किसी भी विमान तक पहुंचने, उसमें प्रवेश करने या उसे संचालित करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। साथ ही विमान से सहायक उपकरण, स्पेयर पार्ट्स, दस्तावेज और रिकॉर्ड को हटाने, बदलने से भी रोक दिया गया है। टाटा की एयर इंडिया और वित्तीय रूप से मजबूत इंडिगो दोनों ने लगभग 15 एयरबस ए320 फैमिली प्लेन्स को खरीदने के लिए पट्टादाताओं से संपर्क किया है। उन्हें अपेक्षाकृत जल्दी उड़ान भरने योग्य बनाया जा सकता है। बाकी विमानों को प्रैट एंड व्हिटनी से अपने खराब इंजन, पुर्जों के रिप्लेसमेंट के लिए प्रतीक्षा करनी होगी। वह कई महीनों से इंडिगो को उन्हें उपलब्ध कराने में असमर्थ है। इसके चलते इंडिगो के 75 से अधिक विमान खड़े हैं। गौरतलब है ` कि गो फर्स्ट एयरलाइन ने पिछले साल 2 मई, 2023 को परिचालन बंद कर दिया था और कंपनी जमीन पर आ गई थी।

जिंदल स्टेनलैस उत्पादन क्षमता बढ़ाने 5,400 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली । जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) 5,400 करोड़ रुपये का निवेश कर अपनी उत्पादन क्षमता को 42 लाख टन सालाना तक बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह निवेश अगले दो साल के दौरान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लगभग 90 प्रतिशत निवेश आंतरिक स्रोतों से आएगा। निवेश योजना का ब्योरा साझा करते हुए जिंदल ने कहा कि इससे कंपनी की धातु पिघलाने की क्षमता 700 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के कारण 40 प्रतिशत बढ़कर 42 लाख टन प्रति वर्ष हो जाएगी। दूसरा, कंपनी ने ओडिशा के जाजपुर में अपने संयंत्र में डाउनस्ट्रीम लाइनों के विस्तार के लिए लगभग 1,900 करोड़ रुपये अलग रखे हैं। इसके अलावा कंपनी ने रेलवे साइडिंग, टिकाऊपन से संबंधित परियोजनाओं और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन जैसी अवसंरचना सुविधाओं के संबंधित उन्नयन के लिए लगभग 1,450 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं। साथ ही कंपनी क्रोमेनी स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड (सीएसपीएल) में 54 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी।

सीसीआई ने अधिवक्ताओं, विधि कंपनियों से मांगे आवेदन

नई दिल्ली । विभिन्न अदालतों और न्यायाधिकरणों के सामने निष्पक्ष व्यापार का प्रति निधित्व करने के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने अधिवक्ताओं और विधि कंपनियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। कानून फर्मों से जुड़े और अदालतों में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ता दोनों ही आयोग के विधिक पैनल में शामिल होने के लिए पात्र हैं। पैनल में शामिल होने के लिए आवेदन एक मई से 31 मई तक किए जा सकते हैं। नियामक ने एक नोटिस में कहा है कि विभिन्न न्यायालयों और न्यायाधिकरणों के समक्ष आयोग और महानिदेशक का प्रतिनिधित्व करने के लिए अधिवक्ताओं, कानून फर्मों का एक पैनल का गठन किया जा रहा है। विधि फर्म और प्रैक्टिस करने वाले वकील इस पैनल में शामिल होने के लिए पात्र हैं। पैनल में शामिल होने के इच्छुक अधिवक्ताओं और विधि फर्मों के लिए योग्यता, अनुभव, शुल्क, नियम, शर्तें और आवेदन प्रारूप से संबंधित दिशानिर्देश प्रतिस्पर्धा आयोग की वेबसाइट से प्राप्त किए जा सकते हैं।

विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक अप्रैल में घटकर 58.8 हुआ

नई दिल्ली । भारत के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधि अप्रैल में सुस्त रही, लेकिन फिर भी परिचालन स्थितियों में साढ़े तीन साल में दूसरा सबसे तेज सुधार दर्ज किया गया जिसे बढ़ती मांग का समर्थन मिला। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अप्रैल में घटकर 58.8 हो गया जो मार्च में 59.1 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। एचएसबीसी के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि मजबूत मांग की स्थिति के कारण उत्पादन में और वृद्धि हुई, हालांकि मार्च की तुलना में यह वृद्धि थोड़ी धीमी रही। रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय विनिर्माताओं ने अप्रैल में घरेलू और बाहरी ग्राहकों से अपने माल की मजबूत मांग की सूचना दी। कुल नए ठेके में तेजी से वृद्धि हुई है और विस्तार की गति 2021 की शुरुआत के बाद से दूसरी सबसे मजबूत रही। इसके अलावा अप्रैल में नए निर्यात ठेकों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। यद्यपि कुल बिक्री की तुलना में यह वृद्धि धीमी रही, जिससे पता चलता है कि घरेलू बाजार वृद्धि का मुख्य चालक बना रहा। सामग्री और श्रम लागत में वृद्धि की खबरों के बीच भारतीय विनिर्माताओं ने अप्रैल में अपने विक्रय मूल्यों में वृद्धि की। उन्होंने कहा कि हालांकि, कंपनियों ने उत्पादन शुल्क बढ़ाकर इस वृद्धि का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल दिया, क्योंकि मांग मजबूत बनी रही जिसके परिणामस्वरूप मुनाफे में सुधार हुआ।

मारुति सुजुकी ने अप्रैल में बेचीं 1.68 लाख कारें

नई दिल्ली ।

देश की वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की अप्रैल महीने में कुल बिक्री 4.7 प्रतिशत बढ़कर 1,68,089 इकाई रही। कंपनी ने अप्रैल, 2023 में 1,60,529 वाहन बेचे थे। मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा` कि घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की कुल बिक्री 1,37,952 इकाई रही, जबकि एक साल पहले समान अवधि में यह 1,37,320 इकाई थी। ऑल्टो और एस-प्रेसो सहित छोटी कारों की बिक्री अप्रैल, 2023 के 14,110 इकाई की तुलना में घटकर पिछले महीने 11,519 इकाई रह गई। बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट, टूर एस और वैगनआर सहित कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री भी पिछले महीने घटकर 56,953 इकाई रह गई, जो पिछले साल अप्रैल में 74,935 इकाई थी। ब्रेज़ा, एर्टिगा, एस-क्रॉस और एक्सएल6 जैसे यूटिलिटी वाहनों की बिक्री पिछले महीने 56,553 इकाई रही, जबकि अप्रैल, 2023 में यह 36,754 इकाई थी। अप्रैल में वैन की बिक्री 12,060 इकाई रही, जबकि एक साल पहले यह 10,504 इकाई थी।

हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी की बिक्री अप्रैल, 2023 के 2,199 इकाई से पिछले महीने बढ़कर 2,496 इकाई हो गई। एमएसआई के अनुसार, पिछले महीने उसका निर्यात 22,160 इकाई रहा, जबकि पिछले साल अप्रैल में यह 16,971 इकाई रहा था।

कच्चे तेल में गिरावट, पेट्रोल-डीजल स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में पहले के मुकाबले कुछ गिरावट देखी गई है। ब्रेंट क्रूड की कीमत घटकर 84 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर है। वै श्विक बाजार में हफ्ते के चौथे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 83.88 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 79.43 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

कर्ज संकट का सामना करने रहे अनिल अंबानी की तीन कंपनियां खरीद सकती है आइआईएचएल

मुंबई ।

भारी कर्ज संकट का सामना कर रहे उद्योगपति अनिल अंबानी के हाथ से एक साथ तीन कंपनियां निकल सकती हैं। बताया जा रहा है` कि हिंदूजा ग्रुप की कंपनी इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) रिलायंस कैपिटल की तीन बीमा कंपनियों को खरीदने की तैयारी में है।

सूत्रों के मुताबिक इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (आईआरडीएआई) अगले कुछ दिनों में इसे हरी झंडी दे सकता है। रेगुलेटर का मानना है कि रिलायंस कैपिटल एक बड़ी गैर-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी है, बैंकरप्सी प्रॉसीडिंग में उलझ गई है और इसे कोर्ट द्वारा निर्धारित समयसीमा के भीतर बंद किया जाना चाहिए।

पिछले हफ्ते कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स ने आईआईएचएल को 27 मई की समयसीमा तक यह प्रक्रिया पूरी करने को कहा था। हालांकि कंपनी ने बैंकों को बताया था कि आईआरडीएआई की मंजूरी के बिना वह लेनदेन को पूरा नहीं कर पाएगी। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने रिलायंस कैपिटल के लिए आईआईएचएल की 9,650 करोड़ की समाधान योजना को 27 फरवरी को अपनी मंजूरी दी थी। एनसीएलटी ने आईआईएचएल को 90 दिनों की अवधि के भीतर यह सौदा पूरा करने का निर्देश दिया था। मार्च में एडमिनिस्ट्रेटर को लिखे पत्र में आईआरडीएआई ने इस डील के बारे में अपनी आपत्तियां व्यक्त की थीं। रेगुलेटर ने आईआईएचएल के डाइवर्स शेयरहोल्डिंग स्ट्रक्चर पर सवाल उठाया था जिसमें किसी के भी पास 10 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी नहीं है। आईआरडीएआई ने आईआईएचएल के शेयरधारकों के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी थी। एक सूत्र ने बताया कि आईआईएचएल ने आईआरडीएआई के सभी सवालों का समाधान कर दिया है और उम्मीद है कि रेगलुटेर जल्दी इसे मंजूरी दे देगा।

फेड ने प्रमुख दरों में नहीं किया है कोई बदलाव

मुंबई ।

फेडरल रिजर्व ने प्रमुख दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। फेडरल रिजर्व के मुताबिक महंगाई में अनुमान के मुताबिक बदलाव न दिखने की वजह से दरों को स्थिर रखा गया है। फेडरल रिजर्व ने बैठक के बाद जारी स्टेटमेंट में कहा कि फेडरल ओपन मार्केट कमेटी को लगता है कि जब तक इस बात का भरोसा नहीं मिल जाता कि महंगाई दर 2 फीसदी के तय लक्ष्य की ओर स्थिरता के साथ बढ़ रही है तब तक दरों में कटौती करना सही नहीं होगा। फेडरल रिजर्व के मुताबिक साल 2024 के शुरुआती महीनों में ऐसे बहुत कम संकेत मिले हैं जिनसे इस बात का भरोसा मिले की महंगाई दर काबू में आ रही है। ये लगातार छठी बार रहा है जब फेडरल रिजर्व ने दरों को स्थिर रखा है। दरें फिलहाल 5.25 से 5.5 फीसदी के स्तर पर स्थिर बनी हुई हैं। इसके साथ ही ब्याज दरें 23 साल के उच्चतम स्तर पर बनी हुई हैं। इससे पहले बढ़ती महंगाई पर लगाम लगाने के लिए फेडरल रिजर्व ने मार्च 2022 से दरों में बढ़ोतरी शुरू की थी और जुलाई 2023 तक दरों में 5.25 फीसदी की बढ़त की थी। जुलाई 2023 से फेडरल रिजर्व ने दरों में कोई बदलाव नहीं किया है।

अडाणी पावर के राजस्व में 37 प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई ।

अडाणी पावर ने वित्तवर्ष 2024 के लिए राजस्व में 37 प्रतिशत की वृद्धि (साल-दर-साल) 50,960 करोड़ रुपये दर्ज की, जबकि कमाई (ईबीआईटीडीए) दोगुना से अधिक बढ़कर 18,789 करोड़ रुपये हो गई। वित्तवर्ष 2024 के लिए कर पूर्व समेकित लाभ (पीबीटी) पिछले वित्तवर्ष के 7,675 करोड़ रुपये की तुलना में दोगुना से अधिक 20,792 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने कहा, चौथी तिमाही के लिए राजस्व 29 प्रतिशत बढ़कर 13,787 करोड़ रुपये (सालाना) हुआ और कमाई (ईबीआईटीडीए) से अधिक बढ़कर 5,273 करोड़ रुपये हो गया।

जनवरी-मार्च अवधि के लिए कर पूर्व समेकित लाभ वित्तवर्ष 23 की चौथी तिमाही में 898 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग चार गुना बढ़कर 3,558 करोड़ रुपये हो गया। अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने कहा कि जैसे-जैसे भारत अधिक टिकाऊ ऊर्जा भविष्य की ओर बढ़ रहा है, अडाणी कंपनियों का पोर्टफोलियो देश की आर्थिक वृद्धि का समर्थन करने और उसकी आकांक्षाओं को साकार करने में मदद करने के लिए नवीन, विश्वसनीय और स्केलेबल समाधान प्रदान करना जारी रखेगा।

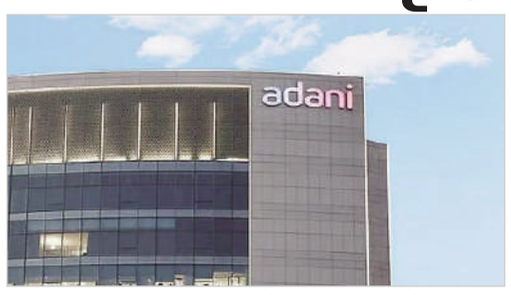

चौथी तिमाही के साथ-साथ वित्तवर्ष 24 के दौरान, मुंद्रा, नए चालू हुए गोड्डा प्लांट, उडुपी और महान के नेतृत्व वाले लगभग सभी संयंत्रों द्वारा उच्च मात्रा में योगदान दिया गया। कंपनी ने कहा कि पूरे भारत में बिजली की बढ़ती मांग के कारण घरेलू बिजली की बिक्री जारी रही और आयातित कोयले व वैकल्पिक ईंधन की गिरती कीमतों से बिजली खरीद समझौते (पीपीए) के तहत उठान को और समर्थन मिला।

अदाणी पावर लिमिटेड के सीईओ, एस.बी.ख्यालिया ने कहा, अदाणी पावर ने अपनी मूल शक्तियों का प्रदर्शन करते हुए एक और उत्कृष्ट तिमाही दर्ज की है, जिसमें एक वर्ष में असाधारण परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन रहा है, जो इसकी ठोस रणनीति और परिचालन उत्कृष्टता का एक उपयुक्त प्रमाण है। बिजली की मांग में सुधार, कम आयातित कोयले की कीमतों और बड़ी स्थापित क्षमता के कारण वित्तवर्ष 2024 में समेकित बिजली बिक्री की मात्रा 79.3 अरब यूनिट थी, जो वित्तवर्ष 23 में 53.4 अरब यूनिट से 48 प्रतिशत अधिक थी।

मतदातामन के मतदान ले प्रेरित करेक यवामनक कर्तब्य : डॉ मकन्द

□ मतदाता जागरुकता के लेइ के एनएसएस कर स्वयंसेवकमन निकलालयं प्रभात फेरी

सोनू सपवार, रांची

रांची विश्वविद्यालय कर एनएसएस इकाई कर सघन मतदाता जागरुकता अभियान (2.0) कर तहत रांची कर मोरहाबादी इस्थित ऑक्सीजन पार्क जगन हस्ताछर अभियान चलाल गेलक। प्रभात फेरी कर आयोजन आरयू कर बेसिक साइंस बिल्डिंग परिसर से करल गेलक। एनएसएस कर कार्जक्रम समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार इकर अध्यछता करलयं। प्रभात फेरी कार्जक्रम कर मुख गोतिया आरयू कर कुलानुसासक डॉ मुकुन्द चंद्र मेहता कहलयं कि युवामन कर संगे आम मतदातामन के जागरूक करते मतदान ले प्रेरित करेक जरुरी हेके। ऊ कहलयं कि 'चुनाव का पर्व देश का गर्व' सही मायने में तभे सार्थक होवी, जब सउब अदमी इके आत्मसात कइर के निश्चित रूप से मतदान करयं। चुनाव के परब कर रूप में लेवयं।

प्रभात फेरी के आरयू कर कुलानुसासक डॉ मेहता आउर आरयू कर एनएसएस कर कार्जक्रम समन्वयक डॉ कुमार हरी झंडी दिखाए के रवाना करलयं। प्रभात फेरी आरयू कर बेसिक साइंस बिल्डिंग परिसर से निकइल के डीएसपीएमयू, केंद्रीय पुस्तकालय, ऑक्सिजन पार्क, मान्या पैलेस, होटल पार्क प्राइम, बिरसा मुंडा फुटबॉल इस्टेडियम, रेड क्रॉस सोसाइटी, उपायुक्त आवास, राजकीय अतिथिसाला होते फिर बेसिक साइंस बिल्डिंग परिसर में सिरालक। प्रभात फेरी में सामिल एनएसएस कर स्वयंसेवक 'चुनाव कर पर्व, देश का गर्व, मेरा पहला वोट, देश के लिए, पहले मतदान, फिर जलपान, वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम, एनएसएस ने ठाना है, मतदान प्रतिशत बढ़ाना है' आदि नारा लगात रहयं।

कार्जक्रम के सफल बनाएक में एनएसएस कर टीम लीडर पीयूष, अंकित, आस्था, ह्रकेश, प्रियांशी, ऋषि, स्वरा, खुशी, आकाश, उदयशंकर, सोनम आदि कर जोगदान रहे। जानकारी होवी कि 1 मई के मोरहाबादी कर ऑक्सीजन पार्क में आम मतदातामन ले हस्ताछर अभियान आयोजित करल गेलक। उक्त आयोजन में लगभग 1000 से बेसी आम मतदातामन आपन हस्ताछर करलयं। मतदान करेक कर संकल्प लेलयं। ई कार्जक्रम में आरयू कर एनएसएस कर कार्जक्रम समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार बिसेस रूप से उपस्थित रहयं। हस्ताछर अभियान के सफल बनाएक में सुरभि, ह्रकेश, अंकित, पीयूष, प्रिंस,अतुल आदि कर जोगदान रहे।

धूमधाम से मनाल गेलक संकट मोचन मंदिर प्रेमनगर कर बारसिक उत्सव

□ हरे राम, हरे राम से गोटे बाताबरन होलक भक्तिमय

गुमला। जिला कर चैनपुर परखंड मुख्यालय इस्थित प्रेमनगर कर संकट मोचन मंदिर कर 21वां बारसिक उत्सव बड़ धूमधाम से मनाल गेलक। आचार्य अवनीश पाठक, संजय पाठक आउर गांव कर बैगा रवि बैगा बिधि बिधान से कलस पूजन आउर सुंदरकांड कर पाठ करलयं। उत्सव के लेइ के मंदिर के भव्य रूप से सजाल जाय रहे । पूजा अर्चना कर बाद प्रसाद कर बितरन करल गेलक। सांझ कर सात बजे से भंडारा कर भी आयोजन करल गेलक। भंडारा कर बाद बारह घंटा कर अखंड हरि कीर्तन से हरे राम हरे राम हरे कृष्ण हरे कृष्ण भक्तिमय बाताबरन होए गेलक। इकर में समस्त चैनपुर आउर प्रेमनगर कर सनातनी भक्तमन कर द्वारा कीर्तन करल गेलक। इकर में पुरुष आउर महिला दुईयों सामिल होलयं। ई मौका में समाजसेवी अरूण चौधरी आउर कृष्णा प्रसाद बतालयं कि हर बछर हनुमान मंदिर कर बारसिक उत्सव धूमधाम से मनाल जायेला। ई बछर भी गंवईयामन कर सहयोग से बर्सिकोत्सव बड़ उत्साह कर संगे संपन्न होलक। एक मई के हर बछर हमिन हनुमान जी कर प्रतिमा कर पूजा अर्चना आउर आरती राइत में करीला।

भजन कीर्तन कर संगे ई दिन के बड़ खुसी कर संगे मनाइला। आवेक वाला समय में ई उत्सव के आउर भी धूमधाम आउर भव्य तरीका से मनाल जाई। मौका में अरूण चौधरी, कृष्णा प्रसाद, राजेश राम, राजेन्द्र चौधरी, चंचल केशरी, गणेश साहू, गुड्डू साहू,सोनू गुप्ता, शिवम केशरी, रवि रंजन कुमार, राहुल कुमार संगे ढेइरे मायंमन आउर बहिनमन आवल रहयं।

मारवाड़ी ब्राह्मण सभा कर फिजियोथेरेपी कैंप में 500 गो अदमीमन कर होलक इलाज

रांची। मारवाड़ी ब्राह्मण सभा रांची कर सौजन्य से चलाल जाएक वाला पांच दिवसीय फिजियोथेरेपी कैंप कर समापन होए गेलक। कैंप 27 अप्रैल से 1 मई, 2024 तक चललक। ई पांच दिन में कैंप में लगभग 500 गो बिभिन्न बर्ग आउर समाज कर अदमीमन इलाज करुवालयं। कैंप में उदयपुर से आवाल डॉ. एम.ए. चैनम आउर कैलाश कुमार बतालयं कि ई थेरेपी फ्रोजन सोल्डर, कमर दर्द, घुटना कर दरद, आउर बिभिन्न प्रकार कर दरद में बिसेस रूप से प्रभावी हेके। ई अवसर में मारवाड़ी ब्राह्मण सभा कर अध्यछ रमेश चंद्र शर्मा आउर मंत्री कृष्णा लाल शर्मा बतालयं कि मारवाड़ी ब्राह्मण सभा भविस में फिर से एहे लखे कैंप लगाई, जेकर से समाज कर सउब अदमीमन के उचित उपचार मिइल सके। ई कार्जक्रम में उपाध्यछ अरुण जोशी आउर अशोक कुमार पुरोहित, उपमंत्री प्रदीप शर्मा एवं महेंद्र कुमार शर्मा, कोसाध्यछ श्याम सुन्दर गोवला, आंतरिक अंकेछक अमित सारस्वत (काली), कार्जक्रम संयोजक नथमल शर्मा संगे सउब कार्यकारिनी सदस्यमन जोगदान देइ के कार्जक्रम के सफल बनालयं।

समर्पण शाखा मजदूरमन कर बीच करलक टी सर्ट कर बितरन

रांची। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस में फैक्ट्री कर मजदूरमन कर बीच टी सर्ट कर बितरन करलयं। इकर में निकिता जालान टी सर्ट कर सहयोग करलयं। इ काम गणगौर वर्क सॉप में करल गेलक। जन-सेवा प्रभारी दीपिका मोतिका आउर संयोजिका कविता सोमानी कार्जक्रम के लाइन अप करलयं। साखा अध्यछ विनीता सिंघानिया कहलयं कि मज़दूर दिन राइत मेहनत करयंना। उनकर मेहनत से बिजनेस सफल होवे पारेला। करीब 35 गो टी सर्ट मजदूरमन के देवल गेलक। कार्जक्रम में नवानिर्वाचित अध्यछ विनीता सिंघानिया, सचिव शुभा अग्रवाल, दीपिका टेकरीवाल, कविता सोमानी, दीपिका मोतिका, कविता जालान, पूजा अग्रवाल, सोनल अग्रवाल, पायल जैन, ममता टिबड़ेवाल उपस्थित रहयं। ई जानकारी मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल देलयं।

राज्यपाल से भारतीय प्रशासनिक सेवा कर परसिछु पदाधिकारी मिललयं

रांची। राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन से आइज भारतीय प्रशासनिक सेवा कर परसिछु पदाधिकारीमन राजभवन में भेंट करलयं। ई अवसर में राज्यपाल परसिछु अधिकारीमन से कहलयं कि ऊ मन स्वहित ले नई, बल्कि हमेसा समाज कर उत्थान ले काम करयं। समाज में ब्याप्त बिभिन्न समस्यामन कर निदान ले सक्रिय रहयं। राज्यपाल कहलयं कि अदमीमन के सिछा, स्वास्थ्य, पेयजल, पोसन आदि बुनुयादी सुबिधामन कर सुलभता ले तत्पर रहयं। जीवन में नियम कर पालन करते सही डहर के अपनाऊ आउर राइज कर बिकास में जोगदान देऊ।

प सिंहभूम चैंबर कर पदधारी सत प्रतिसत मतदान कर लेलयं सपथ

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज कर चतुर्थ कार्यसमिति कर बैठकी अध्यछ राजकुमार ओझा कर अध्यछता में बुधवार के रेस्टोरेंट सभागार में होलक। इकर में पिछला बैठकी कर काम कर संपुस्टि करल गेलक। होली मिलन समारोह आउर रामनवमी कर अवसर में करल गेल कार्जक्रममन कर समीछा करल गेलक। कोसाध्यछ आयुष दोदराजका लेखा-जोखा प्रस्तुत करलयं। बैठकी में आगामी लोकसभा चुनाव के देखते मतदान सत प्रतिसत करेक कर इच्छा से सउब पदधारी के सपथ देवाल गेलक कि ऊमन 'पहले मतदान, फिर जलपान' करबयं। आपन कर्मचारी आउर मुहल्ला कर अदमीमन के मतदान केंद्र तक लाइन के मतदान करुवाबयं। अगर केऊ अदमी चलेक में असमर्थ आहे, तो उके साधन देइ के मतदान केंद्र तक लानबयं आउर मतदान करुवाबयं।

होली मिलन समारोह आउर रामनवमी में उत्कृष्ट जोगदान देवेक वाला आउर कार्जक्रम कर जिम्मेवारी लेवेक वाला सदस्यमन के पुरस्कृत करल जाई। इकर सउब सदस्यमन स्वागत करलयं। बैठकी में उपाध्यछ संजय अग्रवाल, अभिषेक दोदराजका, महासचिव संतोष सिन्हा, सहसचिव इम्तियाज़ खान, जैकी खान, कार्यकारिणी सदस्य अभिषेक चौरसिया, छोटू लाल गुप्ता, मोहित चिरानिया, प्रकाश उपाध्याय, जगविंदर प्रताप सिंह, पवन अग्रवाल, रघुनंदन फिरोजीवाला, प्रमोद खिरवाल, अमर मिश्रा, अमित ठाकुर, राधा मोहन बनर्जी, अनूप प्रसाद, संदीप दोदराजका आउर सलाहकार समिति कर सदस्य दिलीप अग्रवाल मौजूद रहयं।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना-गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक :** कृशन गोपालका, **सलाहकार संपादक :** रतन लाल अग्रवाल। फोन नंबरः 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडी**ः jharkhandwanitaudyog@gmail.com